ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज एवं रांची (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • आश्विन शुक्ल पक्ष 01 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 15 अक्टूबर 2023 • वर्ष-30 • अंक-02 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

नवरात्र : पहला दिन

मां शैलपुत्री ध्यान मंत्रः

वन्दे वांछितलाभाय, चंद्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढ़ां शूलधरां, शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

अर्थात- मैं मनोवांछित लाभ के लिये अपने मस्तक पर अर्धचंद्र धारण करने वाली, वृष पर सवार रहने वाली, शूलधारिणी और यशस्विनी मां शैलपुत्री की वंदना करता हूं।

गागर में सागर

पलामू में फंदे से झूलकर दो महिलाओं ने की खुदकुशी

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सतबरवा और पांकी थाना क्षेत्र में दो महिलाओं ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों शवों का पोस्टमार्टम शुक्रवार को एमएमसीएच में किया गया। मृतक महिलाओं की पहचान पांकी के लोहरसी निवासी फुलवा देवी और सतबरवा के कुंडेलवा निवासी फूलमती देवी के रूप में की गयी है। पोस्टमार्टम कराने आये फूलमती के पिता पलामू किला निवासी रबदा फुलवरिया ने ससुर गोपाल सिंह, पति जिला सिंह, ससुर दीपा सिंह, गोतनी आदि पर हत्या का संदेह जताया है। पिछले कुछ समय से सोने की चेन की मांग की जा रही थी और इसके लिए उसकी बेटी के साथ मारपीट भी की जाती थी। पांकी के लोहरसी आत्महत्या मामले में मृतक के ससुर ने बताया कि उनके बेटे की शादी 12 साल पहले हुई थी। वह बाहर रहकर शरिया शटरिंग का काम करता है। पत्नी से अवैध संबंधों को लेकर फोन पर विवाद हुआ था। इसके बाद घर पर किसी को न पाकर फुलवा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके दो बच्चे हैं। घटना के समय ससुर काम पर गये थे जबकि सास किसी रिश्तेदार के घर गयी थी। घर की एक छोटी बेटी भी बाहर थी। पुलिस दोनों मामलों की छानबीन कर रही है।

ईचागढ़ में आठ क्विंटल गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

रांची। सरायकेला-खरसावां जिले की ईचागढ़ थाना पुलिस ने एक ट्रेलर से ले जाया जा रहा 810 किलो गांजा बरामद किया है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें यूपी के बरेली निवासी वाहिद खान और धनबाद के झरिया निवासी करण कुमार गुप्ता शामिल हैं। इनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। यह ट्रेलर रांची की ओर जा रहा था। बताया गया कि जिले के एसपी डॉ. विमल कुमार को नशे की बड़ी खेप ले जाए जाने के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने एसडीपीओ संजय सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर रोड पर तैनात किया। इसी दौरान चौका नामक जगह पर ट्रेलर को रोका गया। उस पर अलग-अलग पैकेट में छिपाकर आठ क्विंटल गांजा रखा था। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023

भारत -192/3 (30.3 ओवर)

पाकिस्तान - 191/10 (42.5 ओवर)

आज का मैच

इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान दिल्ली (2 बजे से)

अमेरिकन मेड रायफल के साथ टीएसपीसी के पांच नक्सली गिरफ्तार

हथियारों का जखीरा बरामद

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

कोयलांचल में लेवी व रंगदारी की मांग को लेकर आतंक का पर्याय बन चुके प्रतिबंधित टीएसपीसी नक्सलियों को पुलिस ने बड़ा झटका देते हुए अमेरिकन मेड रायफल के साथ टीएसपीसी के पांच नक्सली को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। सिमरिया एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने जिले के पिपरवार, टंडवा व सिमरिया थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर टीएसपीसी के सब जोनल कमांडर प्रभात उर्फ विरासत उर्फ प्रेम गंझू व सब जनल कमांडर विशु उर्फ अशोक गंझू, सक्रिय सदस्य अरुण प्रजापति, नरेश कुमार भोक्ता व जितेंद्र कुमार रजक को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने गिरफ्तार पांचों नक्सली के पास से 1 एक-56 राइफल, एक सेमी ऑटोमेटिक एसएलआर राइफल, .315 बोर का एक राइफल, दो देसी कट्टा, पांच मैगजीन, विभिन्न कैलिबर का 275 राउंड गोली, लेवी मांगने में प्रयुक्त

विभिन्न कंपनियों का 10 मोबाइल फोन, टीएसपीसी उग्रवादी संगठन का 88 नक्सली पर्चा और एक पिट्ठु बैग बरामद किया गया है। गिरफ्तार नक्शली कोयलांचल में कार्यरत कोल व्यवसाइयों और रेलवे निर्माण में लगे कंपनी के ठेकेदारों को फोन कर लेवी की मांग करते थे। इसके आलावा शिवपुर-कठौतिया रेलवे लाईन के निर्माण कार्य में लगी आईएससी कंस्ट्रक्शन कंपनी के फुलवरिया साइट पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया था। मामले की जानकारी देते हुए एसपी राकेश रंजन ने बताया नक्शलियों की गिरफ्तारी संगठन के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने क्षेत्र में कार्य कर रहे कोल व्यवसाईयो से निडर होकर कार्य करने की बात कही है। उन्होंने किसी भी नक्सली संगठन के नाम पर लेवी व रंगदारी से संबंधित धमकी या फोन आने पर पुलिस को सूचित करने की भी बात कही है।

बूढ़ा पहाड़ में सुरक्षा बलों को उड़ाने की साजिश नाकाम, सात सिलिंडर बम सहित नौ आईईडी बरामद

रांची। लातेहार जिले में बूढ़ा पहाड़ की तराई वाले जंगलवर्ती इलाके से पुलिस ने सात सिलिंडर बम के अलावा दो आईईडी बरामद किए हैं। माना जा रहा है कि माओवादियों ने सुरक्षा बलों को उड़ाने की योजना के तहत बम प्लांट किए थे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने करीब एक साल पहले ही बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त करा लिया था। आशंका है कि बम या तो पहले लगाए गए होंगे या फिर बूढ़ा पहाड़ से भागने के बाद नक्सलियों का कोई दस्ता फिर से पांव फैलाने की कोशिश कर रहा है। लातेहार के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को सूचना मिली थी कि लाटू के जंगल में माओवादियों ने भारी संख्या में सिलेंडर बम छिपाकर कर रखा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ व जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने लाटू जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान ढाई-ढाई किलो के सात सिलेंडर बम, एक टिफिन बम व एक अन्य आईईडी बरामद किया गया। सीआरपीएफ की बम निरोधक टीम द्वारा मौके पर ही डिफ्यूज कर दिया गया। इस बीच पुलिस और सीआरपीएफ ने ग्रामीणों को अलर्ट किया है कि जंगल में कुछ और जगहों पर नक्सलियों की ओर से लगाई गई आईईडी हो सकती है, इसीलिए जंगल की ओर से जाने से बचें। पुलिस और सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

भाकपा माओवादी हार्डकोर नक्सली नेहरू मुंडा गिरफ्तार

गुमला। पुलिस को भाकपा माओवादी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के मरवा गांव के भाकपा माओवादी के हार्डकोर नक्सली नेहरू मुंडा को गिरफ्तार किया है। नेहरू मुंडा (50) पर पुलिस पार्टी पर हमला करने का आरोप है। नक्सलियों से मिलकर नेहरू ने कुरूमगढ़ इलाके के जंगल में लैंड माइंस विस्फोट किया था, जिसमें एक पुलिस जवान का पैर उड़ गया था। इसके बाद से नेहरू फरार था। एसडीपीओ विकास आनंद लांगुरी ने शनिवार को बताया कि एसपी के निर्देश पर उग्रवादियों एवं उग्रवादी समर्थकों के विरुद्ध गिरफ्तारी के लिए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसपी को लगातार सूचना मिल रही थी कि कुरूमगढ़ थाना के घोर उग्रवाद प्रभावित मरवा गांव निवासी उग्रवादी नेहरू मुंडा आये दिन मरवा गांव और आसपास के क्षेत्र में भाकपा माओवादी संगठन को क्षेत्र में समर्थन देने के लिए ग्रामीणों को डरा धमका रहा है।एसडीपीओ ने बताया कि पहले से ही कुरुमगढ़ थाना के दो उग्रवादी कांडों आर्म्स एक्ट व विस्फोटक सामग्री रखने में वांछित है। एसपी के आदेश के बाद कुरुमगढ़ ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

रोहित हिट, पाक चित

अहमदाबाद। गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन और कप्तान रोहित शर्मा की 86 रन की आतिशी पारी से भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप मुकाबले में शनिवार को सात विकेट से पीट दिया और टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अपराजेय क्रम बरकरार रखते हुए लगातार आठवीं जीत दर्ज की।भारत ने पाकिस्तान को 42.5 ओवर में 191 रन पर ढेर करने के बाद 30.3 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बनाकर जीत की हैट्रिक पूरी की जबकि पाकिस्तान को तीन मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने फिर एक तूफानी पारी खेली और 63 गेंदों पर 86 रन में छह चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, शुभमन गिल और विराट कोहली ने 16-16 रन बनाये। श्रेयस अय्यर 53 और केएल राहुल 19 रन पर नाबाद रहे। श्रेयस ने भारत के लिए विजयी चौका मारा और अपना अर्धशतक पूरा किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद देवेंद्र मांझी को शहादत दिवस पर किया नमन, कहा

झारखंड का नव निर्माण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

पश्चिमी सिंहभूम। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड हमेशा से वीरों और शहीदों की धरती रही है। यहां के अनेकों वीरों ने अन्याय और शोषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। इस लड़ाई में कई ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन्हीं शहीदों में एक नाम है-देवेंद्र मांझी, जिन्होंने जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए जान दे दी। उनके योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि झारखंड का नव निर्माण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा में शहीद देवेंद्र माझी के 29वें शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर झारखंड की माटी के वीर सपूत शहीद देवेंद्र मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने

कहा कि हमारे वीरों ने झारखंड अलग राज्य के आंदोलन और आदिवासी- मूलवासी तथा जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया। अब हमारा दायित्व बनता है कि इन शहीदों के सपनों के अनुरूप झारखंड का संवारे। यहां के लोगों को पूरे मान-सम्मान के साथ उनका हक और अधिकार दें। हमारी सरकार इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

बेहतर और गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने पर विशेष फोकस : मुख्यमंत्री ने कहा शिक्षा के माध्यम से ही बेहतर समाज और राज्य का निर्माण संभव है। ऐसे में हमारी सरकार का शिक्षा की बेहतरी पर विशेष जोर है। बच्चियां पढ़ाई नहीं छोड़े, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई फुले समृद्धि योजना से जोड़ा जा रहा है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी से लेकर मेडिकल इंजीनियरिंग और अन्य कोर्सेज की पढ़ाई के लिए सरकार आर्थिक मदद कर रही है। यहां के बच्चे विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करें, इसके लिए उन्हें शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जा रही है। उत्कृष्ट विद्यालयों में बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर शिक्षा दी जा रही है। इसके अलावा शिक्षा से जुड़ी कई योजनाएं चल रही हैं, जो यहां के नौजवानों का भविष्य संवारने का काम कर रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा देना सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देना सरकार की विशेष प्राथमिकता है। इसी कड़ी में हमारी सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के माध्यम से सभी बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा की कोई भी बुजुर्ग पेंशन से वंचित न रहे इसके लिए अधिकारियों ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

पलामू पुलिस ने अपराधियों के खात्मे के लिए 20 गुर्गों की सूची तैयार की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू कुख्यात अमन साव और सुजीत सिन्हा से जुड़े हुए टॉप 20 गुर्गों की सूची तैयार की गई है। इस सूची में पलामू लातेहार समेत कई इलाके के गुर्गे शामिल हैं। दरअसल अमन साव को चाईबासा जेल से पलामू सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया है। इसके बाद पुलिस ने इलाके को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। पुलिस ने टॉप 20 गुर्गों की सूची तैयार की है। इस सूची में सभी गुर्गों का पूरा बायोडाटा और लेखा जोखा है। पुलिस गिरोह से जुड़े हुए सभी लोगों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। पुलिस ने अपराधियों के फोटो, उनका आपराधिक इतिहास, उनके कार्यक्षेत्र के साथ-साथ अन्य सभी तरह की जानकारी की फाइल तैयार की है। पुलिस ने यह भी जानकारी इकट्ठा की है। पलामू और लातेहार में कौन कौन से लोग अमन साव और सुजीत सिन्हा को मदद कर रहे हैं। पुलिस ने जिन 20 टॉप 20 गुर्गों की लिस्ट तैयार की है वे अमन साव और सुजीत सिन्हा के लिए आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते ही हैं। इसके साथ ही उनके लिए रंगदारी भी वसूलते हैं। इसके अलावा गिरोह के अन्य गुर्गों को हथियार भी उपलब्ध करवाते हैं। दरअसल झारखंड पुलिस ने संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ अभियान शुरू किया है। इस आपराधिक गिरोह में अमन साव और सुजीत सिन्हा गिरोह से जुड़े हुए लोगों के नाम भी हैं। पलामू एसपी रीष्मा रामेशन ने सूची तैयार किए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सुजीत सिन्हा और अमन साव गिरोह के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही उनके गिरोह को पूरी तरह से खत्म कर दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री कल 827 हाईस्कूल शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य में 827 हाई स्कूल शिक्षक अभ्यर्थियों के नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की 2016 में आयोजित परीक्षा में विभिन्न विषयों में सफल अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 16 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। रांची के स्वर्गीय रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान मोरहाबादी में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग से अनुशंसित सभी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दी जायेगी। संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता के अलावे राज्यसभा सांसद महुआ माजी, रांची सांसद संजय सेठ और रांची विधायक सीपी सिंह को भी स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है। इस संबंध में शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने बताया कि 827 माध्यमिक शिक्षकों के नियुक्ति के बाद हाई स्कूलों में खाली पड़े शिक्षकों में कमी आयेगी।

कमजोर मानसून के कारण कृषि क्षेत्र प्रभावित, जलाशयों का गिरा स्तर

किसानों की आय में बड़ी गिरावट, कृषि उत्पादन हुआ प्रभावित

नई दिल्ली। भारत के कृषि क्षेत्र को दक्षिण-पश्चिम मानसून से काफी नुकसान हुआ है। खड़ी फसले इससे काफी प्रभावित हुई हैं, साथ ही इस साल दलहन और तिलहन जैसी प्रमुख फसलों के तहत बोए गए क्षेत्र में भी कमी आई है। देश का आधे से अधिक कृषि क्षेत्र फसल उगाने के लिए बारिश पर निर्भर करता है। इससे आगे और अधिक परेशानी हो सकती है क्योंकि अंतर को भरने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब महंगे आयात का सहारा लेना पड़ सकता है। कम बारिश के कारण दालों की खेती का रकबा करीब 9 फीसदी कम हो गया है, जबकि सूरजमुखी का रकबा 65 फीसदी तक गिर गया है। उड़द, मूंग और अरहर जैसी दालों का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5.41 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। इसी तरह तिलहन का रकबा 3.16 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। इस साल राज्यों में लगभग 8.68 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ या भारी वर्षा से प्रभावित होने की सूचना है। खरीफ फसलों की कटाई शुरू हो गई है और आने वाले हफ्तों में कुल उत्पादन में नुकसान की सीमा स्पष्ट हो जाएगी। जून में मानसून देरी से शुरू हुआ, जिसके बाद जुलाई में अधिक बारिश हुई, उसके बाद अगस्त में

कमी हुई और फिर सितंबर में पंजाब और हरियाणा जैसे देश के कुछ हिस्सों में फिर से अधिक बारिश हुई, जिससे खड़ी फसल पर असर पड़ा। इसके चलते सब्जियों, खासकर टमाटर और प्याज की कीमतों में भारी वृद्धि हुई, जिससे मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई और घरेलू बजट बढ़ गया। किसानों की आय में गिरावट का उद्योग पर भी व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले ट्रैक्टरों और हीरो मोटोकॉर्प और बजाज जैसी ऑटो प्रमुखों द्वारा विपणन किए जाने वाले दोपहिया वाहनों की मांग में कमी आई है, जो हाल के महीनों में मासिक बिक्री संख्या में गिरावट से परिलक्षित होता है। खरीदे जाने वाले ट्रैक्टरों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। सरकार के वाहन पोर्टल में संकलित आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2023 में फार्म ट्रैक्टरों के केवल 49,007 पंजीकरण हुए, जो अगस्त में 68,431 और जुलाई में 84,473 थे। चावल, गेहूं, दालों और मसालों की बढ़ती कीमतें चिंता का कारण बनकर उभरी हैं। खुदरा मुद्रास्फीति के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों और खाना पकाने के तेल की कीमतों में गिरावट के कारण सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 6.56 प्रतिशत हो गई है, लेकिन दालों की कीमतें 16.38 प्रतिशत बढ़ गईं, जबकि मसालों की कीमतें 23.06 प्रतिशत बढ़ गईं। अनाज की कीमतें 10.95 फीसदी बढ़ गईं। सरकार ने गेहूं और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर कीमतों को नियंत्रण में ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुठभेड़ में घायल नक्सली का पुलिस ने किया रेस्क्यू

एयरलिफ्ट कर लाया गया रांची

रांची। कोल्हान में झारखंड पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया है। पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में घायल एक नक्सली को पुलिस के द्वारा न सिर्फ जंगल से रेस्क्यू किया गया बल्कि उसे बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है।

कोल्हान में चल रहा है बड़ा अभियान : कोल्हान में नक्सलियों के सफाए के लिए पिछले दो दिनों से झारखंड पुलिस के द्वारा केंद्रीय बलों के साथ मिलकर ताबड़तोड़ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में पुलिस और नक्सलियों के बीच कदम-कदम पर मुठभेड़ हो रहा है जिसमें नक्सलियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

मुठभेड़ खत्म होने के बाद शनिवार की दोपहर पुलिस के द्वारा जब सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया इसी दौरान एक झोपड़ी में दर्द से कराहता एक घायल नक्सली मिला,घायल नक्सली नबालिग है। उसे घायल देख सुरक्षा बलों ने आनन फानन में रेस्क्यू कर जंगल से निकाला और फिर मानवता का परिचय देते हुए हेलीकॉप्टर के जरिए एयरलिफ्ट कर उसे बेहतर इलाज के रांची भेजा। रांची में नक्सली का अस्पताल में बेहतर इलाज करवाया ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

गागर में सागर

नवाहण पारायण महायज्ञ की बैठक आज

मेदिनीनगर। स्थानीय साहित्य समाज के समीप स्थित तुलसी मानस मंदिर में आयोजित होने वाले श्री रामचरित मानस नवाहण पारायण महायज्ञ के 71 वें अधिवेशन को लेकर 15 अक्टूबर रविवार को सम्बंधितों की बैठक होगी। यह बैठक कोयल तट स्थित पलामू क्लब में अपराह्न 3बजे से होगी। यह जानकारी सचिव शिवनाथ अग्रवाल ने दी है। उन्होंने बताया है कि बैठक में यज्ञ आयोजन से जुड़ी विभन्न विषयों पर विचार किया जायेगा। यज्ञ का आयोजन 20नवंबर से 27 नवंबर तक होगा।

अवैध गिट्टी लदा ट्रक जब्त

हरिहरगंज । पिपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार की देर रात एक अवैध गिट्टी लदा ट्रक व एक ओवरलोड पत्थर लदा हाइवा जब्त किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पिपरा थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस इस मामले में दोनों वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सुल्तानी में धूमधाम से निकली कलश यात्रा

हरिहरगंज। नवयुवक समिति सुल्तानी की ओर से शारदीय नवरात्र के पावन मौके पर गाजे-बाजे के साथ विधिवत कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा में शामिल युवाओं की भीड़ जय दुर्गे, जय भवानी उद्घोष करते चल रहे थे। मां आदिशक्ति के प्रति मन में श्रद्धा भाव लेकर निकले कलश यात्रा में भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस मौके पर महिला-पुरुष सैकड़ो श्रद्धालुओं ने देवी मंदिर से चलकर बतरे नदी पहुंचे। जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भराई के बाद विधिवत कलश को देवी मंदिर में स्थापित की गयी। इसके साथ ही रविवार से दुर्गा सप्तशती के पाठ शुरू हो जायेगा। कलश यात्रा में भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंद्र कुमार सिंह, एनसीपी के प्रदेश उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार मेहता, प्रखंड अध्यक्ष मनीष सिंह, जिला सचिव अजय सिंह, डॉ मनोज कुमार आदि शामिल हुए। मौके पर कमेटी के निदेशक सह इवेंट मैनेजर फुटूक कुमार सिंह, अध्यक्ष विकाश सिंह, सचिव टिंकू सिंह, कोषाध्यक्ष संजीव सिंह, संयोजक सिंटू सिंह, उपाध्यक्ष बिंदेश्वरी शर्मा, मंदिर सुरक्षा अध्यक्ष निरंजन सिंह, पुजारी मनोज सिंह, निगरानी समिति में मुखिया विनय सिंह, अरुण सिंह, अरबिन्द सिंह, दिलू सिंह, गोराई सिंह, लव सिंह, गुड्डू सिंह, अमित सिंह, कमलेश सिंह, विपुल सिंह, मुन्ना सिंह, दुखी महेंद्र सिंह, सहित कई श्रद्धालु शामिल थे।

रामचरितमानस नवाह्न परायण महायज्ञ आज से, निकली कलश यात्रा

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में श्री श्री रामचरितमानस नवाह्न परायण महायज्ञ को लेकर हुसैनाबाद में कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा हुसैनाबाद के महावीर जी भवन पूजा समिति की ओर से निकाली गई। महावीर जी भवन से इसकी शुरूआत की गई। इसमें सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल थे। शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों से भ्रमण करते हुए श्रद्धालु देवरी सोन नदी पहुंचे। इस दौरान जय श्री राम, जय हनुमान के उद्घोष से क्षेत्र गुंजयमान व भक्तिमय रहा। सोन नदी से कलश में जलभरी की गई। महावीर मंदिर के आचार्य गोपाल पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ इसकी प्रक्रिया पूर्ण कराया। इस मौके पर जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह, उतरी जिप सदस्य राजू मेहता, यज्ञ समिति अध्यक्ष राजेन्द्र पाल, भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह, रविंद्र सिंह, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार, कर्नल संजय कुमार सिंह, कांग्रेस प्रदेश सचिव धनंजय तिवारी, आदि बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु कलश यात्रा में शामिल थे।

बगैर वजन के डीलरों को देते हैं खाद्यान्न, एजीएम ने किया इंकार

डीलरों ने बताया कि प्रत्येक बोड़े में चार से पांच किलो अनाज कम होता है

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड मुख्यालय मे एक एफसीआई का गोदाम है। इसी गोदाम से डीलरों को खाद्यान्न आवंटन के अनुसार उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा स्कूलों को मिड डे मील हेतु और आंगनबाड़ी केंद्रों को भी इसी गोदाम से खाद्यान्न मिलता है। अभी इस गोदाम के एजीएम इम्तियाज हुसैन हैं। जिनके कारनामों के कारण इन दिनों यह गोदाम काफी चर्चा में है। इनकी मिलीभगत से गोदाम पर अपरोक्ष रूप से राशन माफियाओं का कब्जा हो चुका है। चंद चहेते डीलर के साथ मिलकर एजीएम इम्तियाज हुसैन मनमाने तरीके से गोदाम को संचालित कर रहे हैं। डीलरो ने बताया कि प्रत्येक बोड़े में चार से पांच किलो

अनाज कम होता है। डिलरो ने तो यह भी आरोप लगाया कि वजन करने वाले इलेक्ट्रोनिक मशीन से भी इन्होंने छेड़छाड़ की है। अगर कोई डीलर वजन कराने पर अड़ जाता है तो अपनी मशीन पर तौल देते हैं। हालांकि एजीएम इम्तियाज हुसैन अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि मुझे बदनाम करने की नीयत से कुछ डीलर झूठा भ्रम फैला रहे हैं। मापतौल का सरकारी मशीन ठीक है। समय बचाने हेतु डिलर खुद बोड़ा का एवरेज वजन तय कर ले जाते हैं। इस संबंध में बीडीओ विक्रम आनंद ने कहा कि जैसे ही किसी डीलर से इसकी लिखित शिकायत मिलेगी तत्काल जांचोपरांत कार्रवाई होगी।

कलश यात्रा के साथ पोलपोल में रामचरितमानस नवाह्न पारायण यज्ञ शुरू

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पोलपोल में श्रीरामचरितमानस नवाह्न पारायण यज्ञ के 46 वें अधिवेशन का शुभारंभ शनिवार को कलश यात्रा के साथ हुआ। बाजे गाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें विभिन्न गांव के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। इसमें शामिल लोगों ने कई गांवो का भ्रमण करते हुए दोमुहान नदी पहुंचे जहा कलश में जल भरा। श्रीमद् नारायण व जय श्रीराम जय हनुमान के उद्घोष के साथ शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर था ।रंग-बिरंगे परिधानों में शामिल श्रद्धालु कलश लिए चल रहे थे। यज्ञ मंडप में पहुंचे श्रद्धालुओं को वैदिक मंत्रोचार के बीच कलश की स्थापना कराई गई। कमेटी के लोगों द्वारा यज्ञ की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है इस मौके पर यज्ञ समिति के अध्यक्ष आनंद कुमार सिंह ,उपाध्यक्ष शिव कुमार सिंह, सचिव शशि कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष उमेश प्रसाद, सह सचिव लालेश्वर सिंह,भोजन मंत्री सूर्य प्रकाश सिंह, सुरक्षा मंत्री प्रयाग राम, मलिक कुमार सिंह स्वागत अध्यक्ष, उमाशंकर सिंह, विनोद ठाकुर, ओमप्रकाश सिंह, सुशील कुमार सिंह, जे पी सिंह, एजेंसी लाल,बंशीधर प्रसाद,संतोष कुमार पांडेय, ओमप्रकाश पाण्डेय, सोनू कुमार समेत दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित थे।विदित हो कि प्रथमा तिथि से नवमी तिथि तक सुबह में श्री रामचरितमानस नवाह्न पारायण का पाठ व रात्रि में आठ बजे से श्री राम कथा का आयोजन किया जाएगा। वही दशमी तिथि को दशहरा व मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम किया जाएगा।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने कपेश्वर सिंह

हरिहरगंज। कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से हरिहरगंज व्यापार मंडल का मतदान संपन्न हो गया। जिसमें व्यापार मंडल अध्यक्ष के रूप मे कपेश्वर सिंह उर्फ केपी बाबू निर्वाचित किये गये है। कपेश्वर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कृष्ण कुमार सिंह को कुल 44 वोटों से हराया। कपेश्वर सिंह को कुल 92 वोट मिले, जबकि कृष्ण कुमार सिंह को 48 वोट मिले। वहीं पांच वोट रद्द हुआ, राज्य निर्वाचन आयोग के गाइडलाइंस के अनुसार सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक वोटिंग हुई। उसके बाद 3 बजे से मतगणना कार्य प्रारंभ की गई। मौके पर निर्वाचित व्यापार मंडल अध्यक्ष कापेश्वर सिंह उर्फ के पी बाबू ने कहा कि किसानों तथा व्यापारियों की समस्या के लिए 24 घंटे खड़े रहेंगे। इस मौके पर निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, दंडाधिकारी रामनरेश राम, अनुकल्पिक निर्वाचन पदाधिकारी निशीसंतोष ठाकुर, एसआई कृष्णा यादव के अलावे मुखिया सरोज प्रसाद कुशवाहा, पूर्व प्रमुख प्रदीप सिंह, बुधन सहित काफी संख्या में कोऑपरेटिव के सदस्य पैक्स अध्यक्ष तथा किसान मौजूद थे।

प्रबंधन समिति के सदस्यों को किया गया प्रशिक्षित

नवीन मेल संवाददाता

विश्रामपुर। प्रखंड के चेचरिया मध्य विद्यालय में प्रबंधन समिति को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। शिविर में प्रबंधन समिति का खेल के माध्यम से परिचय, प्रार्थना, प्रशिक्षण का उद्देश्य, प्रशिक्षण पूर्ण मूल्यांकन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्कूल के संचालन में विद्यालय प्रबंधन समिति के कार्य व दायित्व, बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में समुदाय की भूमिका पर चर्चा किया गया। प्रोजेक्टर के माध्यम से वीडियो प्रदर्शन कर बच्चों की शिक्षा के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यालय के सचिव सह प्रधानाध्यापक जैनेन्द्र कुमार पांडेय ने कहा कि सब कुछ व्यवस्थित रूप से संचालित होता रहा है जो आगे भी जारी रहेगा। शिविर में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ललन कुमार राम, राजबली महरा, मीना देवी, सुनीता देवी, अनमोल देवी, सुनीता कुंवर, किरण देवी, बिमला देवी, मंजू देवी, वार्ड सदस्य अनीता देवी, पुष्पा देवी, उर्मिला देवी, शिक्षक प्रतिनिधि रमेश चंद्र दुबे, शिक्षक सुदर्शन सिंह, रघुवीर पांडेय सहित समिति के सदस्य व बाल सांसद की छात्र छात्रायें शामिल थे।

विद्या मंदिर जपला में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

आपसी सामंजस्य से होगा बच्चों का सकारात्मक विकास : कृष्णकांत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जपला में शनिवार को अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया ।इस गोष्ठी में कक्षा पंचम से सप्तम तक के भैया - बहनों के 73 अभिभावक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रुप में सक्रिय अभिभावक सुरेश सिंह, प्रधानाचार्य कृष्णकांत दूबे, प्रभारी प्रधानाचार्य अखिलेश विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बच्चों के उज्जवल भविष्य से संबंधित विभिन्न आयामों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि भैया-बहनों के विकास के लिए

विद्यालय कटिबंध है, परंतु बिना अभिभावकों के सहयोग के यह कार्य सफल होना संभव नहीं है। अभिभावक एवं विद्यालय के बीच के संपर्क पर जोर डालते हुए कहा कि समय-समय पर संपर्क करने एवं गृह कार्य की जानकारी अथवा अन्य विषयों पर भी दोनों के बीच सही सामंजस्य से ही भैया- बहनों में सकारात्मक विकास संभव है। गोष्ठी के दौरान कई अभिभावकों ने सुझाव भी दिये एवं समस्या का भी जिक्र किया। सभी अभिभावकों के सुझाव एवं समस्या के निदान पर चर्चा हुई। मंच का संचालन संजय सिन्हा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रमुख अभिषेक पाठक, मनोज सिंह, अजय कुमार, छाया कुमारी, मृत्युंजय प्रसाद, सुनील पासवान, दीपक पाण्डेय, रंजीत मिश्र, धर्मेंद्र कुमार, सुनील गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

अवैध शराब के भट्ठी को पुलिस ने किया ध्वस्त

हरिहरगंज। थाना क्षेत्र के भांवर गांव में पुलिस ने शनिवार को अवैध तरीके से चल रहे देशी शराब के विरूद्ध अभियान चलाकर भट्ठी को ध्वस्त किया। इस दौरान अभियान के नेतृत्वकर्ता पथरा ओपी प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि अवैध भट्ठी से 35 प्लास्टिक के ड्रम में करीब 30 क्विंटल जावा महुआ के साथ ही सैंकड़ों लीटर निर्मित शराब एंव शराब बनाने के कई उपकरण को नष्ट किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को देखते ही धंधेबाज भागने में सफल रहे। इस अभियान में पुलिस बल के कई जवान शामिल थे। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सुदामा कुमार दास ने बताया कि थाना क्षेत्र में चोरी छिपे चल रहे अवैध शराब भट्ठी और धंधेबाजों के विरूद्ध अभियान आगे भी चलता रहेगा।

छात्रों की समस्याओं से कराया अवगत

मेदिनीनगरा। वाईजेके स्टूडेंट्स फेडरेशन के जिला अध्यक्ष विपिन यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने एनपीयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ एमके दीपक से मुलाकात कर छात्रों की समस्याओं से अवगत कराया। परीक्षा नियंत्रक से सत्र 2018-21 एवं 2019- 22 की जेनेरिक पेपर की परीक्षा की समस्या का निराकरण करने की मांग की। विपिन यादव ने कहा कि 2018-21 और सत्र 2019-22 के जेनेरिक पेपर की परीक्षा नहीं आयोजित की गई है। परीक्षा नहीं होने के कारण कई छात्र परेशान है।

बेतला की वादियां बुला रही हैं, पर्यटकों का आना-जाना शुरू

बरसात के बाद सड़कों की मरम्मत हो रही है : रेंज ऑफिसर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हाल के दिनों मे अच्छी खासी बारिश से बेतला नेशनल पार्क के अंतर्गत पड़ने वाली सड़कें खराब हो गई हैं। बावजूद पर्यटकों का आना जाना शुरू है। पार्क में पर्यटकों के लिए जो सड़के खुली हैं यह सड़के कच्ची हैं। कुछ हिस्सा पक्का है। कच्ची सड़कें वन प्राणियों के लिए बहुत लाभदायक हैं। उन्हें चलने में आसानी होती है। वर्षा से इन कच्ची सड़कों का हाल बेहाल है। यह प्रत्येक वर्ष होती है। इसके खराब होने के लिए केवल वर्षा को दोषी नहीं माना जा सकता है। यदि देखें तो पर्यटकों की लगभग 100 गाड़ियां बेतला नेशनल पार्क में प्रतिदिन चलती हैं। सड़कों को हर साल मोरल मिट्टी से ठीक किया जाता है। मोरल मिट्टी वन प्राणियों के लिए लाभकारी होता है। क्योंकि वह

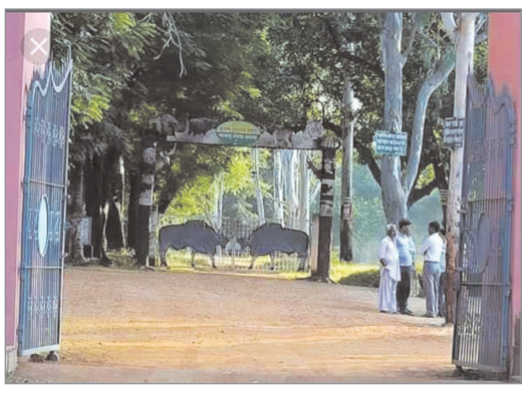

अपने पद चिन्ह छोड़ते हैं। सड़क नंबर एक इसलिए खराब हो जाती है क्योंकि पानी की निकासी नहीं हो पाती है। इन सभी के लिए नवंबर और दिसंबर महीने में सरकार सड़क के मरम्मत के लिए पलामू टाइगर रिजर्व को पैसा भेजती हैं। बेतला रेंज के रेंजर शंकर पासवान ने इस बाबत बताया कि सड़कें ठीक-ठाक की गई हैं। कुछ सड़को को ठीक किया जा रहा है। ताकि पर्यटकों की गाड़ी ठीक से आ जा सके। उन्होंने बताया कि यहां 10 से 12 तेंदुआ मौजूद हैं। बरसात के दिनों में हर साल की भांति इस साल भी कैमरा ट्रैक को हटा लिया जाता है। यह कैमरा ट्रैक वाटरप्रूफ नहीं है। जिसके कारण बरसात में इन्हें जंगलों में लगाकर नहीं छोड़ा जा सकता है। पर्यटकों ने तेंदुआ के देखने की बात बताई है। हाल के दिनों में हाथी की संख्या बढ़ी है। क्योंकि बेतला और उसके आसपास के गांव में धान की खेती अच्छी हुई है।

किशुनपुर के मौर्या टाड़ पर निकाली गई कलश यात्रा

पाटन। प्रखंड के किशनपुर मौर्या टाड़ पर लगातार तेरहवें साल की दुर्गा पूजा का कलश यात्रा निकाला गया। इस कलश यात्रा में पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार शामिल हुए। कमेटी के अध्यक्ष विकास उपाध्याय, सचिन, छोटू उपाध्याय, कोषाध्यक्ष कुंदन दुबे के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम में कृष्ण उपाध्याय, बच्चन उपाध्याय, सरदारी उपाध्याय, ब्राह्मण समाज के पूर्व अध्यक्ष पाटन विनोद उपाध्याय, बलराम दुबे, बबलू उपाध्याय, कुंदन उपाध्याय, राजू उपाध्याय, गोविंद साहब, राजन उपाध्याय, किशनपुर मंडल के पूर्व युवा अध्यक्ष श्रीकांत तिवारी, विधायक प्रतिनिधि जिला कार्यकारिणी सदस्य अशोक तिवारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गढ़वा
(जिला आपूर्ति शाखा)

प्रेस-विज्ञप्ति

विभागीय निदेशानुसार **प्रत्येक माह के 15वीं एवं 16वीं तथा 25वीं एवं 26वीं तारीख (अवकाश एवं बंदी की स्थिति में अगले कार्य दिवस)** को चावल दिवस के रूप में मनाये जाने के कम में गढ़वा जिला अंतर्गत संचालित सभी जन वितरण प्रणाली दूकानों को खुला रखकर लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण किया जाना है। इस कम में माह अक्टूबर–2023 के प्रथम पक्ष में दिनांक–15.10.2023 को रविवारीय अवकाश होने के कारण **दिनांक–16.10.2023 एवं 17.10.2023 को** चावल दिवस मनाया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि चावल दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन के निमित जिला स्तर से आदेश निर्गत कर प्रत्येक पंचायत में निरीक्षण हेतु पर्यवेक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को इसके सफल संचालन हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं JSLPS के कर्मियों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया गया है। गढ़वा जिला के सभी राशन कार्डधारियों से अपील की जाती है कि वे चावल दिवस के अवसर पर अपने–अपने जन वितरण प्रणाली के दूकानों पर अवश्य जायें एवं सरकार के इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ उठावें।

इसी प्रकार चावल दिवस के अवसर पर जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के द्वारा अपने व्यपार स्थल पर ही निम्नांकित कार्य भी किये जायेंगे :–

01. **छुटे हुए सदस्यों के ई पॉस मशीन में आधार संख्या की प्रविष्टि कराना।**
02. **मृत/स्थाई रूप से पलायन व्यक्तियों का सत्यापन कर सूची तैयार करना।**
03. **अयोग्य लाभुकों की सूची तैयार करना।**
04. **लाभुकों को ससमय खाद्यान्न प्राप्त करने हेतु सूचना उपलब्ध कराना, ताकि खाद्यान्न वितरण प्रतिशत में वृद्धि हो सके।**
05. **धोती, साड़ी एवं लुगीं का वितरण।**

प्रतिनियुक्त सभी कर्मी अपने–अपने आवंटित पंचायत अंतर्गत सभी जन वितरण प्रणाली के दूकानों का निरीक्षण करते हुए चावल दिवस आयोजन का फोटो संबंधी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी उक्त फोटो को जिला स्तरीय All MO Group में भेजना सुनिश्चित करेंगे। यदि निरीक्षण के दौरान लाभुकों से कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उसे अनुमंडल स्तरीय नियंत्रण कक्ष के निम्नांकित दूरभाष सं0–गढ़वा अनुमंडल–8271034431, श्री बंशीधर नगर अनुमंडल–9262292004, रंका अनुमंडल–9431785282 एवं जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष का दूरभाष सं0–9835596270 पर दर्ज कराएंगे।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
गढ़वा

PR 309136Food Public Distribution and Consumer Affairs(23-24)#D

Government of Jharkhand
URBAN DEVELOPMENT & HOUSING DEPARTMENT
Office of Gumla Nagar Parishad, Gumla

Re - Very Short Term Expression of Interest

नगर परिषद्, गुमला क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न वार्डों में लगे हाई मास्ट लाईट / मिनी मास्ट लाईट के विद्युत सामग्रियों की आपूर्ति हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति द्वारा निविदा के माध्यम से इच्छुक व्यक्ति / पंजीकृत संस्था / संवेदक से दर (सभी कर सहित) आमंत्रित किया जाता है। स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि सहित नगर परिषद्, गुमला कार्यालय में निविदा डालने वाले ससमय उपस्थित रहेंगे।

A. Date of selling of Tender Document : 26.10.2023 from 10:00 A.M. to 05:00 P.M.
B. Date of receiving of sealed EOI : 27.10.2023 from 10:00 A.M. to 05:00 P.M.
C. Date and time of opening of EOI : 28.10.2023 at 03:00 P.M.
D. Place of receiving and opening of EOI : Office of Gumla Nagar Parishad, Gumla
E. Scope of work :

S.N.	Particulars	Qty.	Remarks
1	हाई मास्ट चॉक (400 W)	50 Pc	
2	हाई मास्ट चॉक (250 W)	40 Pc	
3	हाई मास्ट बल्ब (400 W)	50 Pc	
4	हाई मास्ट बल्ब (250 W)	40 Pc	
5	हाई मास्ट होल्डर	60 Pc	
6	एम.सी.बी. (63 AP)	65 Pc	
7	एल.ई.डी. बल्ब (30 W)	1800 Pc	
8	पेटेन्ट होल्डर	650 Pc	
9	स्वीच टामलर (16 A)	280 Pc	
10	तार (1.5 mm)	30 Coil	
11	तार (8 mm Aluminium)	3 Coil	
12	ब्लैक टेप	120 Pc	

नोट :– नियम एवं शर्त्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड में देखा जा सकता है।

प्रशासक
गुमला नगर परिषद्, गुमला।

PR 309155 (District) 23-24 (D)

जिला गव्य विकास कार्यालय, पलामू
Email – dddopalamu@gmail.com
Mobile No- 8210813662

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र की विभिन्न कार्यक्रमों में चयनित लाभुकों के लिए आवश्यक

सूचना–

निदेशानुसार वितीय वर्ष 2020–21, 2021–22 एवं 2022–23 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना जिला पलामू के वैसे सभी चयनित लाभुकों जिनके द्वारा योजना का लाभ यथा दुधारू गाय एवं अन्य का लाभ अभी तक नहीं लिया गया है, को पुनः सूचित किया जाता है कि सभी लाभुक अपने DBT के माध्यम से प्राप्त अनुदान की राशि वाले बैंक खाता में लाभुक अंशदान की राशि 15 दिनों के अंदर जमा कर कार्यालय को सूचित करते हुए यथाशीघ्र योजना का लाभ प्राप्त करें अन्यथा अनुदान की राशि सरकार द्वारा वापस ली जा सकती है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
पलामू

PR 309167Palamu(23-24)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा ।

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय से आमंत्रित ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सं0–01/2023-24/RWD/ LOHARDAGA पत्रांक 795 (अनु0) दिनांक 07.10.2023 PR No. 308713 Lohardaga (23-24) _D द्वारा प्रकाशित ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना अपरिहार्य कारण वश अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0 का0 वि0
कार्य प्रमण्डल, लोहरदगा ।

PR 309122 Lohardaga(23-24)D

झारखण्ड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौषल विकास विभाग
जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, पलामू

भर्ती कैम्प सूचना

जिला नियोजन (रोजगार) कार्यालय, पलामू के द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर सुगमता से प्रदान करने हेतु दिनांक 17/10/2023 दिन मंगलवार को जिला नियोजनालय परिसर, डालटनगंज में 11:00 बजे (पूर्वा0) से 3:00 बजे (अप0) तक एकदिवसीय भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्न नियोजकों के द्वारा उपस्थित रहने की सहमति जताई है :–

S. No	Company Name	Name of the Post	Category	No. of Vacancy	Qualification	Age	Salary (Net Pay)	Other Benefits & Allowance	Place of Work
1	2	3	4	5	6	7	8		9
1	Bharti Airtel Pvt Ltd.	Customer Relationship Officer	Male	25	12th/ Graduation	18-30	15000-25000	PF, ESI, Overtime etc.	Any District (Jharkhand)
		Field Sales Executive		33	12th/ Graduation/P.G.		15000-18000		

भर्ती कैम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक का झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना आवश्यक है। आवेदक अपने सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, आधारकार्ड, 2 पासपोर्ट साईज का फोटो, नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं अपना बायोडाटा एवं स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र (न्यूनतम अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत) के साथ भर्ती कैम्प में भाग लें। इस रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती कैम्प के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। नियोजनालय एवं विभाग मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। भर्ती–कैम्प में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है। कैम्प में Covid SOP का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

जिला नियोजन पदाधिकारी
पलामू

नोट :– रिक्ति संबंधित विशेश जानकारी हेतु जिला नियोजन कार्यालय, पलामू से सम्पर्क कर सकते हैं।

PR 309157 District (23-24) D

गागर में सागर

नुक्कड़ सभा का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू जिले का पांडू और उंटारी प्रखण्ड मुख्यालय में कांग्रेस पार्टी द्वारा शनिवार को पोल खोल-हल्ला बोल अभियान के तहत नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया लक्ष्य-2024 को लेकर केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ हल्ला-बोल अभियान की शुरूआत की। पलामू लोकसभा संयोजक भीम कुमार ने अपने बात रखते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार भ्रष्टाचार कम करने के लिए नोटबंदी की और 1000 के नोट के बदले 2000 का नोट चलाकर भ्रष्टाचार को और बढ़ावा दिया है। कार्यक्रम में विमला कुमारी, सत्यानंद दुबे समेत कई लोग मौजूद थे।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने ग्रामीणों के साथ बैठक की

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के चियांकी के भिमगाड़ा में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी पलामू जिला परिषद की बैठक सदर प्रखंड सचिव उमेश सिंह चेरो की अध्यक्षता में हुई। मौके पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी उपस्थित थे। श्री तिवारी ने बैठक में शामिल ग्रामवासियों को कम्युनिस्ट पार्टी के विचार के बारे में विस्तार से बताया और ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर आशा कुंवर,अंजू देवी,बेरवा डेथ करकेटा,मालती देवी,रूपा देवी,रीता कुंवर,सविता कुंवर,सविता देवी,सुनीता देवी,कविता देवी,सरिता देवी,लीलावती देवी,देवमटिया कुंवर ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का दामन थामा।अंत में सर्वसम्मति से रिहाना बीवी को शाखा सचिव एवं सहायक सचिव के रूप में रंजीत खलखो को घोषित किया गया।

आजसू पार्टी का सदस्यता ग्रहण सह मिलन समारोह सम्पन्न

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय रांची मे मिलन समारोह पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सदस्यता ग्रहण में पलामू प्रमंडल के लगभग 200 नौजवान शामिल हुए। मिलन समारोह में पुरे जोश खरोश से युवाओं ने सुदेश महतो पर विश्वास करते हुए आजसू पार्टी मे शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह गढ़वा जिला प्रभारी सतीश कुमार ने कहा कि छोटन को पार्टी में शामिल होने से गढवा जिला के हर गांव में परचम लहरायेगा। पार्टी के प्रवक्ता डा0 देवशरण भगत ने सभी नये सदस्यों को स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने 5 साल युवाओं को लुट झुठ और ठगने का काम किया है। रौशन लाल चौधरी ने कहा कि 2024 आजसू पार्टी का झारखण्ड होगा। गढ़वा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने झारखण्ड आन्दोलन व पार्टी के इतिहास को रखा। सुदेश महतो ने कहा कि झारखण्ड में तेजी से लोगों को शामिल होना राज्य में परिवर्तन की

खो – खो प्रतियोगिता में पलामू की बालिका टीम ने जीता गोल्ड

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में 10 से 13 अक्टूबर तक रांची के मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स होटवार खेलगांव में राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पलामू जिला से अंडर 17 वर्ष बालिका वर्ग में बीसीसी मिशन बालिका उच्च विद्यालय के कोच अक्शा नाग एवं प्रिया कुमारी के नेतृत्व में बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल में गुमला को हराकर गोल्ड मेडल जीतकर राज्य में पलामू का नाम रोशन कर इतिहास बनाया। यह उपलब्धि बीसीसी मिशन बालिका उच्च विद्यालय एवं पलामू जिला के लिए गौरव की बात है। इस जीत पर विजेता टीम को शुभकामना देने वालों में पलामू जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहारा खो - खो एसोसिएशन के अध्यक्ष आजाद शत्रु प्रसाद सिंह, सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ,कोषाध्यक्ष कमलानंद दुबे, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष किशोर कुमार पांडे, वूशु संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र प्रसाद, वूशु संघ के सचिव सुमित वर्मा ,वेट लिफ्टिंग संघ के सचिव अभिलाष चंचल , प्रदीप कुमार मेहता, आनन्द माधव पाण्डेय,वेद प्रकाश, कोच रेशमा पाण्डेय, सोनी कुमारी एवं प्रीति कुमारी आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय नवीन मेल का 29वां वर्ष पूरा, आज से 30 वें वर्ष में प्रवेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय नवीन मेल अखबार का 29 वां वर्ष पूर्ण,आज से 30 वें वर्ष में प्रवेश के मौके पर बधाई कार्यक्रम का आयोज किया गया। इस अखबार को बुलंदी पर लाने में प्रधान संपादक सुरेश बजाज ने अपना सारा जीवन न्योछावर कर दिया। मेल की पूरी टीम के योगदान को भी नहीं भूलाया जा सकता। अखबार के 29 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शनिवार को राष्ट्रीय नवीन मेल कार्यालय में सभी स्टाफ

एकजुट होकर एक दूसरे को बधाई दिए। मौके पर स्थानीय संपादक ओम प्रकाश अमरेंद्र ने कहा कि आगे इस अखबार को और आगे ले जाना है। इसके लिए सभी सहकर्मी तैयार हो जायें। मौके पर सभी सहकर्मियों ने एक दूसरे को बधाई दी। मौके पर आलोक कुमार झा दिनकर, संजय कुमार पांडेय,श्याम नारायण शर्मा, स्वीटी वर्मा, उपेंद्र कुमार, ओमप्रकाश प्रजापति, विक्की कुमार, दीपक कुमार दुबे, फोटोग्राफर भोला कुमार सहित कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

शहर में फसादियों से निपटने के लिए पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई : एसपी

स्थानीय पुलिस स्टेडियम में पुलिस की ओर से मॉक ड्रिल कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दुर्गा पूजा में किसी तरह का खलल पैदा नहीं हो। जिले में शांति व सदभावपूर्ण माहौल में त्यौहार सम्पन्न हो। इस दौरान हुड़दंग व फसाद की संभावित किसी भी तरह की स्थिति से तत्काल निपटा जाये और फसादियों की हर तरह की असामाजिक मंशा असफल हो, इसे लेकर पलामू की पुलिस कप्तान रिष्मा रमेशन की कुशल नेतृत्व में पुलिस पूरी तरह सजग व सावधान है। ऐसी किसी अवांछित स्थिति से निपटने के लिए जिला पुलिस ने शनिवार को शहर में मॉक ड्रिल किया। पलामू एसपी रिष्मा रमेशन के निदेर्शानुसार सार्जेंट मेजर अनीश मोमित कुजूर के नेतृत्व में पुलिस के जवानों ने मॉक ड्रिल किया। स्थानीय पुलिस स्टेडियम में पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस कर्मी ही फसादी और हुड़दंगी बनकर हुड़दंग कर रहे थे । जिसके बाद पुलिस बल वहां पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास करने लगी,लेकिन,प्रदर्शन कर रहे लोग पुलिस से बातचीत करने की जगह हिंसक होकर पत्थरबाजी करने लगे। इसके जवाब में पुलिस ने पहले तो पानी का बौछार कर हुडदंगियों को खदेड़ने का प्रयास किया। लेकिन, जब प्रदर्शन कर रहे लोग नहीं माने तो पुलिस ने लाठी चार्ज किया। लाठी चार्ज के बाद भी जब स्थिति कंट्रोल में नहीं आई तो पुलिस के द्वारा फायरिंग की गई। सभी मौजूद पुलिसकर्मियों को विस्तार से इस स्थिति से सावधानी पूर्वक निपटने की जानकारी दी गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने कहा कि जिले में सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले त्योहारों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस के जवानों को सभी पूजा पंडाल के अलावा प्रमुख चौक चौराहों पर तैनात किया जाएगा। इसके अलावा पुलिस प्रशासन सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रख रही है। एसपी ने आम लोगों से भी अपील की है कि सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनायें । जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन हर कदम पर आम लोगों को सहयोग करने के लिए तैयार है। इस मॉक ड्रिल में पुलिस इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, अनुदेशक नागेंद्र चौधरी, हवलदार धनंजय कुमार मेहता, स०अ०नि० लक्ष्मण यादव, सीताराम सिंह, महादेव उरांव, जगमोहन उरांव, पु०अ०नि० अवधकिशोर यादव, महिला आरक्षी एवं पुरुष आरक्षी, लाठी पार्टी, टियर गैस पार्टी, आर्म्स पार्टी, वाटर कैनन पार्टी, एंबुलेंस व पीसीआर के जवान शामिल थे।

वनाधिकार के लिए ग्राम स्तर पर बनेगी वनाधिकार समिति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखण्ड में वनाधिकार के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रस्तावित अबुआ बीर दिशोम अभियान के तहत वनाधिकार समिति के गठन व पुनर्गठन का निर्देश दिया है। इस आलोक में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने जिले में ग्राम स्तर पर वनाधिकार समिति के गठन व पुनर्गठन करने का आदेश जारी किया है। उपायुक्त ने 18 अक्टूबर तक एफआरसी गठन के

लिए प्रखंड स्तर के सभी राजस्व ग्रामों में ग्राम सभा का आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए ग्रामवार सारणी तैयार करने तथा सभा के लिए पर्यवेक्षकों की प्रतिनियुक्ति करने का दायित्व संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को सौंपी है। उपायुक्त ने जिला स्तरीय वन प्रमंडल पदाधिकारी तथा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्राम स्तरीय वनाधिकार समिति में की जाने वाली कार्रवाई के लिए सभी प्रकार के भू-अभिलेख, फॉरेस्ट मैप आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि ग्राम स्तर पर वन अधिकार समिति का गठन, पुनर्गठन का कार्य 18 अक्टूबर तक पूरा करने का निदेश प्राप्त है। उपायुक्त ने जिला स्तर से पर्यवेक्षकों के लिए जिला पंचायती राज पदाधिकारी एवं जिला कल्याण पदाधिकारी को नामित किया है। अपर समाहर्ता पलामू वरीय नोडल पदाधिकारी नामित किये गये हैं। इसी तरह कई विभागीय पदाधिकारियों को अंचलवार नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

आजसू ने पंकज को बिना शर्त रिहा करने की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी पलामू जिला की एक प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी के नेतृत्व में छतरपुर प्रखंड के मसीहानी गांव के वार्ड नंबर 7 के निवासी विनोद उरांव पिता स्वर्गीय विलास उरांव को 10 रोड एक्सीडेंट में मौत से पूरा परिवार दुखी है। उनसे मिलकर हर संभव सहयोग एवं एक्सीडेंट केस में जो भी सरकार द्वारा राशि मिलता है उसे दिलाने की बात की गई। साथ ही साथ इस परिवार के सहयोग में आवाज उठा रहे आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष पंकज चंद्रवंशी को छतरपुर पुलिस द्वारा पकड़ कर जेल भेजा गया जिसकी कड़ी निंदा की गई। तथा उनके परिवार से मिलकर पूरी घटना की जानकारी ली गई। पंकज कुमार की गिरफ्तारी पुलिस प्रशासन की सोची समझी साजिश है।

शहर में केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति ने निकाली शोभा यात्रा

मेदिनीनगर। केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष दुर्गा जौहरी की अध्यक्षता में शनिवार की शाम शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। रेड़मा बिजली ऑफिस के समीप स्थित माँ शेरावाली क्लब से शुरू हुई शोभा यात्रा पूरे शहर में भ्रमण के बाद सम्पन्न हुई। मौके पर बबलू गुप्ता,अविनाश देव, ट्विंकल गुप्ता , नवीन तिवारी, रूपा सिंह व मीना देवी समेत सैकड़ो श्रद्धालु शोभायात्रा में ह शामिल हुए।

राज्य सरकार बालू संकट दूर करे, अन्यथा यूनियन करेगी आंदोलन : राजीव कुमार

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य दिहाड़ी मजदूर यूनियन के महासचिव राजीव कुमार ने कहा कि पिछले करीब ढाई साल से झारखंड में बालू उठाव पर रोक लगा है.इस कारण जहां एक तरफ निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है, वहीं मजदूरों के समझ रोजी रोटी की समस्या गंभीर बनी हुई है.बालू संकट का खासा असर विकास कार्य पर भी पड़ा है।वहीं निर्माण कार्य से जुड़े सीमेंट,छर्री,छड़ एवं अन्य सामग्री व्यवसाय प्रभावित है। यूनियन के महासचिव राजीव कुमार शनिवार को परिसदन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि पलामू सहित पूरे झारखंड में बालू का संकट राज्य सरकार की देन है। इस कारण गरीबों का प्रधानमंत्री आवास सहित सभी तरह का निर्माण कार्य ठप्प है। काम के अभाव में मजदूर रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर हैं। माफियाओं की मिली भगत से प्रशासन बालू का अवैध कारोबार में मशगूल है। इस तरह एनजीटी के रोक का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन किया गया। ट्रैक्टर संचालक भी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि 10 जून से 15अक्तूबर तक एनजिटी बालू उठाव पर रोक लगाई थी। यदि राज्य सरकार सुलभ तरीके से सस्ता बालू उपलब्ध नहीं कराती है तो यूनियन आंदोलन तेज करेगी। यूनियन के जिला अध्यक्ष गौतम कुमार,पूर्व मुखिया अभय वर्मा,सुषमा मुरमा,नूरी बानो,ममता देवी,सुनील टोपनो ने बताया कि बालू संकट एवं अवैध खनन से जुड़े पांच सूत्री मांगों को लेकर यूनियन आंदोलन तेज करेगी.इसके तहत 31 अक्तूबर को कचहरी परिसर में मजदूरों का महापंचायत आयोजित किया जायेगा.यदि सरकार बालू संकट दूर नहीं करेगी तो जेल भरो अभियान चलेगा।

अमृत कलश को प्रखंड मुख्यालय मेदिनीनगर लाया गया

मेदिनीनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पीएम मोदी के आह्वान पर बीजेपी के द्वारा चलाए जा रहे मेरी माटी मेरा देश के तहत आज शनिवार को भाजपा नगर मंडल मेदिनीनगर ग्रामीण मंडल मेदनीनगर एवं पोलपोल मंडल सभी गांवों से अमृत कलश में मिट्टी संग्रह कर अमृत कलश को प्रखंड मुख्यालय मेदिनीनगर लाया गया । नगर मंडल मेदिनीनगर अध्यक्ष अविनाश सिन्हा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील पांडे एवं पोलपोल मंडल अध्यक्ष जवाहर चंद्रवंशी के नेतृत्व में अमृत क्लास को प्रखंड मुख्यालय मेदिनीनगर लाया गया। शिव शक्ति धाम सुदना मेदिनीनगर में एक कार्यक्रम का आयोजन कलश की पूजा अर्चना कर एवं शहीदों को नमन कर सभी मिट्टी को एक कलश में डालकर भाजपा पलामू जिला अध्यक्ष विजय आनंद पाठक को अमृत कल सौंपा गया। मौके पर मुख्य रूप से जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह सुशील सिंह किशन मखड़िया सुभक तिवारी प्रदीप पासवान बंटी सिन्हा रंजीत चंद्रवंशी नंदलाल गुप्ता विकास सिंह दीपक सिंह चंदन कुमार श्रवण गुप्ता विकास विश्वकर्मा निवेदन अग्रवाल शंभू ठाकुर कुणाल राणा चंदन सिंह बंसी सिंह रिंकू कुमार प्रभात तिवारी आनंद प्रकाश तिवारी मनोज प्रजापति पंकज शुक्ला आशीष कुमार सिंह छोटू सिंह एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकली

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शारदीय नवरात्र के अवसर पर शहर के गायत्री मंदिर रोड स्थित श्री तुलसी मानस मंदिर परिसर में श्री रामचरित मानस नवाह्न परायण महायज्ञ सह दुर्गा पूजा महोत्सव का आयोजन हुआ है। वीर भगत संघ एवं महायज्ञ समिति के संयुक्त प्रयास से इसे सफल बनाने की तैयारी में लोग जुटे हैं.महायज्ञ को लेकर शनिवार को कलश यात्रा निकाली गई। बजे बाजे गाजे के साथ यज्ञ स्थल से निकली कलश यात्रा जेलहाता चौक,छह मुहान होते हुए कोयल नदी के शिवाला घाट पहुंचा। यजमान प्रेमचंद पाठक एवं उनकी धर्मपत्नी मुख्य कलश लेकर चल रहे थे। यज्ञाचार्य पंडित मिथिलेश मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा की पूजा कराया। सायंकालीन सत्र में श्रीधाम वृन्दावन से पधारी आनंदमूर्ति अन्नपूर्णा देवी एवं गोरखपुर के मानस मार्तंड पंडित हेमंत तिवारी का सारगर्भित श्रीराम कथा शुरू होगा.महायज्ञ को लेकर आकर्षक पंडाल एवं प्रवचन मंच बनाया गया है.महायज्ञ को सफल बनाने में यज्ञ समिति के लोग सक्रिय हैं.कलश यात्रा में परशुराम ओझा,जयप्रकाश सिंह, संतोष पाण्डेय, अजय सिंह, वाल्मीकि तिवारी, वृज किशोर तिवारी, पंकज सिंह, परशुराम प्रसाद, ज्योति, डॉली, मंजू, सीमा, गीता, संध्या, प्रतिमा, नंदनी, रूबी, सरिता, अनुराधा, अनिता,सोने, ममता पाल,डिंपल,माही, जाह्नवी, अनिता देवी, शोभा देवी सहित काफी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु शामिल थे।

जिला पशुपालन कार्यालय परिसर में परिसम्पति वितरण- पशु मेला आयोजित

जरूरत मंदो तक लाभ पहुंचाना करें सुनिश्चित : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर।मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत शनिवार को जिला पशुपालन कार्यालय परिसर में पशु मेला का आयोजन किया गया। उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश के आलोक में उप विकास आयुक्त रवि आनंद और सदर सीओ सह बीडीओ अमरदीप सिंह बल्होत्रा, सदर प्रमुख बसंती देवी आदि ने संयुक्त रूप से लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इसके पूर्व उपायुक्त श्री रंजन खुद जिला पशुपालन कार्यालय परिसर पंहुचे और लाभुकों से संवाद कर मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जरूरतमंद लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार के प्रति लाभुकों को प्रेरित किया। इसके पश्चात उन्होंने वितरण होने वाली परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार इस दौरान मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के दो दुधारू गाय की योजना के तहत 12 लाभुकों को प्रथम किस्त के तौर पर एक-एक गाय दिया गया। जिसमें 90 प्रतिशत अनुदान के 3 लाभुक क्रमशः उपनेती देवी विश्रामपुर, सबीहा खातुन छत्तरपुर एवं शीला देवी हैदरनगर शामिल हैं । वही 75 प्रतिशत के 7 लाभुक क्रमशः खुशबु देवी, प्रतीमा देवी, मखोला देवी,

विश्रामपुर, ज्ञान्ती देवी, आनंदी देवी चैनपुर, सीता देवी मनातु व प्रभा देवी तरहसी तथा 50 प्रतिशत अनुदान के 2 लाभुक क्रमशः. संगीता कुमारी तरहसी एवं कालो देवी लेस्लीगंज शामिल। इसके अलावे 500 ब्रायलर चुजा का लाभ 3 लाभुकों को दिया गया। बकरा विकास योजना का लाभ 6 लाभुकों को दिया गया।सूकर विकास योजना का लाभ 5 लाभुको को दिया गया। उपरोक्त योजना में गाय पालन एंव सूकर विकास योजना में तीन वर्ष का बीमा, बकरा विकास योजना में 1 वर्ष का बीमा के साथ योजना का लाभ दिया गया। आवश्यक दवा, खाना एवं पानी का बर्तन एक माह का दाना के साथ 500 ब्रायलर चूजा दिया गया।मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ० प्रभाकर सिन्हा, पशु शल्य चिकित्सक डॉ० दीनबंधु गुप्ता, सहायक कुक्कुट पदाधिकारी डॉ० उदय सिन्हा, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी (चलन्त) डॉ० आलोक सिंह, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी पांकी डॉ० संतोष रवानी, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी नीलांबर-पीतांबर डॉ० दिलीप महतो, बीस सूत्री अध्यक्ष सदर तेजू साव, पूर्व जिला परिसद सदस्य अर्जुन सिंह, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी सदर डॉ० अनुप विलियम लकड़ा, पशु विक्रेता क्यामुद्दीन अंसारी, गणेश राम, शाह आलम खान और अजीत कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आस्था

हाथी पर होगा माता का आगमन, मुर्गे पर विदाई

कलश स्थापना के साथ आज से शुरू होगा शारदीय नवरात्र

चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग के युग्म संयोग में कलश स्थापना होगी

संधि पूजा अष्टमी तिथि को संध्या 5:25 बजे होगी

स्वीटी वर्मा

मेदिनीनगर। शारदीय नवरात्र में इस वर्ष मां दुर्गा का आगमन हाथी और वापसी मुर्गे पर होगी। देवी का आगमन आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि पर आज से होगा और विदाई दशमी तिथि पर 24 अक्टूबर को होगी। इस वर्ष नवरात्र पूरे नौ दिन के होंगे। चित्रा नक्षत्र और वैधृति योग के युग्म संयोग में कलश स्थापना होगी। संधि पूजा अष्टमी तिथि को संध्या 5:25 बजे होगी। इस बार माता का आगमन हाथी पर हो रहा है, जबकि गमन चरणायुद्ध यानी मुर्गा पर होगा। हाथी पर आगमन का फल वृष्टि देने वाला यानी बारिश की संभावना वाला है।जबकि मुर्गा पर गमन का फल विफलता के कारक यानी दुख देने वाला है। इस बार नवरात्र पूरे नौ दिनों का होगा। नवरात्र के दौरान देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना होगी। शारदीय नवरात्र

के पहले दिन माता शैलपुत्री की उपासना की जायेगी। सनातन धर्मावलंबी निराहार या फलाहार रहते हुए अपने घर, मंदिर और पूजा पंडालों में कलश स्थापना कर मां की पूजा-अर्चना करेंगे। दुर्गा सप्तशती, दुर्गा सहस्त्र नाम, अर्गला, कवच, कीलक, सिद्ध कुंजिका स्त्रोत्र का पाठ करेंगे। इसके बाद 21 अक्टूबर को सप्तमी तिथि को माता का पट पूजा पंडालों में खुलेगा।

कलश पूजन से सर्व देवपूजन का मिलता है फल : पंडित नरेंद्र मिश्रा

पुजारी पंडित नरेंद्र मिश्रा कहते हैं कि देवी पुराण के अनुसार नवरात्र में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश में ब्रह्मा, विष्णु, रूद्र, नवग्रहों, सभी नदियों, सागरों-सरोवरों, सातों द्वीपों, षोडश मातृकाओं, चौसठ योगिनियों सहित सभी तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। इसीलिए सिर्फ कलश की पूजा से ही श्रद्धालु को सर्वदेव पूजन का पुण्यफल मिल जाता है। सभी शुभ कार्य जल्द सिद्ध होते हैं और उसका लाभ दीर्घ काल तक मिलता है। नवरात्र में वेद मंत्रों के उच्चारण, धार्मिक ग्रंथों का पाठ, हवन, कर्पूर की आरती, घंटी, करताल, डमरू की ध्वनि से नकारात्मक ऊर्जा का ह्रास होता है। दुर्गा पूजा के दौरान दुर्गा सप्तशती व अन्य धार्मिक ग्रंथों के पाठ करने या संकल्प देकर ब्राह्मणों द्वारा करवाने से अनिष्ट ग्रहों से छुटकारा, रोग-शोक का नाश, पीड़ाओं से मुक्ति, धन-धान्य, ऐश्वर्य, ज्ञान, वैभव, कौशल में वृद्धि, पारिवारिक सौहार्द, सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम, निरोग काया तथा स्थिर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

गागर में सागर

28 को पहुंचेगी निषाद आरक्षण यात्रा

गढ़वा। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के तत्वाधान में बिहार, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड में 101 दिनों की निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा की जा रही है। इसका नेतृत्व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं पार्टी सुप्रीमो मुकेश सहनी कर रहे हैं। निषाद समाज के सामाजिक संगठन महर्षि वेदव्यास परिषद के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ कुलदेव चौधरी ने कहा कि निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा गढ़वा में ऐतिहासिक होगी। बिहार, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड के सभी कार्यक्रमों से बेहतर होगा। 28 अक्टूबर को स्थानीय रामासाहू उच्च विद्यालय के मैदान में मुकेश सहनी हेलिकॉप्टर से सुबह 11 बजे आएंगे और सभा को संबोधित करेंगे। बैठक में गढ़वा जिला अध्यक्ष सह पूर्व रमना उपप्रमुख रविंद्र कुमार चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता सुमेर चौधरी, विद्वत परिषद के पलामू जिला अध्यक्ष ललन चौधरी, मुखिया सहदेव चौधरी, शिवनाथ चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य चंदेश्वर चौधरी, सुनील चौधरी, सरोज चौधरी, संतु चौधरी, सकेंद्र चौधरी, भारद्वाज निषाद, संजय बिंद, गोपाल चौधरी आदि उपस्थित थे।

हड़ताल को लेकर दिया गया आवेदन

बड़गड़। प्रखंड के सभी चार पंचायतों मदगड़ी चटेहड़ी, परसवार, बड़गड़ में कार्य कर रहे किसान मित्रों ने जिला कृषक संघ के नियोजित कार्यक्रम के तहत अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रखंड बीटीएम जगरनाथ कुमार राम को हस्ताक्षर युक्त आवेदन देते हुए जिले में हो रही बेमियादी हड़ताल में शामिल होने को लेकर आवेदन दिया। मौके पर विकाश मुंडा, अशोक यादव, राजेश बाखला, संजीव, देवनीस खलखो, रंजीत तिग्गा शामिल थे।

जर्जर तार व पोल को बदलने की मांग

श्री बंशीधर नगर। विधायक प्रतिनिधि अशोक कुमार सेठ ने विद्युत विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन देकर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 11 व 12 में लगे जर्जर तार व पोल को यथाशीघ्र बदलने की मांग की है। कार्यपालक अभियंता को दिये आवेदन में कहा गया है कि उक्त वाडों की जनता द्वारा विगत तीन माह पूर्व भी विद्युत विभाग के कनीय अभियंता को आवेदन देकर जर्जर पोल व तार बदलने की मांग की गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। अभी तक लगभग 10 बार तार टूटकर गिर चुका है। विगत 12 अक्टूबर को भी सुबह 8.20 बजे तार टूटकर गिर गया था। उस समय विद्युत प्रवाहित हो रहा था। उन्होंने यथाशीघ्र जर्जर तार-पोल बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि इस बीच किसी तरह की अप्रिय घटना होती है, तो इसके लिये विद्युत विभाग जिम्मेवार होगा।

किसानों व सखी मंडल के बीच पौधे बांटे

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड के नगर उंटारी में भारतीय लोक कल्याण संस्थान द्वारा संचालित एग्री क्लिनिक सेंटर में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम, प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ज्ञानचंद केशरी को पौधा देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड प्रमुख, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने किसानों व महिला समूह के सखी मंडल के बीच पौधों का वितरण किया। उद्यान मित्र मुकेश शुक्ला ने किसानों को सूची के अनुसार पौधों का वितरण किया। मौके पर एफटीसी अनुज सिंह, एग्री क्लिनिक सेंटर के प्रखंड समन्वयक सरोज सोनकर, पल्लवी रानी, बलदेव खलखो, महिला सखी मंडल की उर्मिला देवी, शकुंतला देवी, परी देवी, तैरुण बीबी, ममता देवी, प्रियंका देवी, मनिता देवी, पिंकी देवी, किसान राजेश राम, मुकेश कुमार, उपेंद्र वर्मा, रजाक अंसारी, देवनाथ राम, शंकर राम उपस्थित थे।

सात दिवसीय योग शिविर का समापन

मेराल। भारत स्वाभिमान सह पतंजलि योग समिति की ओर से किस्मती कॉलेज ऑफ फामेर्सी एंड नर्सिंग परिसर में चल रहे सात दिवसीय योग शिविर का समापन शनिवार को आरोग्य हवन यज्ञ के साथ किया गया। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख दीप माला कुमारी ने योग शिविर की सराहना करते हुए कहा कि आज की जीवनशैली में योग बहुत जरूरी है। मौके पर पतंजलि योग समिति के प्रखंड संरक्षक व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अनिल साह, योग प्रशिक्षक सुशील केसरी, कॉलेज के डायरेक्टर लव कुमार सिंह, प्रिंसिपल किंजल सिंह, कृष्णा प्रसाद कुशवाहा, रविंद्र प्रसाद गुप्ता, शिक्षक विनोद कुशवाहा, दिवाकर साव सतीश प्रसाद गुप्ता, भास्कर प्रसाद, बिजेश्वर प्रजापति, विकास कुमार, लव विश्वकर्मा, धर्मेंद्र मेहता, प्रभु कांत, युगल प्रसाद सोनी, मेराल प्रखंड प्रभारी बलराम शर्मा आदि मौजूद थे।

वन अधिकार समिति के गठन का निर्देश

केतार। प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन पट्टा उपलब्ध कराने हेतु सभी गांवों में सोमवार को 11 बजे ग्राम वन अधिकार समिति का गठन करने का निर्देश दिया है। इसके लिए उन्होंने नोडल पदाधिकारी भी प्रतिनियुक्त किया है। बीडीओ ने कहा की इस समिति में 15 सदस्य होंगे इन 15 सदस्यों में 10 सदस्य अनुसूचित जनजाति एसटी का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा की गांव में अगर एसटी के सदस्य नहीं होते हैं तो अन्य जाति का चयन करना है। इन 15 सदस्यों में से 5 महिला सदस्यो का होना अनिवार्य है। इसमें अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का भी चयन करना है। बीडीओ ने समिति गठन के लिए नोडल पदाधिकारी के रूप में सम्बन्धित मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, कनीय अभियंता,और प्रखंड समन्वयक को प्रतिनियुक्त किया है। उन्होंने समिति गठन कर रिपोर्ट प्रखंड कार्यालय में देने को कहा है।

झामुमो के प्रवक्ता बन बैठे हैं भ्रष्ट अधिकारी, सरकार कारवाई नहीं करती है तो चरणबद्ध आंदोलन करेंगे : चौबे

भाजयुमो ने फूंका उर्जा संचरण निगम के एमडी केके वर्मा का पुतला

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे के नेतृत्व में शनिवार को रंका मोड़ पर उर्जा संचरण निगम के एमडी केके वर्मा का पुतला फुंका गया। इस मौके पर चौबे ने कहा कि झारखंड में भ्रष्ट अधिकारी झामुमो के प्रवक्ता बन बैठे हैं। उर्जा केके वर्मा एक रिटायर्ड अधिकारी हैं लेकिन झामुमो सरकार ने नियम में बदलाव कर उन्हें उर्जा संचरण निगम का एमडी सहित अन्य कई पदों पर रखा है। पूरे झारखंड में जनता बिजली के लिए त्राहिमाम कर रही है, लेकिन झामुमो सरकार में बैठे मंत्री, विधायक से लेकर अधिकारी तक सिर्फ अपनी झोली भरने में लगे हुए हैं। इस मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आवाज उठाई तो केके वर्मा जैसे भ्रष्ट

अधिकारी ने उनके बारे में अमर्यादित टिप्पणी करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी भ्रष्टाचार करने के लिए विपक्षी पार्टी के लोगों के ऊपर अमर्यादित टिप्पणी कर के झामुमो के नए प्रवक्ता बने हुए हैं। ऐसे अधिकारी अधिकारी को तत्काल बर्खास्त करते हुए इनके पूरे कार्यकाल की जांच झामुमो सरकार कराए। अन्यथा भाजयुमो कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। जबतक कारवाई नहीं होती है हम चरणबद्ध आंदोलन जारी रखेंगे। मौके पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जवाहर पासवान, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, सोशल मीडिया प्रभारी प्रवीण जायसवाल, वरिष्ठ नेता ब्रजेश उपाध्याय, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी अरविंद धर दुबे, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अविनाश पासवान, महामंत्री विकास तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत पांडेय, नवीन जायसवाल, गोवावल मंडल, अध्यक्ष विकास तिवारी, महामंत्री अनीत तिवारी, ग्रामीण मंडल आईटी सेल प्रभारी धनंजय विश्वकर्मा, इंद्रेश पांडेय, निखिल उपाध्याय, अरविंद प्रजापति, संजय केशरी, उदय कुशवाहा, रामसरीख चंद्रा, मुन्ना तिवारी, राजेश्वर बैठा, मुंजकेश तिवारी, प्रमोद जायसवाल, आयुष दुबे, रविंद्र जायसवाल, दीपक तिवारी, मनीष गुप्ता, दिनेश कुशवाहा, रामसकल कोरवा आदि मौजूद थे।

पूर्व विधायक सत्येंद्र तिवारी ने कहा, भैयाजी तो जेल जाएंगे ही, भ्रष्ट पदाधिकारी भी नहीं बचेंगे

गढ़वा। रंका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि आज गढ़वा में भ्रष्टाचार और अपराध सर चढ़कर बोल रहा है। आए दिनों अपहरण, बलात्कार, बालू माफिया गिरी, गरीबों की जमीन लूटने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। भैयाजी तो जेल जाएंगे ही, पर कई पदाधिकारी जो उनके ही इशारे पर कठपुतली बने हुए हैं, भारतीय जनता पार्टी ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारीयों की भी सूची बना रही है। ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारी की भी असली जगह भईया जी के साथ जेल ही होगा। पूर्व विधायक ने कहा कि भैया जी बोलते हैं कि हमारी सरकार आदिवासी एवं दलितों को समर्पित है, लेकिन आज उनका झूठा चेहरा बेनकाब हुआ है। कई दिन बीत गए, उस आदिवासी बच्ची के परिजनों को अभी तक न्याय नहीं मिला। यह भैयाजी के सामंती मानसिकता और आपराधिक प्रवृत्ति को उजागर करता है। तिवारी ने कहा कि ऐसी दर्दनाक घटना पर प्रशासन अविलंब जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे एवं पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये आर्थिक सहयोग एवं पीड़ित परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी दे।

वॉटरवेज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान हुआ शुरू

डंडई गांव के शेष दुकानदारों को भूमि खाली करने के लिए 24 घंटे का दिया गया समय

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

प्रखंड मुख्यालय स्थित डंडई गांव के वॉटरवेज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना शुरू कर दिया गया है। शनिवार की अहले सुबह भू माफी अमीन, राजस्व कर्मचारी भारी पुलिस बल के साथ स्थल पर पहुंचे। अंचल निरीक्षक राजेंद्र यादव द्वारा पूर्व के अल्टीमेटम के अलावा शनिवार को भी दुकानदारों को उनके द्वारा वॉटरवेज की भूमि खाली करने को लेकर 2 घंटे का अतिरिक्त समय दिया गया। बावजूद उक्त दुकानदारों के द्वारा दुकानों को उक्त स्थल से नहीं हटाया गया। इसके बाद अंचल निरीक्षक को आनन फानन में जेसीबी मशीन मंगवानी पड़ी।

वहीं स्थल पर जेसीबी के पहुंचते ही कई दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों को हटाना शुरू कर दिया। जेसीबी द्वारा भी कई दुकानों को हटाया गया। दुकानदार मुजाहिद अंसारी, जहीर अंसारी, शाहिद अंसारी, अवधेश मेहता, जानवी बीवी इत्यादि ने पदाधिकारी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कार्रवाई के डर से हमने अपनी दुकानें हटा लीं, लेकिन कई दुकानदार हैं जो वॉटरवेज और बाजार समिति की भूमि पर स्थापित हैं। उनकी दुकानों को भी हटाया जाना चाहिए। इसके अलावा दर्जनों दुकानों को जेसीबी के सहारे हटवाया गया। इससे पहले अंचल निरीक्षक द्वारा वॉटरवेज और बाजार समिति की भूमि की मापी करा कर सीमांकन कर दिया गया। शेष दुकानदारों को 24 घंटे की मोहलत दी गई। वहीं प्रखंड 20 सूत्री उपाध्यक्ष भोलाराम ने कहा कि वॉटरवेज की 90 डिसमिल भूमि अब तक अतिक्रमण का शिकार होकर रह गई थी। आज अंचल कर्मियों के सहयोग से उसका सीमांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि अब उक्त भूमि की सुंदरीकरण को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राशि की मांग करेंगे। वहीं अंचल निरीक्षक राजेंद्र यादव ने कहा कि पूर्व के अल्टीमेटम के अनुसार दलबल के साथ वाटरवेज और बाजार समिति की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। दोनों भूमि की मापी कराकर सीमांकन करने का भी किया गया है। उक्त भूमि के अंदर लगी अन्य दुकानों को खाली करने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। अगर उक्त अवधि के अंदर वे लोग अपनी-अपनी दुकानों को नहीं हटाता है, तो इसी तरह जेसीबी से उनकी भी दुकानों को हटाने का काम किया जाएगा। मौके पर एएसआई बसंत तिर्की, राजस्व कर्मचारी इंडेश्वर बैठा, अजय यादव आदि उपास्थि थे।

एनएच 75 के दोनों ओर अतिक्रमण के विरुद्ध चला अभियान

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने थाना के समीप से बीएसएनएल ऑफिस तक एनएच 75 के दोनों ओर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया। नप अधिकारी ने सब्जी बाजार में अतिक्रमण खाली कराया। हालांकि नप अधिकारी ने कई लोगों को 24 घंटे के अंदर अतिक्रमण हटा लेने की चेतावनी दी। चौधरी ने कहा कि रहा है। चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों को जेसीबी लगाकर हटाया जाएगा और खर्च भी संबंधित से वसूला जाएगा। अभियान में नप के नगर प्रबंधक रवि कुमार, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी जुगेश कुमार, अंचल अमीन योगेंद्र कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अक्षय कुमार सिंह सहित पुलिस बल के जवान, नप के कर्मी उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा और महायज्ञ को देखते हुए उपायुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण अभियान चलाया जा

पलायन, फिर भी मनरेगा में भ्रष्टाचार : जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

जिले में मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिले के लोग भले ही पलायन करते हों, पर गढ़वा में मनरेगा की तमाम योजना में कमीशनखोरी चरम पर है। उक्त बातें जिला परिषद उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने कहीं।

उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले में कई गरीब परिवार मनरेगा योजना पर निर्भर है, लेकिन आज उक्त योजना में इतना भ्रष्टाचार हो गया है लोग इससे धीरे-धीरे दूरी बनाने लगे हैं। पिछले दिनों ही रंका जिला परिषद रंका बीपीओ द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार को उन्होंने रखा लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। क्योंकि प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक तमाम अधिकारी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। जो लोग गुजरात में मजदूरी कर रहे हैं उनका भी यहां मास्टर रोल के माध्यम से पैसे की निकासी की जा रही है। कुएं में 30 से 40000 रुपये की रिश्वत ली जा रही है। प्रत्येक टीसीबी में 5000 रुपये लिये जा रहे हैं। प्रखंड कर्मी पैसे की उगाही कर रहे हैं। उधर, जिला परिषद मेराल के प्रतिनिधि करीब अंसारी ने भी कहा कि मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर है। गरीबों को रोजगार देने के बजाय जेसीबी के माध्यम से काम कराया जा रहा है। इसके कारण गरीबों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। रोजगार सेवक से लेकर ऑपरेटर, पंचायत सेवक, सभी बीपीओ पैसे की उगाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता पूर्वक जांच कर दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं मंझिआव जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रखंड कार्यालय में बिना पैसे का कोई भी काम नहीं होता है। रिश्वत का बोलबाला है। तमाम योजना में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभी मामलों को अधिकारियों के समक्ष रखा जाता है उसके बाद भी कुछ नहीं किया जाता। जिला परिषद सदस्य की बात सुनने वाला कोई अधिकारी नहीं है। जब भी हम लोग अपनी समस्या को रखते हैं तो उसे दबाया जाता है। मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आगे हम आंदोलन भी करेंगे।

नल जल योजना में अनियमितता की जांच का दिया निर्देश

भवनाथपुर। जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा की अनुशंसा पर अनुमंडल पदाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को जांच टीम गठित कर नल जल योजना की अनियमितता की जांच का निर्देश दिया है। शर्मा ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर प्रखंड के बनसानी, मकरी, पंडरिया पंचायत में नल जल योजना कार्य में अनियमितता का मामला उठाया था। शर्मा ने अपने आवेदन में विस्तार से उक्त योजना में अनियमितता का उल्लेख किया था। कार्यालय अनुमंडल पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र में जिला परिषद सदस्य के पत्र की छाया प्रति संलग्न कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

केतार थाना क्षेत्र में जहरीले जीव के काटने से लड़की की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता। केतार

थाना क्षेत्र के बलिगढ़ पंचायत के खोनहर गांव निवासी सोती साह की पुत्री प्रियंका कुमारी (14 वर्ष) की मौत शुक्रवार की देर शाम जहरीले जीव के काटने से हो गयी। जानकारी के अनुसार प्रियंका शाम में चेचरीया गांव से ट्यूशन पढ़कर घर लौटी थी और कॉपी रखने घर में गयी थी। इसी बीच जहरीले जीव ने हाथ और पैर में काट लिया। इसके बाद वह घर के बाहर आंगन में बेहोश होकर गिर पड़ी। आनन-फानन में परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही प्रियंका की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव के पंडा नदी किनारे किया गया। प्रियंका लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार के नौवीं कक्षा की छात्रा थी। इस घटना से गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

नौवीं कक्षा की छात्रा प्रियंका लोहिया समता उच्च विद्यालय में पढ़ती थी, गांव में पसरा मातम, एक अन्य घटना में युवक के पांव में सांप ने काटा, अस्पताल में कराया गया भर्ती, खतरे से बाहर

है। इस मौके पर मुखिया ललिता देवी, मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन गुप्ता, सिताराम शर्मा, कामेश्वर सिंह आदि ने परिजनों को सांत्वना दी। वहीं थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव निवासी सुग्रीव साह के पुत्र मंटू प्रसाद (30 वर्ष) को शुक्रवार की रात्रि में सांप ने पैर में काट लिया। आनन-फानन में परिजनों ने इलाज के लिए उत्तर प्रदेश के राबटर्सगंज स्थित मिशन अस्पताल में भर्ती कराया। मंटू की तबीयत में सुधार हो रहा है।

केतार गोदाम में राशन आवंटन का किया अनुरोध

केतार। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सह बीडीओ मुकेश मछुआ ने शनिवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी गढ़वा को पत्राचार कर केतार स्थिति नवनिर्मित गोदाम में ही सभी माह का राशन आवंटन उपलब्ध कराने को कहा है। बीडीओ ने कहा कि सितंबर माह का राशन का आवंटन केतार की जनवितरण प्रणाली की दुकान के लिए केतार गोदाम में ही प्राप्त हुआ था। लेकिन अक्टूबर माह का राशन का आवंटन पूर्व की तरह भवनाथपुर गोदाम को प्राप्त हुआ है। नवनिर्मित गोदाम केतार में अवस्थित होने के कारण आगामी सभी आवंटन केतार केतार गोदाम को ही उपलब्ध कराने को बीडीओ ने अनुरोध किया है ताकि सभी डीलरों को समय पर राशन प्राप्त है सकें।

लिखित आश्वासन पर राशन को लेकर जारी भूख हड़ताल समाप्त

नवीन मेल संवाददाता। विशुनपुरा

प्रखंड मुख्यालय में समाजसेवी बलराम पासवान द्वारा शुक्रवार दस बजे से राशन को लेकर की जा रही भूख हड़ताल डीएसओ के लिखित आश्वासन पर शनिवार दोपहर तीन बजे 30 घंटे के बाद समाप्त कर दी गई। डीएसओ राम गोपाल पांडेय ने सभी को आश्वस्त किया है कि 20 अक्टूबर तक सभी लाभुकों को अगस्त माह राशन मिल जाएगा और अक्टूबर का भी राशन 30 अक्टूबर तक मिल जाएगा।

बताते चलें कि 26 सितंबर को पासवान के नेतृत्व में राशन को लेकर लाभुकों ने प्रखंड मुख्यालय पर डीलर के विरुद्ध प्रदर्शन किया था। इसको लेकर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी निधि रजवार ने

आश्वासन दिया था कि 10 अक्टूबर तक सभी लाभुकों को राशन मिल जाएगा, लेकिन पंद्रह दिन बीत जाने के बाद भी डीलर द्वारा लाभुकों को राशन नहीं दिया गया। इसके बाद 13 अक्टूबर को बलराम पासवान अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। डीएसओ ने बलराम पासवान को जूस पिला कर भूख हड़ताल को समाप्त कराया। मौके पर बीडीओ हीरक मन्ना केरकट्टा, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी निधि रजवार, एजीएम नवनीत कुमार, बीससूत्री अध्यक्ष सलेंद्र देव, एनुल अंसारी सचिन गुप्ता, ललन गुप्ता, आलम बाबू, डीलर कामख्या नारायण सिंह, शिवबचन यादव, सुशील कुमार आदि मौजूद थे।

धर्म-कर्म

गुरु एक व्यक्ति के साथ एक दिव्य संदेश होता है : जीयर

गुरु और ईश्वर के प्रति भक्ति होनी चाहिए

नवीन मेल संवाददाता।
श्री बंशीधर नगर

जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि सबसे पहले तो अनर्थ जो जीवन तथा जीवन के व्यवहार में जिस कारण से होता हो उस पर अंकुश लगाएं। अहंकारमय जीवन न हो। जरूर हम करते हैं लेकिन कराने वाला उसी प्रकार से हैं जैसे किसी कठपुतली के नाच को देखा होगा। भले वह नाचते हैं लेकिन नचाने वाला कोई दूसरा है। उसी के इशारे पर कठपुतली नाचता है। ठीक उसी प्रकार हमारे आपके साथ है। हम चाहे जो कुछ भी करते हैं वह परमात्मा अपनी शक्ति के द्वारा हमलोगों को कठपुतली के समान नचाते हैं। उनकी इच्छा नहीं होती है नचाने के लिए तो अपने आप से तो इस दुनिया में निस्तार हो जाते हैं। किसी के योग्य नही होते हैं। ऐसा विचार कर अनर्थों को त्याग दें। कर्तव्य करें, लेकिन मैं ही करने वाला हूं, मेरे ही द्वारा होता है। ऐसा भाव नहीं होना चाहिए।

स्वामी जी ने कहा कि गुरु और ईश्वर में भक्ति होनी चाहिए। गुरु हमारे जीवन का वह कंडिशन हैं, वह एक स्थिति हैं, वह एक स्तर हैं जिसके माध्यम से हम अपने भटके भूलें, अटके जीवन को समाधान करने में पर्याप्त हो जाते हैं। गुरु केवल कोई एक व्यक्ति और केवल शरीर नहीं, गुरु एक व्यक्ति के अलावा एक दिव्य संदेश होता है। एक उपदेश होता है, एक दिव्य आदेश होता है। एक दिव्य आचरण होता है, जिसके द्वारा हम प्रशस्त मार्गों के अधिकारी होते हैं। व्यवहारिक रूप में गुरु शब्द का मतलब जिसके संरक्षण, छत्रछाया, संवर्धन या जिनके सहवास से हमारे जीवन की किसी प्रकार की जो अधूरापन हो, किसी प्रकार की खामियां हो उन खामियों पर हम अफसोस करें, पश्चाताप करें, अच्छे मार्गों पर चलने के लिए संकल्प करें, बाध्य हो जाएं, ऐसे जिसके द्वारा आदेश प्राप्त होता हो, संदेश प्राप्त होता हो, चाहे वह धोती-कुर्ता में रहने वाला हो चाहे वह गेरुआ कपड़ा वाला हो उसी का नाम गुरु है।

लाभुकों के हंगामे का भी नहीं पड़ा पीडीएस दुकानदार पर कोई असर

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

लाभुकों के हंगामे का भी दुकानदार पर कोई असर नहीं पड़ा। शनिवार को भी दुकानदार द्वारा 50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण किया जाता रहा। मामला प्रखंड मुख्यालय स्थित डंडई गांव के ज्वाला महिला समूह से जुड़ा है। बता दें कि शुक्रवार को उक्त दुकान पर राशन लेने पहुंचे कई लाभुकों द्वारा कटौती कर राशन वितरण होने को लेकर काफी हंगामा किया गया था। इसके बावजूद शनिवार को उक्त लाभुकों के अलावा सैकड़ों लाभुकों को भी दुकानदार द्वारा 50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर खाद्यान्न देने का काम किया गया। लाभुक लक्ष्मीनिया देवी, कोइली कुंवर, सहोदरी देवी, दयानंद भुइयां, प्रमोद भुइयां इत्यादि ने बताया कि हम सभी मानक के

50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर खाद्यान्न का वितरण जारी रखा

अनुसार दुकानदार से खाद्यान्न की मांग करते रहे लेकिन उनके द्वारा बिना कटौती किए खाद्यान्न नहीं दिया गया। लक्ष्मीनिया देवी के पति गोपाल राम ने बताया कि मैं क्षेत्र में पड़े भीषण अकाल का उदाहरण देकर दुकानदार से पूरा खाद्यान्न मांगता रहा लेकिन उन पर कोई असर नहीं पड़ा। साथ ही कहा कि दुकानदार द्वारा सरकारी तराजू के अलावा एक निजी तराजू से भी तौलकर हम सभी को खाद्यान्न देने का काम किया गया है। मामले में डीएसओ रामगोपाल पांडेय ने बताया कि कटौती कर खाद्यान्न वितरण करना काफी गंभीर मामला है। जांच कराकर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीलर ने बीडीओ को आवेदन देकर आवंटन से कम राशन मिलने की शिकायत की

केतार। केतार प्रखंड के आदिवासी बहुल परती कुशवानी गांव के डीलर चंद्रदेव बैठा ने शनिवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मुकेश मछुआ को आवेदन सौंपकर आवंटन से कम राशन मिलने की शिकायत की है। आवेदन में डीलर ने उल्लेख किया है कि उसकी जनवितरण प्रणाली की दुकान के साथ दो अन्य डीलर लाल मुनि चेरो और सोमनाथ विश्वकर्मा की दुकान टैंग किया गया है। लेकिन अक्टूबर माह में कुल आवंटन से 30 क्विंटल राशन कम प्राप्त हुआ है, जिससे लाभुकों के बीच समन्वय स्थापित कर राशन वितरण करना संभव नहीं है। ईधर कार्डधारी लाभुक दुकानदार से कम राशन लेने को तैयार नहीं है। डीलर ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मुकेश मछुआ से आवंटन के हिसाब से राशन दिलाने का आग्रह किया है ताकि लाभुकों के बीच उचित मात्रा में ससमय राशन वितरण किया जा सके।

गागर में सागर

विधायक रामचंद्र सिंह ने निजी राशि से सड़क का मरम्मत कार्य कराया शुरू

बरवाडीह। प्रखंड के छिपादोहर थाना क्षेत्रअंतर्गत छिपादोहर बाईपास की जर्जर सड़क को विधायक रामचंद्र सिंह ने ग्रामीणों की परेशानियों को देखते हुए शनिवार को अपने समर्थकों के साथ निजी मद से मरम्मत कर शुरू कराया। बता दें कि क्षेत्र वासियों की ओर से लगातार मांग की जा रही थी कि आगामी त्योहारों को देखते हुए उक्त सड़क का मरम्मती कार्य जल्द से जल्द किया जाए ताकि लोगों को आवागमन में सहूलियत हो सके। सिंह ने कहा फिलहाल मिट्टी एवं मोरम द्वारा बाईपास सड़क का मरम्मत कार्य किया जा रहा है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। मौके पर मुखिया बेरोनिका कुजूर, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, रंजीत कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता निजाम अंसारी, उमेश कुमार, राजूप्रसाद , श्रवण सिंह, डॉ सुशील कुमार, कृष्णा प्रसाद, अशोक प्रसाद, सुरेश यादव, नंदू प्रसाद आदि मौजूद थे।

दो लाभुकों को गाय का वितरण किया

बालूमाथ। पशुपालन विभाग ने शनिवार को झाबर पंचायत के बनियो ग्राम की दुर्गावती देवी एवं मूरपा पंचायत के बलबल ग्राम निवासी अनीता देवी को गाय का वितरण किया। मौके पर मौजूद जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष ऐश्वर्य उरांव ने कहा कि राज्य सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक यह भी कल्याणकारी योजना है। लाभुकों ने विधायक वैद्यनाथ राम, जेएमएम जिला अध्यक्ष लालमोती नाथ शाहदेव, पशुपालन विभाग के पदाधिकारी एवं हेमंत सरकार को धन्यवाद दिया है।

तेली साहू समाज की बैठक आयोजित

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र के पहरा में अखिल भारतीय तेली साहू समाज की प्रखंड स्तरीय बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता समाज के प्रखंड अध्यक्ष शशि कुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान बैठक में उपस्थित समाज के लोगों को संगठित रहने व समाज की कुरूतियों पर चर्चा करते हुए विभिन्न विन्दुओं पर जानकारी दी गई। बैठक में समाज के लोग मौजूद थे।

रमाशंकर साहू की पुण्यतिथि मनाई गई

चंदवा। शौंडिक जायसवाल समाज के प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद साहू के पिता समाजसेवी स्व. रमाशंकर साहू की प्रथम पुण्यतिथि शनिवार को उनके निवास स्थान पर मनाई गई। स्व. साहू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का वर्णन किया गया। मौके पर समाज के राम नाथ गुप्ता, नरेश गुप्ता, मुरली प्रसाद साहू, रमेश प्रसाद, दिनेश प्रसाद, राजेश साहू, राम करण साहू, धनेश प्रसाद, महेंद्र साहू, तुलसी साहू, जमुना जायसवाल, गोपाल जायसवाल, अनिल कुमार साहू, प्रसांत कुमार, मोहनीश कुमार आदि मौजूद थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के बिरहोर कॉलोनी के समीप बाइक दुर्घटना में एक युवक शनिवार को गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया गया कि युवक गिद्धौर से चौपारण जा रहा था। इसी क्रम में बिरहोर कॉलोनी के समीप जानवर बचाने के क्रम में बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त हो गया और युवा गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल युवक चौपारण के बेढ़ना निवासी ओम प्रकाश कुमार बताया जा रहा है।

उपायुक्त ने की योजनाओं की समीक्षा

गढ़वा। समाहरणालय के सभागार में उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास योजनाओं एवं विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से निर्वाचन, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत योजनाएं, पंचायती राज, मनरेगा, आधार सीडिंग, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर शहिद पोटो हो खेल विकास योजना के तहत खेल मैदान निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना आदि की समीक्षा की गई।

दुर्गा पूजा से पहले असामाजिक तत्वों को संदेश, पुलिस ने किया मॉकड्रिल

आंसू गैस छोड़े, फायरिंग; कई घायल

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह/मनिका

दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को तैयार रखने के लिए बरवाडीह पुलिस ने जिला प्रशासन के निर्देश पर प्रखण्ड मुख्यालय के अंबेडकर चौक में मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया। मॉकड्रिल के दौरान आंसू गैस के गोले दागे गए, पानी की बौछारें की गई। फायरिंग भी की गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह पुलिस बल के साथ व प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय की मौजूदगी में मॉकड्रिल किया गया। थाना गेट से लेकर अम्बेडकर चौक तक मॉकड्रिल किया गया। इस दौरान सरकारी दिशा निर्देश का उल्लंघन करते हुए जुलूस निकाला जा रहा था, जिसे सर्वप्रथम रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन सरकारी आदेश के बाद भी जुलूस में शामिल लोग अपनी गतिविधि जारी रखते हैं। ऐसे में पहले उसे पानी की बौछार से रोकने का प्रयास किया गया। इसके बाद पुलिस प्रशासन द्वारा आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए, लेकिन जुलूस जारी रखा गया। इसके बाद फायरिंग की गई,

जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस प्रशासन ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस प्रकार मॉकड्रिल में किसी भी आपात स्थिति से निपटने की पूरी तैयारी को शहर के लोगों देखा। मॉकड्रिल में जहां जिला प्रशासन द्वारा अग्निशमन पुलिस एवं चिकित्सा वाहन समेत काफी संख्या में पुलिस एवं ग्रामीणों का साथ रहा। वहीं मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय ने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्वक मनाएं। इस दौरान किसी भी तरह अशांति फैलाने का प्रयास न करें। पुलिस प्रशासन इस तरह किसी भी उपद्रवी या शरारती तत्वों से निपटने को पूरी तरह तैयार है।

वहीं जिले के मनिका थाना क्षेत्र के पचफेड़ी चौक पर भी शनिवार को पुलिस द्वारा दूर्गा पूजा के त्योहार को देखते हुए मॉकड्रिल किया। सबसे पहले लातेहार पुलिस ने दंगाइयों को समझाने का प्रयास किया। इसके बाद लातेहार पुलिस ने पानी की बारिश की। बाद में पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर दंगाइयों को भगाने का प्रयास किया। इसके बाद भी लोग जब नहीं माने तो पुलिस द्वारा फायरिंग की गई। मॉकड्रिल के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि दूर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। अगर दंगाइयों द्वारा दंगा भड़काया जाता है तो पुलिस इससे निपटने के लिए तैयार है। मौके पर उपस्थित मनिका थाना प्रभारी राणा भानु प्रताप सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को संदेश दिया कि दशहरा आपसी भाईचारे का त्योहार है। इसको सभी लोग मिलजुल कर मनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि दंगा फैलाने वाले लोगों को लातेहार पुलिस किसी कीमत पर नहीं छोड़ेगी।

कलश स्थापना के साथ नवरात्र का शुभारंभ आज

नवीन मेल संवाददाता। चतरा शारदीय नवरात्रि का अनुष्ठान रविवार से कलश स्थापना के साथ प्ररंभ हो जाएगा। वहीं कलश स्थापन के साथ नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाएगी। पूजा को लेकर जिला मुख्यालय के अलावे पत्थलगड़ा, इटखोरी, मयूरहंड, टंडवा, प्रतापपुर आदि प्रखंड़ों में पूजा समितियों द्वारा भव्य पूजा पंड़ा बनाए जा रहे हैं। पत्थलगडा प्रखंड के सुभाष चौक पत्थलगडा, नावाडीह, नोनगांव, कुब्बा, उपरैली कुब्बा, लेम्बोइया मंदिर में पूजा की विशेष तैयारी की जा रही है। प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री श्री दुर्गा पूजा समिति के द्वारा पंड़ा को इस वर्ष दिल्ली के प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर पंडाल का रुप दिया जा रहा है। पंडाल का निर्माण बंगाल के कारीगरों के द्वारा लगभग तीन माह में किया गया है। साथ ही सुभाष चौक से दो किलोमीटर क्षेत्र में रंग-बिरंगे आकर्षक लाइट लगाने के साथ सभी मार्गों में इलेक्ट्रिक तोरण द्वार लगाए गये हैं। वहीं पूजा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थाना प्रभारी सचिन कुमार दास ने सभी पूजा पंडालों का निरीक्षण कर समिति के पदाधिकारियों से मिलकर शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई दिशा निर्देश दिए।

सभी दुर्गा पूजा पंडाल कमेटी करें गाइडलाइन का पालन : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। बरवाडीह

प्रखंड मुख्यालय के थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर प्रखंड शांति समिति की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय की अध्यक्षता एवं थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह के संचालन में आयोजित की गई। इसमें प्रखंड के सभी दुर्गा पंडाल कमेटी के सदस्य, शांति समिति के कई सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस मौके पर बीडीओ ने कहा कि दुर्गा पूजा शांति पूर्वक मनाने को लेकर सभी को सरकारी गाइडलाइन का पालन आवश्यक रूप से करना होगा। बैठक में पुलिस निरीक्षक अनिलउरांव, आरपीएफ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश ठाकुर, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह पिंटू, 20सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, स्टेशन अधीक्षक अनिल कुमार द्विवेदी, मुखिया कालो देवी, पूनम देवी, आशीष सिंह, बुद्धेश्वर सिंह, पूजा पंडाल कमेटी के रंजीत कुमार सिंह राणा, रेल अधिकारी विवेकानंद बसु, राकेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

शांति समिति की बैठक में पुलिस ने मांगा सहयोग

बालूमाथ। थाना परिसर में डीसीपी दिल्लू लोहार की अध्क्षता में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से जिला पार्षद उपाध्यक्ष अनीता देवी, सीडीपीओ दिल्लू लोहार, सीओ आफताब आलम, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी शशि रंजन सहित पूजा समिति सदस्य एवं प्रखंड के कई प्रबुद्ध गणमान्य जन उपस्थित हुए। मौके पर डीएसपी ने कहा कि आगामी त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो इसके लिए पुलिस आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करती है। पूजा पंडालों व सड़कों पर सुरक्षा का इंतजाम किया जाएगा। चप्पे-चप्पे पर निगाहें रहेंगी। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

पंचायत समिति की बैठक हुई, प्रमुख ने की अध्यक्षता

बारियातु। प्रखंड सह अंचल कार्यालय स्थित सभागार में शनिवार को प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। इसमें उप प्रमुख निशा शाहदेव भी मौजूद रही। बैठक का संचालन बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने किया। प्रखंड में संचालित योजनाओं की पंचायतवार जानकारी ली। कहा कि पूरे वन क्षेत्र में अबतक हाथियों द्वारा बर्बाद की गई फसलों के मामलों में कितने किसानों को मुआवजा मिला है, पूरे प्रखंड में खराब पड़े सोलर जलमीनार की मरम्मती किसके द्वारा की जायेगी, कृषि में कितने मक्का, धान, किसानों के बीच वितरण किया गया सहित कई अन्य जानकारी मांगी। प्रमुख ने अगली बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की बात कही। मौके पर मनरेगा बीपीओ रवी यादव, पंचायत सेवक ओमाशंकर सिंह, राम लखन यादव मौजूद थे।

बालूमाथ ब्लॉक में आकर्षक पंडाल बनवा रही हैं दुर्गा पूजा समितियां

नवीन मेल संवाददाता। बालूमाथ

नवरात्र के पावन अवसर पर प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा इस वर्ष बंगाल के काली मंदिर के तोरण द्वार की तर्ज पर पंडाल बनाया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष रवि सिंह ने बताया कि एक महीने से कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा वाटरप्रूफ दुर्गा पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। सप्तमी, अष्टमी, नवमी को विशेष झांकी का प्रदर्शन विशेष कलाकारों द्वारा किया जाएगा।

इसके अलावा भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूरे आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष रवि सिंह के अलावे उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार उर्फ गुड्डू, महासचिव शैलेश सिंह, कैलाश यादव, संजू ओझा, विशेष कुमार, नीरज कुमार, लालदेव गंझू, सचिव संतान सिंह, सोनू सिंह, अखिलेश गंझु, अर्जुन साव,

कोषाध्यक्ष रवि कुमार रजक और कार्यकारणी सदस्य अहम योगदान दे रहे हैं। वहीं प्रखंड क्षेत्र के आरा ग्राम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आकर्षक भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि कोलकाता के कारीगरों द्वारा पिछले माह से लाखों रुपये की लागत से भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। पंडाल में हर तरह की सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम होगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति अध्यक्ष के अलावे सचिव पदुम यादव, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, संयोजक रवि प्रकाश, संरक्षण जितेंद्र प्रसाद आदि महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वहीं प्रखंड क्षेत्र के मुरपा ग्राम में बंगाल के कारीगरों द्वारा पंडाल को केदारनाथ मंदिर का लुक दिया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष रोहन गोप एवं सचिव रामदेव साहू आदि द्वारा दिन-रात मेहनत की जा रही है।

ग्रामीणों ने उपायुक्त व डीएफओ को आवेदन सौंपकर लगाई गुहार

वन अतिक्रमण करने वालों पर की जाए कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

प्रखंड की सिबला पंचायत अंतर्गत भाटचतरा स्थित चैनपुर जंगल उजाड़कर सैकड़ों कीमती पेड़ों को बेचने व भारी पैमाने पर अवैध तरीके से खेती करने वालों के विरुद्ध ग्रामीणों ने उपायुक्त व डीएफओ को आवेदन सौंप कर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इन दिनों लगातार भाटचतरा के चैनपुर जंगल में अतिक्रमण किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते मई-जून माह में लगभग 100 एकड़ से भी अधिक वनक्षेत्र को उजाड़ा गया है। वन माफियायों द्वारा कई गाड़ी कीमती लकड़ी बेच दी गई है। साथ ही अवैध तरीके से खेती की जा रही है। इसको लेकर

बालूमाथ वन विभाग कार्यालय का घेराव भी किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाध्य होकर दर्जनों ग्रामीण लातेहार पहुंचे, जहां उपायुक्त हेमंशु मोहन व डीएफओ रौशन कुमार के नाम आवेदन सौंपा गया। आवेदन में बताया कि भाटचतरा के महाबीर साव, आदित्य साव, बिहारी साव, बदरी साव,टेपा गंझु, केशो गंझु, तुलसी उरांव सहित कई लोगों पर्यावरण को नुकसान पंहुचाते हुए वन अतिक्रमण किया है। डीएफओ ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि वन अतिक्रमण करने वाले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मौके पर विकास यादव, सुरेश यादव, खुशियाल यादव, कामेश्वर यादव, रवि यादव, योगेंद्र यादव मौजूद थे।

रांची में मंत्री से मिला झामुमो का प्रतिनिधिमंडल

गिद्धौर। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर से गिद्धौर प्रखंड झामुमो का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को रांची में मुलाकात की। प्रखंड में व्याप्त विभिन्न जनसमस्याओं के साथ विशेष रूप से गिद्धौर प्रखंड को सुखाड़ के तहत किसानों को लाभ पहुंचाने, सभी किसानों का केसीसी ऋण माफ करने की मांग की। गिद्धौर को पुनः चतरा अनुमंडल में शामिल कराने का अलग से ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने समस्याओं से सरकार को अवगत कराने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, झारखंड संघर्ष समिति के प्रदीप कुमार व सत्यनारायण शुक्ला आदि शामिल थे।

टोरी जंक्शन पर मालगाड़ी से कटकर वृद्ध महिला की मौत

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

बरकाकाना-बरवाडीह रेल खंड पर टोरी जंक्शन पर शनिवार सुबह एक महिला की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई। बताया जाता है कि शनिवार सुबह करीब दस बजे एक वृद्ध महिला टोरी स्टेशन जाने के लिए हिंडालको बॉक्साइट साइडिंग में खड़ी मालगाड़ी के नीचे से पार हो रही थी तभी अचानक मालगाड़ी खुल गयी और महिला भूसी देवी पति सुटुर ठाकुर (पाटन, पलामू) उसकी चपेट में आ गयी, जिससे उसकी कमर के नीचे का हिस्सा कट गया। काफी देर तक महिला वहीं तड़पती रही और अंततः उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के संबंध में उनके रिश्तेदार चकला निवासी दुर्गा ठाकुर ने बताया कि वह चकला स्थित मायके से पाटन जाने के लिए निकली थी और हिंडालको के बॉक्साइट रेक के नीचे से पार हो रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। ज्ञात हो कि वर्षों से फुट ओवरब्रिज निर्माण की

नहीं है फुट ओवरब्रिज, जान जोखिम में डालकर स्टेशन जाते हैं लोग, वर्षों से फुट ओवरब्रिज की मांग अब तक नहीं हुई पूरी

मांग की जा रही है। प्रतिदिन हजारों लोग अपनी जान जोखिम में डालकर स्टेशन आते जाते हैं। आये दिन मालगाड़ी के नीचे से पार करने के दौरान दुर्घटना का शिकार होते हैं, लेकिन अब तक इस ओर रेलवे प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। नतीजतन लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं। हिंडालको प्रबंधन के सुरक्षा गार्ड रहने के बावजूद ऐसी दुर्घटना होना निंदनीय है।

कार्यक्रम

सम्मान समारोह में शामिल हुए मंत्री, सांसद व जिप उपाध्यक्ष

राष्ट्र के निर्माता होते हैं शिक्षक : मंत्री

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन, चतरा (पीएसएसीडब्ल्यूए) के द्वारा भव्य शिक्षक सम्मान समारोह जिला मुख्यालय स्थित चतरा कॉलेज चतरा के मल्टीपर्पस हॉल में शनिवार को आयोजित की गई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, श्रम नियोजन एवं कौशल प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोगता, पसावा प्रदेश अध्यक्ष अलोक दुबे, राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, एसडीपीओ अविनाश कुमार एवं जिला के सभी प्राचार्य, निर्देशक एवं शिक्षकगण शामिल थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने बारी-बारी

से निजी विद्यालय के शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षा देने हेतु धन्यवाद दिया। साथ हीं समारोह में पैरामाउंट एकेडमी पांडेपूरा, चतरा के प्राचार्य मुकेश कुमार, सहायक शिक्षक मनोज कुमार सिन्हा, सुधीर पासवान, छोटू गिस्वामी, अंशु कुमारी, अन्नू कुमारी, सर्वेश कुमार, प्रियंका कुमारी, ममता कुमारी, रूचि कुमारी आदि शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं मंत्री भोगता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी शिक्षकों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता होते हैं। शिक्षकों का राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका होती है। अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षा के क्षेत्र में और बढ़ चढ़कर हिसा लेने और बच्चों को अंधकार की ओर से प्रकाश की ओर ले जाने की बात कही। समारोह में अपर समाहर्ता पवन मंडल, जिला शिक्षा अधिकारी अभिषेक बड़ाइक आदि मौजूद थे।

सांसद ने शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक व्यक्त किया

महुआडांड़। चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुनील सिंह शनिवार को वरिष्ठ भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य भुवनेश्वर सिंह की धर्म पत्नी की आकस्मिक निधन की खबर सुनकर महुआडांड़ स्थित भुनेश्वर सिंह के निवास स्थान ग्राम पारही नवाटोली पहुंचे।

इस दौरान भुवनेश्वर सिंह से मिल कर उनकी धर्म पत्नी की मृत्यु को लेकर शोक व्यक्त किया। मौके पर पीए मनीष पाठक, अमरनाथ जी, जिला सांसद प्रतिनिधि विनित मधुकर जिला उपाध्यक्ष भानू प्रसाद, मंडल अध्यक्ष संभू प्रसाद, भाजयुमो प्रखंड अध्यक्ष दीपेंद्र नाथ शाह, आईटी शेल प्रभारी प्रशांत सिंह, संजय जयसवाल, जमना प्रसाद, संजय राय, अजय प्रसाद, राकेश प्रसाद, अमित जायसवाल, राम जायसवाल आदि मौजूद थे।

कांग्रेस की जनसुनवाई में पहुंचे मंत्री

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

राज्य सरकार में कृषि, पशुपालन विभाग एंव सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख शनिवार शाम इंदिरा गांधी चौक के समीप स्थित पथ निर्माण विश्रामागार में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण करने का आश्वासन दिया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री श्री लेख ने कहा कि राज्य सरकार जन समस्याओं के निदान को लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है। खासकर किसानों को लेकर सरकार ने कई योजनाएं बनाई है प्रदेश के किसानों की समस्याओं को दूर करना सरकार की पहली प्राथमिकता में शामिल है। ग्रामीणों ने मंत्री को दर्जनों आवेदन सौंपा है, जिनमें जमीन, जयदाद, पेयजल से संबंधित जुड़े थे।

जगराहा डैम को लेकर सौंपा आवेदन : शहर का वाटर लाइफ

लाइन कहे जाने वाले जगराहा डैम की सफाई व सुंदरीकरण को लेकर मत्स्य जीवी समिति ने मंत्री को आवेदन सौंपा है। सदस्यों ने मंत्री को डैम की दयनीय स्थिति से अवगत कराया और कहा कि अगर डैम की साफ सफाई नहीं कराई गई तो डैम का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। वहीं माकपा नेता सह कामता पंसस अयुब खान ने टोरी आरओबी निर्माण में हो रही देरी पर हस्तक्षेप करने की मांग की। जनसुनवाई में पुलिस इंस्पेक्टर बबलु कुमार, बीडीओ विजय कुमार, सीओ जयशंकर पाठक, कॉंग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, झामुमो जिला सचिव शमशुल होदा, कॉंग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष सलाम अंसारी, आफताब आलम, पंकज तिवारी, साजन कुमार, सेवा दल जिला अध्यक्ष बाबर खान, चंदवा प्रखंड अध्यक्ष असगर खान, बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष अमीर हयात, हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान, मनिका प्रखंड अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, रामयश पाठक, टिंकू बाबू, निर्मल भारती, मोफिल खान, मो साबिर, श्रीराम शर्मा आदि मौजूद थे।

गागर में सागर

तीनदिनी फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

लोहरदगा। फुटबॉल खेल काफी लोकप्रिय रहा है। यह खेल अच्छे सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। उक्त बातें प्रगति क्लब भदुवापारा के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन समारोह के मौके पर भदुवापारा खेल मैदान में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी सह पूर्व फुटबॉलर हाजी शकील अहमद ने कहीं। टूर्नामेंट में लोहरदगा एवं अन्य प्रखंडों से कल 32 टीमों ने भाग लिया। मौके पर चैतु उरांव, महापाल भगत, मनोज शाहदेव, धनंजय शहदेव, हफीजुल अंसारी, प्रगति क्लब भदुवापारा के मनोज उरांव, सुनील उरांव, गंगा उरांव, बसंत लोहरा, बबलू उरांव, हरी उरांव, उमेश उरांव, बिजुन उरांव तेतरा उरांव, सुदीप उरांव, बीरबल उरांव मौजूद रहे।

'लोकसभा, विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की ऐतिहासिक जीत होगी'

कैरो। प्रखंड मुख्यालय स्थित स्व शिव प्रसाद साहू स्मृति भवन कैरो में शनिवार को कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद की अध्यक्षता में सांगठनिक मजबूती एवं प्रखंड, पंचायत कमिटी का भौतिक सत्यापन संबंधी कार्यक्रम करने हेतू विचार विमर्श को लेकर बैठक हुई। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अनीश अहमद ने कहा कि लोक सभा व विधान सभा चुनाव को देखते हुए कार्यकर्ता मिलजुलकर संगठन हित में कार्य करें। पार्टी संगठन को मजबूत करें ताकि लोक सभा व विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन की ऐतिहासिक जीत हो सके। कार्यकर्ता पार्टी संगठन का रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ता के बिना संगठन की मजबूती की बात करना बेमानी है। मौके पर नईम अंसारी, मतलुब अंसारी, हुसैन खान, मोजाहिर अंसारी, प्रखंड यूथ अध्यक्ष तिला उरांव, पंचायत अध्यक्ष मंजन उरांव, नारायण उरांव, शिव उरांव, रशीद अंसारी, अफरोज आलम, निरंजन राम, नूर हसन खान, जुबेर अंसारी आदि उपस्थित थे।

'सरना और सनातन की एकता को देखकर विरोधियों में हुई घबराहट'

सेन्हा। प्रखंड के चनकोपा गांव में जय श्रीराम समिति की बैठक दीपक साहू की अध्यक्षता में की गई। बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, जिला महामंत्री प्रदीप साहू, जिला उपाध्यक्ष अनिल उरांव, नगर अध्यक्ष दीपक साहू, नगर महामंत्री सुशील पटनायक उपस्थित हुए। जिला कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पूरे सनातन समाज को एकजुट होने का समय आ चुका है। जिला उपाध्यक्ष अनिल उरांव ने कहा सरना सनातन की एकजुट को देखकर विरोधी घबराए हुए हैं। बैठक में संरक्षक उपेंद्र साहू, अरविंद साहू,प्रवीण साहू, सिकंदर साहू, नवीन साहू, सुमन साहू, रविंद्र साहू, संदीप साहू, अध्यक्ष विकास कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री गगन साहू, उपाध्यक्ष पंकज उरांव, सोनू कुमार, रोहित महतो, नितिन साहू, ओमप्रकाश कोषाध्यक्ष विवेक कुमार, संगठन मंत्री ओम साहू, आनंद राम, शुभम कुमार, अभिषेक कुमार, लोकेश साहू, मीडिया प्रभारी उत्तम कुमार, प्रतिश कुमार को बनाया गया।

पथ निर्माण की बैठक का आयोजन

लोहरदगा। उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता की अध्यक्षता में शनिवार को पथ निर्माण की बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्रामीण कार्य प्रमंडल, लोहरदगा के निर्माणाधीन पथों, पुल-पुलिया, प्रशासनिक स्वीकृति हेतु भेजी गई योजनाओं आदि की समीक्षा की गई। निर्माणाधीन पथों व पुल-पुलिया को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण कार्य विशेष प्रमंडल के तीन उच्च स्तरीय पुलों की अद्यतन स्थिति, राष्ट्रीय उच्च पथ के अंतर्गत कुडू-घाघरा पथ में निर्माणाधीन पुलों की स्थिति, भूमि अधिग्रहण से संबंधित भुगतान की स्थिति, पर्यटन, जिला योजना अंतर्गत अनाबद्ध निधि की योजनाएं, डीएमएफटी की योजनाएं, सीएम ग्राम सड़क योजना, प्रखंड विकास पदाधिकारी के आवास निर्माण, नीति आयोग अंतर्गत ली गई योजनाओं के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई और आवश्यक निदेश संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंताओं को दिये गये।

संगीत और किताबों से अच्छा कोई और मित्र नहीं होता : गणेश

लोहरदगा। सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में मासिक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों के अंतर्गत गीत संगीत कला के विकास हेतु विद्या भारती योजना के अनुसार मासिक गीत जो राष्ट्रभक्ति संस्कृति बोध एवं समाज बोध पर आधारित गीत विद्यालय के भैया बहनों द्वारा गाए जाते हैं। इसमें कक्षा उदय से लेकर कक्षा पंचम तक के भैया बहनों की सहभागिता रही। जिसमें क्रमशः कक्षा उदय से भैया रौनक शर्मा, कक्षा प्रभात से भैया अक्षत तिवारी, कक्षा प्रथम से बहन योगिता भारती, कक्षा द्वितीय से बहन अमृता कुमारी, कक्षा तृतीय से बहन पायल कुमारी, कक्षा चतुर्थ से बहन हर्षिका सिंह एवं कक्षा पंचम से भैया दीपक कुमार केसरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खुली आंखों से देख नहीं सकते हैं मां महामाया को, रखा जाता है मंजूषा में बंद, तांत्रिक पीठ है महामाया मंदिर

एक ऐसा मंदिर, जहां पुजारी अपनी आखों पर पट्टी बांधकर करते है माता की पूजा

राहुल कौशल। लोहरदगा

हमारा देश भारत एक प्राचीनतम सभ्यता वाला सांस्कृतिक देश हैं. यह विश्व के उन गिने-चुने देशों में से एक है जहां हर वर्ग और समुदाय के लोग शांतिपूर्वक रहते हैं। यहां की भगौलिक स्थिति, जलवायु और विविध संस्कृति को देखने के लिए ही विश्व के कोने-कोने से पर्यटक पहुंचते हैं। वैसे अपनी भारत यात्रा के दौरान पर्यटकों को जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आती है तो वह हैं भारत की प्राचीनतम मंदिर। मंदिरों की बनावट, विशेषता, महत्व और इतिहास आदि जानने के लिए ही पर्यटक बार-बार भारत की ओर रुख करते ह। इनमें से कई मंदिर तो ऐसे भी हैं जो कई हजारों साल पुराने हैं और जिनके बारे में जानना पर्यटकों के लिए कौतुहल का विषय है। भारतीय संस्कृति अध्यात्म व देव दर्शन से जुड़ा हुआ संस्कृति है। भारत में कई ऐसे आध्यात्मिक व चमत्कारिक मंदिर है जिनका रहस्य आजतक कोई नही जान सका है। कुछ मंदिर ऐसे है जो अपने आप मे रहस्यमयी है। मंदिरों के रहस्यमयी होने का पता लगाने में लोग लगे रहते है लेकिन कुछ सफलता नही मिलती है। हमारे देश में माता के कई चमत्कारिक व रहस्यमयी मंदिर हैं।इन मंदिरों से कई प्रकार के रहस्य जुड़े हुए हैं। नवरात्रि के मौके पर आज हम आपको लगभग 11 सौ साल पुराने माता के एक मंदिर के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। हम जिस मंदिर की बात करने जा रहे हैं वह चमत्कारिक मंदिर झारखंड के लोहरदगा गुमला सीमा पर स्थित है। यह मंदिर गुमला जिले के घाघरा प्रखंड के हापामुनी गांव में स्थित है जिसका नाम है महामाया मंदिर। इस मंदिर के बारे में जो जानकारी है इसे जानकर लोग हैरान ही रह जाते है। माता के इस मंदिर की विशेष बात ये है कि इसमें आज भी मां महामाया को बक्शे में बंद करके रखा जाता है। मान्यता है कि महामाया मां को मंजूषा (बक्सा) में बंद करके रखा जाता है क्योंकि महामाया मां को खुली आंखों से देख नहीं सकते हैं। चैत कृष्णपक्ष परेवा को जब डोल जतरा का महोत्सव होता है तब मंजुषा को डोल चबूतरा पर निकालकर मंदिर के मुख्य पुजारी द्वारा खोलकर महामाया की पूजा की जाती है। पूजा के दौरान पुजारी आंख में काले रंग की पट्टी पहने रहते हैं। वैसे मंदिर के बाहर में एक दूसरी महामाया मां की प्रतिमा स्थापित की गयी है। इसी प्रतिमा की भक्तजन पूजा- अर्चना करते हैं।मंदिर की स्थापना आज से लगभग 11 सौ साल (विक्रम संवत 965 में) पहले हुआ था। यह लोहरदगा गुमला मुख्यपथ के घाघरा प्रखंड में हापामुनी गांव में स्थित है। इस मंदिर से हिंदुओं की आस्था जुड़ी हुई है। यह अपने अंदर कई इतिहास समेटे हुए है। मंदिर के मुख्य पुजारी विशेष अवसरों पर यहां संपूर्ण पूजा पाठ कराते हैं। इस मंदिर से लरका आंदोलन का भी इतिहास जुड़ा हुआ है ऐसा माना जाता है कि महामाया मंदिर में जिस भाव से पूजा की जाती है वही भाव भक्तों को

वरदान के रूप में मिलता है। यही कारण है कि काफी दूर-दूर से और दूसरे राज्यों से भी माता के भक्त यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए पूजा करने आते हैं। यहां ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान से पूजा कराई जाती है।

भूतों के उपद्रव को माता ने खत्म किया था

हापामुनी मंदिर के इतिहास के संबंध में पुजारी नीलेश मनी पाठक में बताया कि आज से लगभग 11 सौ साल पहले यहां एक मुनी आये थे। वे ज्यादा नहीं बोलते थे। मुंडा जाति के लोग उन्हें हप्पा मुनी कहते थे। मुंडा भाषा में हप्पा का अर्थ चुप रहना होता है। उन्हीं मुनी के नाम पर इस गांव का नाम हप्पामुनी पड़ा। कलातांर में नाम बदलकर हापामुनी गांव हो गया। कहा जाता है कि मांडर थाना क्षेत्र में दक्षिणी कोयल नदी है। यहां एक विशाल दह है जिसे अभी बियार दह कहा जाता है। कहा जाता था कि यहां हीरा एवं मोती मिलती है। विक्रम संवत 959 में हीरा एवं मोती प्राप्त करने के लोभ में हजारों लोग दह में डूब गये। गांव में यह बात फैल गयी कि दह में डूबकर मरे लोग अपने-अपने गांव में भूत बनकर घूम रहे हैं। हप्पामुनी के कहने पर वहां के नागवंशी राजा गजघंट राय ने भगवती मां को लाने के लिए विंध्याचल चले गये। राजा विंध्याचल में 3 साल तक भगवती की तपस्या किये। तपस्या के बाद राजा भगवती के इस्ट को लेकर पैदल आ रहे थे। तभी टांगीनाथ धाम में भगवती को जमीन पर रख दिया। भगवती मां जमीन में समां गयी। मुनी ने भगवती की स्तुति किया। बाद में भगवती मुरलीधर को लेकर बाहर आयी। राजा भगवती को लेकर गांव पहुंचे। इसके बाद गांव से भूतों का उपद्रव समाप्त हो गया। इसके बाद भगवती को मंदिर में स्थापित किया गया। कहा जाता है कि नागवंश के 22 वें राजा गजघंट राय और राम मोन राय के बेटे द्वारा इस मंदिर का निर्माण 869 ईसवी से 905 ईसवी तक कराया गया। उन्होंने मंदिर की देखभाल की जिम्मेवारी अपने गुरु हरिनाथ को सौंप दी थी। इस मंदिर में राजा शिवदास ने भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित की है। वर्तमान में पुजारी के रूप में निलेश मनी पाठक, सुरेश मनी पाठक, रमेश मनी पाठक, मुकेश मनी पाठक, अजित मनी पाठक, राजेश मनी पाठक, शेलेश मनी पाठक, पुरुषोत्तम मनी पाठक, हेमन्त मनी पाठक और प्रदीप मनी पाठक आदि पूजा कराते हैं। उन्होंने बताया कि यह मंदिर उपासकों के लिए आस्था का केन्द्र हैं और यहां हर पूर्णिमा को बड़ी संख्या में लोग पूजा करने आते हैं। पुजारियों और ग्रामीणों ने मंदिर के इतिहास के बारे में बताया कि बाहरी लोगों ने यहां आक्रमण कर बरजू राम की पत्नी एवं बच्चे की हत्या कर दी। उस समय बरजू राम महामाया मां की पूजा में लीन था। बरजू राम का सहयोगी राधो राम था, जो दुसाध जाति का था। राधो राम ने बरजू को उसकी पत्नी एवं बच्चे की हत्या की जानकारी दिया। इसके बाद मां की आशीर्वाद से राधो राम आक्रमणकारियों पर टूट पड़ा। इस दौरान मां ने कहा कि तुम अकेले सबसे लड़ सकते हो, लेकिन जैसे ही पीछे मुड़कर देखोगे, तुम्हारा सिर धड़ से अलग हो जायेगा। मां की कृपा से राधो तलवार लेकर आक्रमणकारियों से लड़ने लगे। सभी का सिर काटने लगे, लेकिन राधो जैसे ही पीछे मुड़कर देखा उसका सिर धड़ से अलग हो गया। आज भी हापामुनी में बरजू एवं राधो की समाधि स्थल है जिस स्थान पर वह बैठकर पूजा करते थे। आज भी वह स्थान विद्यमान है।

मंदिर का द्वार है पश्चिम दिशा की ओर

जिस काल में महामाया मंदिर की स्थापना की गयी वह काल बड़ा ही उथल पुथल का था क्योंकि तंत्र- मंत्र एवं भूत प्रेतात्माओं की शक्ति आदि के बारे में आज भी छोटानागपुर के लोग विश्वास करते हैं। उस जमाने में यहां भूत- प्रेत का वास होने की बात हुई। तभी यहां तांत्रिकों का जमावड़ा हुआ। पूजा- पाठ किये जाने लगा। यहां यह भी मान्यता है कि उस जमाने में चोरी एवं किसी प्रकार का अपराध करने वालों को यहां कसम खाने के लिए लाया जाता था। मंदिर के अंदर अपराधी को ले जाने से पहले ही वह अपना अपराध स्वीकार कर लेता था। उस समय मंदिर के पुजारी की बात को प्राथमिकता दी जाती थी। महामाया मंदिर का द्वार पश्चिम की ओर है जैसा कि अन्य मंदिरों में नहीं होता है। कहा जाता है कि 1889 में जब कोल विद्रोह हुआ था। उस समय मंदिर को कोल विद्रोहियों ने ध्वस्त कर दिया था। तब विद्रोहियों ने महामाया का आह्वान करते हुए कहा था कि अगर महामाया शक्तिशाली है, तो इस मंदिर का द्वार पूरब से पश्चिम की ओर हो जाये। उनकी इस बात से मंदिर में भयंकर गड़गड़ाहट हुई और दरवाजा पश्चिम की ओर हो गया। इसका उल्लेख बरजू राम ने अपने गीत में किया है, जो इस प्रकार है। **खल तो हनत सब तने, आपे से मुख मंदिल किरू पिछप करे, गेसा महल हापामुनी देखे गहरवे।**

कलश स्थापना के साथ आज से शुरू होगा शारदीय नवरात्र

पराक्रम, स्वावलंबन और आत्मविश्वास की प्रतिमूर्ति है नवदुर्गा : रामाधार पाठक

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

कलश स्थापना के साथ रविवार को शारदीय नवरात्र की शुरुआत होगी। पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। पुजारी रामाधार पाठक, आनंद पाठक, अनूप चौधरी, बृजमोहन पाठक, डीएन पाठक, बसंत पाठक आदि ने कहा कि पहले तीन दिन हम दुर्गा देवी का ध्यान करते हैं जो पराक्रम, स्वावलंबन और आत्मविश्वास की प्रतिमूर्ति हैं। अगले तीन दिन हम देवी लक्ष्मी, जो शुभता व धन्यता की प्रतिमूर्ति हैं और अंतिम तीन दिन देवी सरस्वती का ध्यान करते हैं जो ज्ञान की प्रतिमूर्ति है। अर्थात नवरात्रों में हम अपने भीतर पराक्रम, स्वावलंबन, शुभता और ज्ञान जगाने का प्रयास करते हैं। नवरात्र में मां के नौ स्वरूपों-प्रथम शैलपुत्री, द्वितीय ब्रह्मचारिणी, तृतीय चंद्रघंटा, चतुर्थी कुष्मांडा, पंचम स्कंदमाता, अष्टम कात्यायनी, सप्तम कालरात्रि, अष्टम महागौरी, नवम सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इस बार माता रानी हाथी में आ रही हैं, अतः अपने साथ सुख संपत्ति और अपार स्नेह भी लेकर आ रही हैं, और पूजन के लिए विशेष मुहूर्त की बात करें तो केवल नक्षत्र और तिथि के अनुसार कलश स्थापना प्रातः काल से ही प्रारंभ हो जाएगी। किंतु चौघड़िया मुहूर्त पर विचार करने से पता चलता है कि 07:24 से चर और लाभ मुहूर्त प्रारंभ हो रहा है जो अमृत मुहूर्त के साथ योग बना करके 11:44 तक रहेगा। इस बीच कलश स्थापना करना और भी ज्यादा लाभप्रद रहेगा। ज्योतिषाचार्य रामाधार पाठक के अनुसार माता के आगमन और प्रस्थान से आने वाले दिनों में होने वाली घटनाओं का अंदाजा लगाया जाता है। नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व का शुभारंभ बुधादित्य योग, शश योग और भद्र नामक राजयोग के साथ हो रहा है। माता रानी हाथी पर सवार हो कर आ रही हैं। वहीं इस बार नवरात्रि में मां दुर्गा के प्रस्थान की सवारी महिस भैंस में होगी। मां का वाहन हाथी ज्ञान व समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वहीं नवरात्रि का आरंभ इस बार बुधादित्य योग, शश योग और भद्र नामक राजयोग में होने जा रहा है। वहीं नवरात्रि में सूर्य और बुध का संयोग बना रहेगा। शनि अपनी स्वराशि कुंभ में 30 साल बाद रहेंगे, बुध स्वाराशि में होकर भद्र योग बनाएंगे। वहीं पर्व के नौ दिनों में सर्वार्थसिद्धि, राजयोग, त्रिपुष्कर, अमृतसिद्धि, प्रीति, आयुष्मान और रवियोग बन रहे हैं, जिसे ज्योतिष काफी शुभ मान रहे हैं। पाठक के अनुसार, इस बार की शारदीय नवरात्रि को बेहद शुभ माना जा रहा है। वैसे तो माता रानी की सवारी सिंह है, लेकिन जब वे पृथ्वी पर आती हैं तो उनकी सवारी बदल जाती है। मां की सवारी नवरात्रि प्रारंभ होने वाले दिन पर निर्भर करती है।

माता की इस तरह से होगी पूजा

तिथि-माता के स्वरूप - गृह योग

15 अक्टूबर- शलपुत्रा,- बुधाादत्य योग, शश योग और भद्र राजयोग
16 अक्टूबर - ब्रह्मचारिणी,- छत्र योग, स्वाती नक्षत्र और भद्रा तिथि का संयोग
17 अक्टूबर - चंद्रघंटा, -प्रीति, आयुष्मान और श्रीवत्स योग
18 अक्टूबर -कूष्मांडा,- सर्वार्थसिद्धि और अमृतसिद्धि योग
19 अक्टूबर- स्कंदमाता, -ज्येष्ठा नक्षत्र आर पूणा ताथ सयाग
20 अक्टूबर-कत्यायनी-रवियोग, षष्ठी तिथि व मूल नक्षत्र का संयोग
21 अक्टूबर- कालरात्रि, -त्रिपुष्कर योग
22 अक्टूबर- महागौरी - सर्वार्थसिद्धि और रवियोग
23 अक्टूबर-सिद्धिदात्री- सर्वार्थसिद्धि और रवियोग
24 अक्टूबर विजयादशमी दशहरा

जानिए कलश स्थापना की विधि व सामग्री

कलश स्थापना के लिए आवश्यक सामग्री में 7 तरह के अनाज, चौड़े मुंह वाला मिट्टी का एक बर्तन, पवित्र स्थान से लायी गयी मिट्टी, कलश, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, सुपारी, जटा वाला नारियल, लाल सूत्र, मौली, इलाइची, लौंग, कपूर, रोली, अक्षत, लाल वस्त्र और पुष्प की जरूरत पड़ती है। सुबह स्नान करके मां दुर्गा, भगवान गणेश, नवग्रह कुबेरादि की मूर्ति के साथ कलश स्थापन करें। कलश के ऊपर रोली से ॐ और स्वास्तिक लिखें। कलश स्थापना के समय अपने पूजा गृह में पूर्व के कोण की तरफ अथवा घर के आंगन से पूर्वोत्तर भाग में पृथ्वी पर सात प्रकार के अनाज रखें। संभव हो, तो नदी की रेत रखें, फिर जौ भी डालें। इसके उपरांत कलश में गंगाजल, लौंग, इलायची, पान, सुपारी, रोली, कलावा, चंदन, अक्षत, हल्दी, रुपया, पुष्पादि डालें. फिर 'ॐ भूम्यै नमः' कहते हुए कलश को सात अनाजों सहित रेत के ऊपर स्थापित करें। अब कलश में थोड़ा और जल या गंगाजल डालते हुए 'ॐ वरुणाय नमः' कहें और जल से भर दें। इसके बाद आम का पल्लव कलश के ऊपर रखें। तत्पश्चात जौ अथवा कच्चा चावल कटोरे में भरकर कलश के ऊपर रखें। अब उसके ऊपर चुन्नी से लिपटा हुआ नारियल रखें। फिर हाथ में हल्दी, अक्षत पुष्प लेकर इच्छित संकल्प लें। इसके बाद 'ॐ दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्र जनार्दनः! दीपो हरतु मे पापं पूजा दीप नमोस्तुते मंत्र का जाप करते दीप पूजन करें। कलश पूजन के बाद नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे!' से सभी पूजन सामग्री अर्पण करते हुए मां शैलपुत्री की पूजा करें। नवरात्रि संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें।

दुर्गा पूजा को लेकर केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति लोहरदगा की एक महत्वपूर्ण बैठक गुदरी बाजार स्थित मुद्रिका पैलेस में केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत लकड़ा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से आने वाले नवरात्र पर्व को धूमधाम से मनाने हेतु चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से सभी संरक्षक पूजा पंडाल के अध्यक्ष,सचिव एवं केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी गण उपस्थित थे। मौके पर संरक्षक प्रवीण कुमार सिंह ने दुर्गा पूजन उत्सव को उत्सव के रूप में मनाने को कहा। इससे सशक्त और मजबूत समाज का निर्माण हो। वहीं केंद्रीय दुर्गा पुजा समिति लोहरदगा के अध्यक्ष इंद्रजीत लकडा (संतोष) ने नवरात्र के प्रथम दिन होने वाले कलश शोभायात्रा रविवार को सुबह 7.00 बजे निकाली जाएगी। यह पावरगंज देवी मंदिर प्रांगण से निकलकर अमला टोली थाना टोली शास्त्री चौक होते हुए ठाकुरबाड़ी मंदिर प्रांगण जाएगी। मौके पर मोहन दुबे, राजेंद्र खत्री, अजय मित्तल, प्रेम प्रजापति, कमल प्रसाद केसरी, सुरेश ठाकुर, रोहित साहू, संदीप पोद्दार, सरोज प्रजापति, अजय पंकज, सरोज प्रजापति, दीपक सर्राफ, गुप्तेश्वर गुप्ता, दुर्गा प्रजापति, सोमनाथ दत्त, अशोक चंद्र घोष, मनोज गुप्ता, आनंद केसरी, सरोज प्रजापति, नागेंद्र प्रजापति, जय प्रकाश शर्मा, निलेश गुप्ता, रोहित ओझा हिमांशु केसरी, पंकज महतो, प्रवीण तमेडा, संजय महतो शशांक बर्मन, दीक्षांत आर्य, विक्की कुमार, अशोक रजक, राजकुमार, चंदन, अजय शाह उदय दत्त ,दिव्यांशु कुमार सहित अन्य माता रानी के भक्त गण उपस्थित थे।

भंडरा : दुर्गा पूजा को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

भंडरा प्रखंड में दुर्गा पूजा के त्योहार को लेकर शनिवार की देर शाम भंडरा थाना प्रभारी गौतम कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च भंडरा थाना से प्रारंभ कर मुख्य पथ होते हुए के नौडीहा चौक पहुंचा गया। इसके बाद पुनः नौडीहा चौक से कुंबाटोली बस्ती होते हुए थाना पहुंच समाप्त किया गया। मौके पर भंडरा थाना प्रभारी गौतम कुमार ने कहा कि प्रखंड पुलिस प्रशासन क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कृत संकल्पित है। त्योहार के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा अफवाह या फिर आपसी सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश किया जाता है, तो ऐसे लोगों को चिंहित कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अवर निरीक्षक विकास विश्वकर्मा सहित जवान मौजूद थे।

कार्यक्रम जिला स्तरीय मार्गदर्शक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देना जरूरी : डीसी

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान महासभा का आयोजन के निमित जिला स्तरीय मार्गदर्शक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन शनिवार को कस्तूरबा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका उच्च विद्यालय लोहरदगा के सभागार में संपन्न हुआ। इसका उद्घाटन उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने किया। उन्होंने कहा कि समाज में लोगों के बीच वैज्ञानिक चेतना को बढ़ावा देना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। साइंस फॉर सोसाइटी धन्यवाद के पात्र हैं कि स्थापना काल से ही लोहरदगा में वैज्ञानिक चेतना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान महासभा का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारितंत्र को जानना महत्वपूर्ण एवं प्रासंगिक विषय है। इन विषयों पर प्रोजेक्ट निर्माण में सहयोग करें। संबोधन में मोटे अनाज का समाज पर प्रभाव और अवशिष्ट प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों से इस विषय में परियोजना निर्माण कराया जा सकता है। समिति के अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद ने कहा कि आपके मार्गदर्शन में ही लोहरदगा जैसे छोटे एवं आदिवासी बहुल जिले से विगत कई वर्षों में पंद्रह से अधिक बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना लोहा मनवा चुके हैं। मार्गदर्शक शिक्षकों को डॉ शशि कुमार गुप्ता, किनेश्वर महतो, संजय बर्मन ने भी संबोधित किया। मौके पर समिति के सचिव राहुल कुमार, जिला समन्वयक आलोक कुमार, सह सचिव नवनीत कुमार गौड़, प्रशिक्षक श्याम बिहारी महतो, कुणाल प्रसाद साहू, समिति के उपाध्यक्ष अरुण राम, कार्यकारी अध्यक्ष वीके ब्लांजिनप्पा, समिति के डॉक्टर गणेश प्रसाद, वीके ब्लांजिनप्पा, प्रोफेसर स्नेहा कुमार, राहुल कुमार, अरुण राम, प्रवीण कुमार, ओम प्रकाश कस्यकर, नवनीत कुमार गौड़, आलोक कुमार, कुणाल रजक, कुणाल कुमार, श्यामबिहारी महतो, अनुपमा कंचन, सुमंत उरांव, तप्पू प्रसाद साहू, विजय साहू आदि उपस्थित थे।

'भारत में पत्रकारिता को आजाद रहने दो, गिरफ्तार पत्रकारों को रिहा करो'

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

भाकपा (माले) लिब्रेशन लोहरदगा के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रव्यापी पत्रकार सुरक्षा प्रतिवाद सप्ताह (9-15 अक्टूबर 23) के अन्तर्गत जिला प्रभारी महेश कुमार सिंह ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ तथा देश का प्रहरी होता है, जो आम जनता की समस्याओं को सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर सही आईना दिखाता है। जिस पर अपेक्षित कार्रवाई की आशा की जाती है। पत्रकार आतंकवादी नहीं, बल्कि आम जनता की आवाज होते हैं। लेकिन दुःख है कि न्युज क्लिक के पत्रकारों को देश विरोधी होने का झूठा आरोप लगाकर जेल भेज दिया गया है, जो सरासर मानवता विरोधी है। भाकपा(माले)लिब्रेशन केंद्र सरकार से मांग करती है कि पत्रकारों को जेल से यथाशीघ्र रिहा कर आजाद भारत का उदाहरण प्रस्तुत करे। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग शामिल थे।

गागर में सागर

भारत, ब्राजील ने 2050 तक 50 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक तिगुना करते हुए 50 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा है। भारत और ब्राजील के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार 15.2 अरब डॉलर है। बर्थवाल ने कहा कि दोनों देश अगले तीन-चार साल में आपसी व्यापार को 30 अरब डॉलर पर ले जाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हम इसे वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर पर पहुंचाने के आकांक्षी लक्ष्य की तरफ देख रहे हैं। इस व्यापार में वृद्धि की व्यापक संभावनाएं हैं। बर्थवाल अक्टूबर की शुरूआत में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए ब्राजील के दौरे पर गए थे। वहां पर उन्होंने भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी व्यवस्था (टीएमएम) की छठी बैठक की अध्यक्षता की थी। वाणिज्य सचिव ने इस दौरे पर भारत और ब्राजील के बीच बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों के अलावा सहयोग के नए क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों और सहयोग के क्षेत्रों पर दो कार्य समूह भी बनाए गए।

ईएसआईसी ने अगस्त में 19.42 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार अगस्त में 19.42 लाख नए ग्राहक जोड़े। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "ईएसआईसी के अनंतिम पेरोल आंकड़ों के अनुसार अगस्त, 2023 में 19.42 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार अगस्त, 2023 में लगभग 24,849 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया है। इस महीने जोड़े गए कुल 19.42 लाख कर्मचारियों में 25 वर्ष की आयु वर्ग तक के 9.22 लाख कर्मचारी हैं। यह आंकड़ा कुल कर्मचारियों का 47.48 प्रतिशत है। इस दौरान महिलाओं का शुद्ध नामांकन 3.73 लाख रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त 2023 में कुल 75 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है।

पाम तेल का आयात 11 महीने में 29% बढ़ 90.80 लाख टन हुआ

नई दिल्ली। भारत का पाम तेल आयात चालू तेल वर्ष 2022-23 के पहले ग्यारह महीनों में सालाना आधार पर 29.21 प्रतिशत बढ़कर 90.80 लाख टन पहुंच गया। उद्योग संगठन साल्वेंट एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने कहा कि आरबीडी पामोलीन का आयात तेजी से बढ़ रहा है, जिससे घरेलू रिफाइनर के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। भारत दुनिया का प्रमुख वनस्पति तेल खरीदार है। पिछले तेल वर्ष की समान अवधि के दौरान 70.28 लाख टन पाम तेल उत्पादों का आयात किया गया था। इस बीच, 2022-23 तेल वर्ष की नवंबर-सितंबर अवधि के दौरान देश का कुल वनस्पति तेल आयात 20 प्रतिशत बढ़कर 156.73 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 130.13 लाख टन था। हालांकि, सितंबर में देश के वनस्पति तेल आयात में पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 16.32 लाख टन से घटकर 15.52 लाख टन रह गया। एसईए ने एक बयान में कहा कि नवंबर 2022 और सितंबर 2023 के दौरान पाम उत्पादों का आयात तेजी से बढ़ा। हालांकि, सोयाबीन और अन्य तेलों के मुकाबले कच्चे पाम तेल के आयात को थोड़ा झटका लगा, जो इस साल सितंबर में कुल 7.05 लाख टन रहा, जो पिछले महीने के 8.24 लाख टन से कम है।

अडानी ग्रुप के लिए मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ती जा रही हैं

मिनिस्ट्री कर रही मुंबई के दो एयरपोर्ट के खाते की जांच

एजेंसी। नई दिल्ली

अडानी ग्रुप के लिए मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ती जा रही हैं। अडानी एंटरप्राइजेस ने जानकारी दी है कि कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय मुंबई में स्थित अडानी ग्रुप के दो एयरपोर्ट्स के खातों की जांच कर रहा है। इससे पहले ही खबरें सामने आई थीं कि सेबी एक विदेशी फंड और अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स के बीच संबंधों को लेकर जांच आगे बढ़ा रहा है। शेयर बाजार को भेजी जानकारी में अडानी एंटरप्राइजेस ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेस की स्टेप डाउन सब्सिडियरी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के रीजनल डायरेक्टर

हैदराबाद से 6 अक्टूबर को (12 अक्टूबर को प्राप्त हुआ) एक पत्र मिला है। इसमें बुक ऑफ अकाउंट और अन्य दस्तावेजों की जांच शुरू किए जाने की बात कही गई है। कंपनी के मुताबिक एमआईएएल और एनएमआईएएल का अधिग्रहण 2021-22 में किया गया था। मंत्रालय के द्वारा जो भी जानकारी या दस्तावेज मांगे गए हैं उसमें से अधिकांश इससे पहले की अवधि यानि 2017-18 से 2021-22 की अवधि के बीच के हैं। कंपनी नियमों के अनुसार इनका जवाब दे रही है। अडानी ग्रुप फिलहाल हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद उठे आरोपों में कई जांच का सामना कर रहा है। सेबी भी मामले में जांच कर रही है। हाल में आई रॉयटर्स की सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी अडानी ग्रुप और गल्फ एशिया ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट के बीच संबंधों की जांच कर रही है। जनवरी में आई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि ऑफशोर शैल कंपनियों के जरिए शेयरों के मूल्यों को प्रभावित किया गया है। वहीं खबरें हैं कि गल्फ एशिया ने भी ग्रुप की कंपनियों में निवेश किया है। अब सेबी जांच रही है कि क्या इस फंड के जरिए हुई किसी डील में शेयर ओनरशिप नियम का उल्लंघन तो नहीं किया जा रहा है।

सौंध ने रांची में अपना पहला रिटेल स्टोर किया लॉन्च

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रोजमर्रा के किफायती लक्जरी लेबल- सौंध ने रांची में अपने पहले रिटेल स्टोर का लॉन्च किया है, यह देश में सौंध का 32वां एक्सक्लुजिव आउटलेट है। इस मार्केट के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सौंध ने मॉल ऑफ रांची, कुम्हारतोली में यह नया स्टोर खोला है जो उपभोक्ताओं के लिए वन स्टॉप शॉप की भूमिका निभाएगा। 900वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल में फैले इस स्टोर को आकर्षक इंटीरियर से सजाया गया है, जहां ब्राण्ड का वाइब्रेन्ट कलेक्शन उपलब्ध है। इस स्टोर में सौंध की ओर से वुमेन्स एवं मैन्स रेडी-टू-वियर परिधानों की सम्पूर्ण रेंज उपलब्ध होगी। इनमें कुर्ता सेट, ड्रैसेज, काफ्तान, टॉप एवं ट्यूनिक, जैकेट, फेस्टिव बंदीज आदि शामिल है। इस लॉन्च पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सरबजीत सलूजा, संस्थापक एवं सीईओ, सौंध ने कहा, रांची में सौंध का पहला स्टोर खोलते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है जो बेहतरीन फैशन को आपके करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। हमें खुशी है कि हमें सदाबहार भव्यता के इस जुनून को रांची के साथ बांटने का मौका मिल रहा है। यह स्टोर का संचालन फ्रेंचाइजी पार्टनर शुभम लढ़ा एवं खुशबू गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।अब तक सौंध रायपुर, सिलिगुड़ी, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और जयपुर सहित भारत के 20 शहरों में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर चुका है।

एप्पल फेस्टिव सेल आज से होगी शुरू

आईफोन पर मिलेगा बेहतर डिस्काउंट

एजेंसी। नई दिल्ली

एप्पल की फेस्टिवल सेल 15 अक्टूबर से शुरू होगी। सेल में आई फोन मैक्स एयर पोड्स और आईपोड्स सहित एप्पल उत्पादों की एक श्रृंखला पर छूट मिलने की उम्मीद है। एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट पर टिकर है जिसमें कहा गया है कि फेस्टिव सेल की बिक्री 15 अक्टूबर से शुरू हो रही है। साथ ही, प्रचार ईमेल ने भी पुष्टि की है कि बिक्री जल्द ही शुरू होगी। फेस्टिव सीजन सेल भारत में एप्पल के लिए साल की सबसे बड़ी सेल में से एक है। कंपनी आमतौर पर इस अवधि के दौरान अपने सभी उत्पादों पर छूट प्रदान करती है। पिछले वर्षों में, एप्पल ने आईफोन की खरीद पर मुफ्त एयर पोड्स की पेशकश की थी। इस साल, एप्पल द्वारा अपने नवीनतम उत्पादों पर समान छूट/सौदे की पेशकश करने की उम्मीद है, जिसमें आईफोन 15 सीरीज और एम 2 मैकबुक एयर शामिल हैं। कंपनी अपने पुराने प्रोडक्ट्स जैसे आईफोन 13, आईफोन 14 और एम1 मैक बुक एयर पर भी छूट दे सकती है। छूट के अलावा, एप्पल द्वारा फेस्टिव सीजन सेल के दौरान एक्सचेंज बोनस और बैंक ऑफर

भी पेश किए जाने की उम्मीद है। एप्पल एयर पोड्स पर फ्री एन्ग्रेविंग जैसे ऑफर मिल सकते हैं। एक्सचेंज बोनस ग्राहकों को और भी अधिक पैसे बचाने में मदद कर सकता है, जब वे एक नया एप्पल उत्पाद खरीदते हैं और अपने पुराने उत्पाद को एक्सचेंज करते हैं। बैंक ऑफर ग्राहकों को उनकी खरीदारी पर छूट या कैशबैक प्रदान कर सकते हैं। एप्पल एक्सेसरीज, जैसे केस, कवर और चार्जर पर ऑफर हो सकते हैं। ऐप्पल फेस्टिव सीजन सेल की तैयारी कैसे करें, इसके बारे में यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं। अपना शोध करें और तय करें कि आप कौन से एप्पल उत्पाद खरीदना चाहते हैं। सर्वोत्तम सौदे खोजने के लिए विभिन्न वेबसाइटों और ऐप्स पर कीमतों की तुलना करें। बिक्री घोषणाओं और प्रोमो कोड के लिए सोशल मीडिया पर नजर रखें।

डिपॉजिटर्स को लुभाने के लिए 3 बैंकों ने बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली। लोगों से बैंकों में ज्यादा पैसा डिपॉजिट कराने के लिए तीन बैंकों ने नई तिमाही के दो सप्ताह के भीतर कुछ मैच्योरिटी अवधि की डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस पैसे का इस्तेमाल कर्जदारों को कर्ज देने के लिए किया जाएगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 साल तक की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरें 50 आधार अंक तक बढ़ा दी हैं। इसका मतलब यह है कि अगर आप 3 साल तक के लिए पैसा डिपॉजिट करते हैं तो आपको अपनी एफडी पर ज्यादा ब्याज मिलेगा। यह ऑफर निवासी और अनिवासी भारतीयों दोनों के लिए उपलब्ध है। नई दरें 2 करोड़ रुपए से कम की डिपॉजिट पर लागू होती हैं और 9 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी हैं। पुणे स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र (इडट) ने कुछ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में 125 आधार अंकों तक की बढ़ोतरी की है।

16 साल की भारतीय लड़की ने कर दिया कमाल

खड़ी कर डाली 100 करोड़ की कंपनी

एजेंसी। नई दिल्ली

जिस उम्र में कोई फ्यूचर को लेकर भी फैसला नहीं ले पता है, उस उम्र में एक 16 साल की लड़की ने बड़ी कंपनी खड़ी कर दी। 16 साल की एक भारतीय लड़की अपने स्टार्टअप डेल्व एआई के साथ एआई की दुनिया में एक पहचान बना रही हैं। बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रांजली अवस्थी ने 2022 में डेल्व एआई को शुरू किया था। इस स्टार्टअप की कीमत पहले से ही 100 करोड़ रुपये (12 मिलियन डॉलर) है और हाल ही में मियामी टेक वीक में लोगों को इसने प्रभावित किया है। 16 साल की उम्र में अवस्थी के पास 10 लोगों की छोटी टीम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बिजनेस की दुनिया में कदम रखने के लिए प्रांजली अवस्थी के पिता ने बहुत मदद की। जब उन्होंने कोडिंग शुरू की तो वह सिर्फ 7 साल की थीं। 11 साल की उम्र में उनका परिवार

भारत से फ्लोरिडा चला गया और यहां पर बिजनेस के नए अवसर खुल गए। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की अनुसंधान प्रयोगशालाओं में इंटर्नशिप से इन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा। जब उसने इंटर्नशिप शुरू की तब वह 13 वर्ष की थी। वह समय था जब चैटजीपीटी-3 बीटा अभी जारी हुआ था। इसी दौरान डेल्व एआई का विचार अवस्थी के मन में आया था। इसके बाद हाई स्कूल की छात्रा को बैकएंड कैपिटल के लुसी गुओ और डेव फोंटेनोट के लीडरशिप में

जब उन्होंने कोडिंग शुरू की तो वह सिर्फ 7 साल की थीं। 11 साल की उम्र में उनका परिवार भारत से फ्लोरिडा चला गया और यहां पर बिजनेस के नए अवसर खुल गए

मियामी में एक एआई स्टार्टअप एक्सेलेरेटर प्रोग्राम में इस बिजनेस को एक्सेप्ट किया गया, जिसके बाद इनकी बिजनेस यात्रा शुरू हो गई। बिजनेस टुडे के अनुसार, उनकी डेल्व एआई को प्रोडक्ट हंट पर भी लॉन्च किया गया। गौरतलब है कि एक्सेलेरेटर प्रोग्राम ने अवस्थी को ऑन डेक और विलेज ग्लोबल से निवेश सुरक्षित करने में भी मदद की है। कंपनी ने फंडिंग में 450,000 डॉलर (लगभग 3.7 करोड़ रुपये) जुटाए और आज इसका मूल्य 100 करोड़ रुपये है।

विदेश

बाइडेन ने हमास को बताया अलकायदा से ज्यादा खूंखार

नेतन्याहू गाजा पर हमले तेज करने के लिए तैयार

एजेंसी। युरूशलम

इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग का शनिवार (14 अक्टूबर) को आठवां दिन है। इजरायल की तरफ से लगातार गाजा पट्टी पर बम गिराए जा रहे हैं। हमास के एरियल ऑपरेशन को संभालने वाले प्रमुख सैन्य कमांडर को इजरायली एयरस्ट्राइक में ढेर कर दिया गया है। इजरायली सेना ने बताया कि मुराद अबु मुराद को हमास के उस ठिकाने पर ढेर किया गया, जहां से वह एरियल गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इजरायल के गाजा के उत्तरी हिस्से को खाली करने के आदेश के बाद बड़ी संख्या में फलस्तीनियों ने गाजा के दक्षिणी हिस्से की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। लोगों के हटने के बाद जमीनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कुल मिलाकर 11 लाख लोगों को उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा जाना पड़ रहा है। वहीं, हमास ने लोगों से कहा है कि उन्हें पलायन करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आइए जानते

हैं कि इजरायल-हमास युद्ध के आठवें दिन अब तक क्या-क्या हुआ है। इजरायल गाजा पट्टी के उत्तर में मौजूद गाजा सिटी में अपनी सैन्य कार्रवाई पर फोकस कर रहा है। वह लगातार हमास के खिलाफ अपने हमले तेज कर रहा है। इजरायली डिफेंस फोर्स के प्रवक्ता जॉनथन कोनरिकस ने कहा, 'गाजा सिटी वो जगह है, जो हमास की गतिविधियों का हब है। हमारा ध्यान यहीं है। यही वजह जगह है, जहां हमास के ज्यादातर कमांडर छिपे हुए हैं। अरबी में दिए मैसेज में इजरायल डिफेंस फोर्स ने उत्तरी गाजा के लोगों से कहा कि उन्हें निकासी कोरिडोर के जरिए सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक दक्षिणी हिस्से की ओर बढ़ जाना चाहिए। इजरायली सेना ने कहा कि अगर आप खुद से या फिर अपने प्रियजनों से प्यार करते हैं, आपको दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया जाता है। हमास के नेताओं का ख्याल वो खुद रख रहे हैं और वह खुद छिप कर बैठे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार हमास के खिलाफ अप्रत्याशित ताकत के साथ हमला करने के लिए तैयार है। अब तक गाजा में जवाबी कार्रवाई में 1900 लोगों की मौत हुई है। इजरायल की तरफ से लगातार हमास के ठिकानों को निशाना बनाने के लिए एयरस्ट्राइक की जा रही है। गाजा पर इजरायल ने अब तक 6000 से ज्यादा बम गिराए हैं। इजरायली सेना ने शनिवार को लेबनान के रास्ते सीमा पार कर देश में घुसने की कोशिश कर रहे कई आर्तकियों को मार गिराया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

आजादी का अमृत महोत्सव

कार्यालयः– नगर पंचायत मझिआँव

E-mail :- nagarpanchayatmanzhiaon@gmail.com

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वन पार्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा अधिसुचित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के नियम 4(2) के द्वारा 1 जुलाई 2022 से पोलीस्टाइरीन और विस्तारित पोलीस्टाइरीन वस्तुओ सहित निम्नलिखित एकल प्रयोग– प्लास्टिक (Single Use Plastic) वस्तुओ की विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

(क) प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयरबड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की डंडिया, प्लास्टिक के झडें, कँडीस्टिक, आईस्क्रीम की डंडिया, पोलास्टाईरीन (थर्मोकाल) की सजावटी समाग्री।

(ख) प्लेटे, कप, गिलास, कांटे–चम्मच, चाकु स्ट्रॉ, ट्रे जैसे कटलरी मिठाई के डिब्बों के इर्द–गिर्द फेंकने या पैंक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैकेट, 100 माईक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर, स्टिकर।

ज्ञातव्य हो कि प्लाटिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 के प्रावधान के अन्तर्गत 30 सितम्बर 2021 से 75 microns से कम thickness एवं 31 दिसम्बर 2022 से 120 microns से कम thickness के प्लास्टिक कैरीबैग के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, बिक्री एवं उपयोग को प्रतिबंधत किया गया है।

अतः सूचित किया जाता है कि प्लास्टिक के स्थान पर जूट, कागज व कपड़े के थैलों या अन्य Bio-Degradable विकल्पों का उपयोग करें। थर्मोकोल से बनी थाली एवं प्लेट में भोजन करने से कैंसर जैसे विविध असाध्य बिमारीयों के होने की प्रबल संभावना रहती है, इसलिए इसके स्थान पर साल वृक्ष आदि के पत्तों से निर्मित पत्तल एवं प्लेट का उपयोग किया जाय तथा सरकार की प्लास्टिक मुक्त मुहिम में सहयोग करें। उपरोक्त प्रतिबधित सामग्री के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री या उपयोग करते हुए पाये जाने पर उपयोगकर्त्ता दुकानदार एवं अन्य व्यपारी वर्ग के विरूद्ध प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 तथा नगरपालिका अधिनियम 2011 की सुसंगत धाराओं के तहत् आर्थिक दंड के साथ–साथ विधि सम्मत कडी कार्रवाई की जाएगी।

विश्वासभाजन
कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर पंचायत मझिआँव।

PR 309137 (Urban Development) 23-24 (D)

युद्ध का असर — इजराइल और फलस्तीन के युद्ध से महंगाई बढ़ने का आसार

स्मार्ट टेलीविजन और वाशिंग मशीन की बढ़ेगी कीमत

एजेंसी। युरूशलम

इजराइल और फलस्तीन के बीच तेजी से युद्ध बढ़ने और ईरान, लेबलान जैसे देशों के इस वार में शामिल होने की आशंका के कारण भारत में लोगों को और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि रूस और युक्रेन वार की वजह से ग्लोबल स्तर पर गेहूं, चावल और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमत में इजाफा देखा गया था। अब इजराइल और फलस्तीन के युद्ध से ग्लोबल कच्चे तेल की आपूर्ति लोगों के घर का बजट बिगाड़ सकती है। इससे जुड़े प्रोडक्ट के दाम में तेज इजाफा होने की आशंका है। पिछले सप्ताह के दौरान कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और इसके दाम में इजाफा हुआ था। विगत शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर बढ़कर 87 डॉलर प्रति

बैरल के करीब पहुंच गया था। आशंका है कि ईरान भी इस वार में शामिल हो सकता है। ईरान कच्चा तेल का प्रमुख उत्पादक देश है। ऐसे में आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में कच्चे तेल पर निर्भर प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ सकते हैं। बिजनेस टूडे के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का मानना है कि युद्ध अगर कुछ और दिनों तक जारी रहता है तो जीवाश्म ईंधन पर निर्भर वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि स्मार्ट टेलीविजन, वॉशिंग मशीन और अन्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की संभावना है। भारतीय मार्केट में त्योहारी सीजन के लिए इन चीजों के स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, जिस कारण इनकी कीमतें

ईरान कच्चा तेल का प्रमुख उत्पादक देश है। ऐसे में आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं

स्थिर रहेंगी। हालांकि इसके बाद वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। कच्चे माल की सप्लाई प्रभावित होने से प्लास्टिक और अन्य वस्तुओं के दाम में इजाफा हो सकता है। डेली यूज वाली वस्तुओं पर भी युद्ध का असर देखने को मिल सकता है। एफएमसीजी सेक्टर की वस्तुओं के दाम में इजाफा देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि देश में एफएमसीजी कंपनियां पहले से ही कम डिमांड से जूझ रहे हैं।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं०-02, गढ़वा

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GARHWA/12/2023-24

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टिफिकेसन न०0
1	गढ़वा जिला के सदर प्रखण्ड में ग्राम–चिरौजिया, पंचायत–चिरौजिया में सरस्वतीया नदी पर क्षतिग्रस्त पुल का नव निर्माण कार्य।	2,11,85,378.00	4,23,800.00	10000.00	15 माह	RDD/SD/GARHWA/12/23-24/Gr.-1
2	गढ़वा जिला के रंका प्रखण्ड अंतर्गत चुटिया पंचायत में पुराना पानी टोला में कोरवा धियार नाला पर पुल निर्माण कार्य।	1,80,28,679.00	3,60,600.00	10000.00	15 माह	RDD/SD/GARHWA/12/23-24/Gr.-2

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 17.10.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 17.10.2023 से दिनांक 26.10.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सं०–02,गढ़वा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय–27.10.2023 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सं0–02,गढ़वा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7004019730 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं०–02, गढ़वा

PR 309176 Rural Development (23-24)_D

एक नजर इधर भी

डॉ. कलाम के विचार प्रभावित करते है बारंबार

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को जन्मे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् और देश के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डॉ. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल रही है। वह देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। युवा पीढ़ी को दिये गये उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी तो देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए वह अकसर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किये गये महान कार्यों को देखते हुए ही सन 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डॉ. कलाम की जयंती पर 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डॉ. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत हों क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंग' और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की। सादगी की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी डॉ. कलाम आम लोगों से मिलते रहे। राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी डॉ. कलाम अपने बचपन के दोस्तों को भी नहीं भूले। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डॉ. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा। जिस समय डॉ. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डॉ. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई। उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी करुणा और दयाभाव विद्यमान था। डॉ. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डॉ. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाइज हाउ आर यू', जिस पर सृजन पाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डॉ. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े।

■ **योगेश कुमार गोयल**

समाजवाद के सच्चे प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन भगवान राम के वंशज और भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे। वे राजा राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी की संतान थे। महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्ता (कर्मयोगी) थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनाया जिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया। उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्र रक्षा केवल क्षत्रियों-योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे। महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। जिन्होंने प्रजा की भलाई के लिए वणिक धर्म अपना लिया था। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके।

उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है। महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है। उन्होंने परिश्रम और उद्योग से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर वैश्य जाति को व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर आत्म-रक्षा के लिए शस्त्रों के उपयोग की शिक्षा पर भी बल दिया। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किये। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और नये आदर्श स्थापित किये। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। कहते हैं कि एक बार अग्रोहा में बड़ी भीषण आग लगी। उस पर किसी भी तरह काबू ना पाया जा सका। उस अग्निकांड से हजारों लोग बेघरवार हो गये और जीविका की तलाश में भारत के विभिन्न प्रदेशों में जा बसे। पर उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। वे सब आज भी अग्रवाल ही कहलवाना पसंद करते हैं और उसी 18 गोत्रों से अपनी पहचान बनाये हुए हैं। आज भी वे सब महाराज अग्रसेन द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण कर समाज की सेवा में लगे हुए हैं। वैसे महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होंने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 को भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रुपये में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा, जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया।

इन दिनों

रमेश सर्राफ धमोरा

प्रधानमंत्री मोदी, नया भारत सुदृढ़ मध्यपूर्व नीति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर अपनी सुदृढ़ विदेश नीति का परिचय दिया है। उन्होंने इजरायल पर आतंकवादी संगठन हमास के हमले को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि इस संकट के समय भारत, इजरायल के साथ है। वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी का निर्णय राष्ट्रीय हित और भारतीय विरासत के अनुरूप है। इजरायल, चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत का खुला समर्थन कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इजरायल ने भारत का साथ दिया है। उसने यहां तक कहा था कि भारत यदि चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करेगा तो इजरायल पूरी सहायता देगा। हमास के हमले के समय भारत ने इजरायल के प्रति जो सहानुभूति दिखाई, वह नैतिक रूप से उचित है। वैसे भी भारत ने सदैव आतंकवाद का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति बनाने का प्रस्ताव मोदी ने ही किया था। जब से प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की कमान संभाली है, तब से आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले कार्यकाल में ही इजरायल और अरब देशों के साथ संबंध बेहतर बनाने पर ध्यान दिया। यह नीति कारगर साबित हुई। मोदी के सौर ऊर्जा प्रस्ताव को भी अरब देशों का समर्थन मिल चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ में उनके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अरब देश भी स्वीकार कर चुके हैं। इस दिन वहां भी बड़े पैमाने पर योग के कार्यक्रम होते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि कश्मीर भारत का हिस्सा है। यही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की थी। आज इजरायल, भारत का बड़ा सहयोगी बनकर उभरा है। अरब देश भी मोदी की नीतियों के मुरीद हुए हैं। मोदी की मध्यपूर्व नीति की बड़ी सफलता यह भी है कि उन्होंने अरब मुल्कों और इजरायल के साथ दोस्ती को मजबूत किया। इसके पहले कांग्रेस की सरकारों में इजरायल से दोस्ती को लेकर बड़ा संकोच था। उन्हें लगता था कि इजरायल से दोस्ती मुस्लिम देशों को नाराज कर देगी। मगर मोदी ने इसकी परवाह नहीं की। साहस दिखाया। अरब और इजरायल दोनों से संबंध बेहतर बनाकर दिखा दिया। वैसे भी दुनिया में अगर शांति, सौहार्द कायम करना है, मानवता को सुरक्षित रखना है तो आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति बनानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इजरायल ने भारत का साथ दिया है। उसने यहां तक कहा था कि भारत यदि चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करेगा तो इजरायल पूरी सहायता देगा। हमास के हमले के समय भारत ने इजरायल के प्रति जो सहानुभूति दिखाई, वह नैतिक रूप से उचित है।

आतंकवाद अब किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं है। यह सारी दुनिया के लिए खतरा है। अब जरूरत इस बात की भी है कि आतंकवाद को संरक्षण और वित्तीय सहायता देने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाये। भारत का रुख इस पर बिलकुल साफ है। ओआईसी के सदस्य देश भी इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। आतंकवाद शांति और सद्भावना को कमजोर करता है। साल 1988 में यासिर अराफात ने मध्यपूर्व में इजरायल के अस्तित्व को मान्यता देते हुए स्वतंत्र फिलिस्तीन निर्माण की नीति घोषित की थी। इसके बाद ही समाधान की संभावना दिखाई दी थी। किंतु इस नीति के विरोध में हमास की गतिविधियां बढ़ीं। वह लगातार क्रूर होता गया। अब तो उसने सारी हद पार कर दी है। मध्यपूर्व में यहूदी राष्ट्र के अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। यह सच है कि अल अक्शा मस्जिद से मुसलमानों की आस्था जुड़ी है। मगर यह भी सत्य है कि यहूदियों की आस्था यहां के टेंपल माउंट से जुड़ी है। दावा है कि यहां उनके दो प्राचीन पूजा स्थल हैं। पहले को किंग सुलेमान ने बनवाया था। बेबीलोन्स ने इसे तबाह कर दिया था। फिर उसी जगह यहूदियों का दूसरा मंदिर बनावाया गया, जिसे रोमन साम्राज्य ने नष्ट कर दिया। इसका उल्लेख बाइबिल में भी बताया जाता है। जाहिर है कि इजरायल का दावा सर्वाधिक प्राचीन है। इस समय यहां इजरायल का कब्जा है। यरुशलम में ईसाइयों का द चर्च ऑफ द होली सेपल्कर है। मान्यता है कि ईसा मसीह को यहीं सूली पर चढ़ाया गया था। यहीं प्रभु यीशु के पुनर्जीवित हो उठने वाली जगह भी है। 1967 के युद्ध में इजराइल ने पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। पूरे यरुशलम को ही वह अपनी राजधानी मानता रहा है। फिलिस्तीनी भी इसे अपनी भावी राजधानी के रूप में देखते हैं। इजराइल का वर्तमान भू-भाग कभी तुर्किये के अधीन था। तुर्किये का वह साम्राज्य ओटोमान कहलाता है। जब 1914 में पहले विश्व युद्ध के दौरान तुर्किये के मित्र राष्ट्रों के खिलाफ होने से तुर्किये और ब्रिटेन के बीच युद्ध हुआ। ब्रिटेन ने युद्ध जीतकर ओटोमान साम्राज्य को अपने अधीन कर लिया। जियोनिज्म विचार के अनुसार यहूदियों ने अपनी मूल व मातृभूमि को पुनः हासिल करने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपनी स्थापना के दो वर्ष बाद फिलिस्तीन को दो हिस्सों में बांटने का निर्णय लिया था।

■ **डॉ दिलीप अग्निहोत्री**

है न विचित्र बात !

अशोक कुमार की शराब व शतरंज में पहली हार

हर साल 13 अक्टूबर को हिंदी सिनेमा के पहले स्टार अशोक कुमार की जयंती मनाई जाती है। कोलकाता में कानून की पढ़ाई कर रहे अशोक कुमार का फिल्मों में आना एक संयोग ही था। वह अपने जीजा शशधर मुखर्जी से मिलने बंबई (अब मुंबई) गये थे। उनके जीजा बॉम्बे टॉकीज में साउंड रिकॉर्डिस्ट थे। नौकरी दिलाने के उद्देश्य से वे उन्हें बॉम्बे टॉकीज के मालिक हिमांशु राय से मिलाने ले गये। अशोक कुमार तब निर्देशक बनना चाहते थे किंतु हिमांशु राय ने यह कहकर कि अच्छे निर्देशक होने के लिए पहले अभिनेता बनना जरूरी है, उन्हें अपने जर्मन निर्देशक फ्रैंज ऑस्टिन से मिलने भेज दिया। फ्रैंज ऑस्टिन ने उन्हें पहली नजर में ही रिजेक्ट कर दिया। बीएससी होने के कारण शशधर ने पहले सहायक कैमरामैन फिर सहायक फिल्म संपादक और लैब टेक्नीशियन बनाकर बॉम्बे टॉकीज में ही रख लिया। एक दिन जीवन नैय्या फिल्म का हीरो अचानक गायब हो गया तो उन्हें हीरो बनकर कैमरे के आगे खड़ा कर दिया गया और यहीं से अशोक कुमार की फिल्म जीवन की नाव चल पड़ी। इसी दौरान देविका रानी के साथ बनी अछूत कन्या फिल्म ने देशभर में धूम मचा दी। इसमें उनका गाया हुआ गाना 'मैं वन की चिड़िया बनके वन-वन बोलूं रे ... बहुत लोकप्रिय हुआ। उसके बाद तो बॉम्बे टॉकीज की कई हिट फिल्में उनके नाम रहीं जैसे वचन, कंगन, बंधन, झूला, किस्मत, चल चल रे नौजवान आदि। हिमांशु राय की मृत्यु के बाद 1947 से 1949 तक अशोक कुमार ने बॉम्बे टॉकीज को चलाने के लिए दूसरे बैनर की फिल्में नहीं की। इस दौरान मजबूर, जिद्दी, महल, मुकद्दर, मां , मशाल, तमाशा और संग्राम जैसी सफल फिल्मों का निर्माण हुआ। लेकिन वहां के अकाउंटेंट की धोखाधड़ी से कंपनी घाटे में रही। 1953 में उन्होंने बॉम्बे टॉकीज छोड़ दी और अपनी एक फिल्म कंपनी फिल्मिस्तान का निर्माण किया। किशोर साहू जो अपने समय के प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता-निर्देशक थे ने अशोक कुमार के साथ का एक किस्सा बड़े रोचक ढंग से अपनी आत्मकथा में लिखा है। किशोर साहू, अशोक कुमार से पहली बार बॉम्बे टॉकीज में जब मिले तब वह काम की तलाश में वहां पहुंचे थे। यह पहली मुलाकात उस आम के पेड़ के नीचे हुई जिसकी डाली पर बैठकर अशोक कुमार और देवका रानी पर अछूत कन्या का गाना मैं वन की चिड़िया...फिल्माया गया था। अशोक कुमार के साथ उन्होंने सावित्री फिल्म में चित्रकार का एक छोटा सा रोल भी किया। आगे अशोक कुमार के जीजा शशधर मुखर्जी ने उनको एक मकान किराये पर दिलाया जो की मान बाग के नाम से प्रसिद्ध था बॉम्बे टॉकीज के स्टूडियो के नजदीक था। तभी किशोर साहू को वहां की फिल्म जीवन प्रभात में हीरो का रोल मिला। उस दौरान अशोक कुमार लंबी छुट्टी लेकर खंडवा आराम करने चले गये थे । 22 अक्टूबर को किशोर साहू का जन्मदिन होता है उस दिन अशोक कुमार ने उनसे कहा कि चलो साहू आज बंबई चलकर तुम्हारा जन्मदिन मनाते हैं। दोनों लोकल ट्रेन लेकर मलाड से बंबई पहुंचे। वीटी स्टेशन पर उतरकर उन लोगों ने एम्पायर थियेटर में अंग्रेजी फिल्म देखी और फिर अशोक कुमार के कहने पर एम्पायर रेस्त्रां में चले गये। इससे पहले न किशोर साहू ने और न अशोक कुमार ने कभी शराब पी थी। अशोक कुमार के पूछने पर की क्या पीना है उन्होंने ब्रांडी का नाम लिया। अशोक कुमार भी ब्रांडी पीने को तैयार हो गये। दोनों ने एक-एक पैग ब्रांडी पी और साथ में मूंगफली और नमकीन चिप्स खाये। आधे घंटे बाद जब दोनों महात्मा गांधी रोड (उस समय हॉर्नबी रोड) पर निकले तो विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन के भारी भरकम घड़ी के कांटे उन दोनों को धुंधले दिखाई दे रहे थे, कदम डगमगा रहे थे।

■ **अजय कुमार शर्मा**

अस्तित्व को मां रूप में देखना आनंददायी

देवी उपासना के उल्लासधर्मा उत्सव चल रहे हैं। यह प्रकृति की आराधना है। प्रकृति मां है। हम सब इसी के अंश हैं, इसी में पलते हैं। प्रकृति गर्भ से अरबों जीव आ चुके। प्रतिपल आ रहे हैं। सतत अविरल। पुनर्नवा। फूल, फल वनस्पति, प्राणी। प्रश्न उठते हैं कि बार-बार क्यों होता है ऐसा सृजन? वैसी ही नन्ही चिड़िया, गाय का निर्दोष बछड़ा। निष्कलुष, अनासक्त, लोभ मुक्त शिशु। जीवन अद्वितीय है। मां का ही प्रसाद है। प्रकृति सृजनरत है। यह संभवतः कोई गीत रच रही है-अनंतकाल से। अपूर्ण गीत को फिर-फिर संशोधित करती है। छन्दबद्ध करती है। लय देती है। प्रकृति लालित्य रस से भरी-पूरी है। सृजन रहस्यपूर्ण है 'ऊधो कहि न जाय का कहिये देखत अति विचित्र रचना यह समुझि मनै मन रहिये।' यह जीर्ण शीर्ण को निरस्त करती है बार-बार। फिर नूतन प्रवाह और बार-बार सृजन। प्रकृति माता है। हम सबको सींचती है प्रतिपल। वनस्पतियां आकर्षित करती हैं। वे हमारी प्राण ऊर्जा की पूरक हैं। कीट पतंग विविध परिधान में घूमते हैं। प्रकृति दशों दिशाओं से अनुग्रह की वर्षा करती है। हमारा अनुगृहीत भाव स्वाभाविक है। यहां समूची प्रकृति के प्रति धन्यवाद भाव है। वह हमारी माता है। दिव्यता के कारण देवी है। जननी होने के कारण माता है। यह जीवन प्रकृति का ही उपहार है। प्रकृति का पोषण, संवर्द्धन मां की ही सेवा है। व्रत आदि आस्था के विषय हैं। मुख्य बात है-प्रकृति में मां देखने की अनुभूति। यह अनुभूति 'सर्वभूतेषु मातृरूपेण' प्रतीति है। प्रकृति स्वयंभू है,सदा से है। सभी रूप प्रकृति के ही रूप हैं। प्रकृति को मां देखते ही हमारी जीवनदृष्टि बदल जाती है। हम अपनी सुविधा के लिए उन्हें अनेक नाम देते हैं। दुर्गा, काली, सरस्वती, शाकम्भरी, महामेधा, कल्याणी, वैष्णवी, पार्वती आदि आदि। नाम स्मरण आंतरिक बोध में भी सहायक हैं। मूलभाव है-मां। या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये नमो नमः। प्रकृति को दिव्य मां देखना अंधविश्वास का प्रश्न नहीं। प्रकृति अखण्ड इकाई है। इस अखण्ड इकाई का नाम क्या रखें? नाम रखते ही रूप का ध्यान आता है। रूप की सीमा है। प्रकृति अनंत है। असीम और अव्याख्येय। इसे मां कहने में आह्लाद है। सम्प्रति भारत का मन भावप्रवण है। भावप्रवण चित्त में ही शिवसंकल्प उगते हैं। दुनिया का सारा सुन्दर भावप्रवण लोगों ने गढ़ा है। सुन्दर काव्य या सुन्दर ऊक्त-सूक्त। कला सहित सारे सृजन। प्रकृति प्रत्यक्ष भाव बोध में माता है। माता देवी है। देवी माता है। देवी उपासना मां और संतान के अविभाज्य और अनिवर्चनीय प्रेम का चरम है। दुर्गा सप्तशती में भी यही अनुभूति है। यह मां सर्वभूतेषु उपस्थित है। मां मां है। मां न स्त्री है और न पुरुष। वह देवी है, दिव्य है, देवता है। प्रणम्य है। मां उपासना वैदिक काल से भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं ही। इडा, सरस्वती और मही भी माता हैं, ये तीन देवियां कही गयी हैं-इडा, सरस्वती, मही तिस्रो देवीर्मयो भुव।' (1.13.9) एक मंत्र (3.4.8) में 'भारती को भारतीभिः कहकर बुलाया गया है-आ भारती भारतीभिः।' मां हरेक क्षण स्तुत्य है। दुख और विषाद में मां आश्वस्तिदायी है तो प्रसन्नता और आह्लाद में भी मां की उपस्थिति जरूरी है। इसलिए 'भारती' को नेह-न्योता है। भारतीभिः भरतजनों की इष्टदेवी हैं। ऋग्वेद में ऊषा भी देवी हैं। एक सूक्त (1.124) में 'ये ऊषा देवी नियम पालन करती हैं। नियमित रूप से आती हैं।' (वही मन्त्र 2) ऊषा, 'सबको प्रकाश आनंद देती हैं। अपने पराए का भेद नहीं करतीं।' (वही, 6) सबको समान दृष्टि से देखती हैं। ऋग्वेद में जागरण की महत्ता है। इसलिए 'सम्पूर्ण प्राणियों में सर्वप्रथम ऊषा ही जागती हैं।' (1.123.2) प्रार्थना है कि 'हमारी बुद्धि सत्कर्मों की ओर प्रेरित करे।' (वही, 6) ऊषा सतत प्रवाह है। आती हैं, जाती हैं फिर फिर आती हैं। जैसी आज आई हैं, वैसे ही आगे भी आयेंगी।' ऋग्वेद में मन की शासक देवी का नाम 'मनीषा' है। मनीषा और प्रज्ञा पर्यायवाची हैं। ऋषि आवाहन करते हैं 'प्र शुकैतु देवी मनीषा'। (7.34.1) ऋग्वेद में श्रद्धा भी एक देवी हैं, 'श्रद्धा प्रातर्हवामहे, श्रद्धा मध्यंदिन परि, श्रद्धां सूर्यस्य निम्रुचि श्रद्धे श्रद्धापयेह नः'-हम प्रातःकाल श्रद्धा का आह्वान करते हैं, मध्यान्ह में श्रद्धा का आह्वान करते हैं, सूर्यास्त काल में श्रद्धा की ही उपासना करते हैं। हे श्रद्धा हम सबको श्रद्धा से परिपूर्ण करें। (10.151.5) श्रद्धा प्रकृति की विभूतियों में शिखर है-श्रद्धां भगस्तय मूर्धनि। (10.151.1) ऋग्वेद में जल को भी मां देखा गया है। वे 'जल माताएं' आपः मातरम हैं और देवियां हैं। मां ही जन्म देती है। मां नहीं तो सृष्टि विकास नहीं। ऋग्वैदिक ऋषियों की अनुभूति में संसार के प्रत्येक तत्व को जन्म देने वाली यही आपः मातायें हैं-विश्वस्य स्थातुर्जगतो जनित्रीः (6.50.7) ऋग्वेद के बहुत बड़े देवता है अग्नि। इन्हें भी आपः माताओं ने जन्म दिया हैः तमापो अग्निं जनयन्त मातरः (10.91.6) ऋग्वेद में वाणी की देवी वाग्देवी (10.125) हैं। वाणी की शक्ति अपरिमित है। वाग्देवी (ऋग्वेद वाक्सूक्त 10.125) कहती हैं-'मैं रूद्रगणों वसुगणों के साथ भ्रमण करती हूं। मित्र, वरुण, इन्द्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मेरा स्वरूप विभिन्न रूपों में विद्यमान है। श्रवण, मनन, दर्शन क्षमता का कारण मैं ही हूं। मैं समस्त लोकों की सर्जक हूं आदि। वे 'राष्ट्री संगमनी वसूनां-राष्ट्रवासियों और उनके सम्पूर्ण वैभव को संगठित करने वाली शक्ति-राष्ट्री है'। (10.125.3) हम सबने भारत को भी भारत माता जाना। मां सर्वोत्तम अनुभूति है, प्रकृति की आदि अनादि अनुभूति। जीवन के हरेक स्पंदन में मां है। हम विराट का अंश है। मां भी विराट का अंश है। विराट अपने अंश हममें प्रकट करता है। मां को माध्यम बनाता है। हम 9 माह गर्भ में रहते हैं। मां की सांस हमारी सांस बनी रहती है। मां जागती रहती है, हम सो सकते हैं। वह सोई हो, तो भी हम जागते रह सकते हैं। गर्भ में हम ईर्ष्या राग द्वेष से मुक्त रहते हैं। भोजन, पानी और पोषण की चिन्ता से भी मुक्त। मां का गर्भ सर्वोत्तम सुरक्षा, सर्वोत्तम आनंद आश्रय और विकास के अवसर देता है। हम गर्भ से बाहर आते हैं, संसार में। उस समय मां असह्य और दुर्निवार व्यथा में होती है लेकिन हमारे संभवन को संभव बनाती है। वह हमारे होने, विकसित होने और सक्षम होने में अपनी भूमिका निभाती है। श्रीकृष्ण या श्रीराम को ईश्वर का अवतार कहा जाता है। वे भी मां के माध्यम से ही यहां आये। अस्तित्व को मां रूप में देखना आनंददायी है। हम पृथ्वी पुत्र हैं। पृथ्वी मां है। ऋग्वेद माता की गहन अनुभूति से भरापूरा है। ऋषि आनंद उल्लास और आश्वस्ति के हरेक प्रतीक में मां देखते हैं। पृथ्वी माता है। कहते हैं 'माता पृथ्वी धारक है। पर्वतों को धारण करती है, मेघों को प्रेरित करती है। वर्षा के जल से अपने अंतस ओज से वनस्पतियां धारण करती है।' ऋग्वेद में रात्रि भी एक देवी हैं 'वे अविनाशी-अमत्र्या हैं, वे आकाश पुत्री हैं, पहले अंतरिक्ष को और बाद में निचले-ऊचे क्षेत्रों को आच्छादित करती है।

प्रकृति लालित्य रस से भरी-पूरी है। सृजन रहस्यपूर्ण है 'ऊधो कहि न जाय का कहिये देखत अति विचित्र रचना यह समुझि मनै मन रहिये।' यह जीर्ण शीर्ण को निरस्त करती है बार-बार। फिर नूतन प्रवाह और बार-बार सृजन। प्रकृति माता है। हम सबको सींचती है प्रतिपल। वनस्पतियां आकर्षित करती हैं। वे हमारी प्राण ऊर्जा की पूरक हैं। कीट पतंग विविध परिधान में घूमते हैं। प्रकृति दशों दिशाओं से अनुग्रह की वर्षा करती है। हमारा अनुगृहीत भाव स्वाभाविक है। यहां समूची प्रकृति के प्रति धन्यवाद भाव है। वह हमारी माता है।

■ **हृदयनारायण दीक्षित**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट। - फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

नवरात्रि पर्व हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक

हिंदू धर्म अनेक त्योहारों, पर्वों, शास्त्रों और मान्यताओं वाला धर्म है। इसके हर एक पर्व और शास्त्र से कोई न कोई कथा या घटना जुड़ी हुई है। नवरात्रि के त्योहार का संबंध मां दुर्गा द्वारा महिषासुर दानव का वध करने की कथा से है। नवरात्रि हिन्दू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। नवरात्रि दो शब्दों से मिलकर बना है, नव यानी नया और रात्रि यानी रात। हिन्दू धर्म के सभी त्योहारों में जीवन जीने के आदर्शों का सार मिलता है। नवरात्रि का त्योहार भी ऐसे ही एक आदर्श का अर्थ बताता है। जब ब्रह्मा जी ने महिषासुर नामक राक्षस को वरदान दिया कि उसे कोई भी देव या दानव नहीं मार सकता तब वह न केवल पृथ्वी के लोगों पर अत्याचार करने लगा बल्कि उसने स्वर्ग में इंद्र का सिंहासन भी छीन लिया। उसके उत्पात से त्रस्त लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए त्रिदेव यानी ब्रह्मा जी, भगवान विष्णु और महादेव ने अपनी शक्तियों से मां दुर्गा की रचना की। देवी दुर्गा के दस हाथ थे जिसमें उन्होंने अलग-अलग शस्त्र धारण किए थे। देवी ने सिंह पर सवार होकर अपनी शक्तियों के साथ महिषासुर से 9 दिनों तक प्रचंड युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध कर दिया। शास्त्रों के अनुसार अश्विन यानी शारदीय नवरात्रि का संबंध इसी कथा से है। वैसे तो नवरात्रि का त्योहार साल में चार बार आता है, लेकिन आम जनमानस हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र और अश्विन महीने में आने वाली नवरात्रि मनाते हैं। नवरात्रि में प्रत्येक दिन देवी के अलग रूप क्रमशः शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी एवं सिद्धिदात्री पूजा होती है। नवरात्रि में लोग उपवास रखते हैं या शाकाहारी और सादा भोजन करते हैं, कन्या पूजन करते हैं, देवी का जागरण करवाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है। नवरात्रि का त्योहार भारत के अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीकों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। हालांकि इनमें एक प्रमुख बात जो सभी जगह दिखती है वह है पहले दिन सुख, समृद्धि और मंगल के प्रतीक के रूप में कलश की स्थापना और इसलिए इस दिन को घटस्थापना कहा जाता है। अनेक घरों में 9 दिनों तक सिर्फ सात्विक खाना खाया जाता है। वहीं कई लोग पूरे 9 दिन तक उपवास रखते हैं और अन्न ग्रहण न करके केवल फल खाकर व पानी पीकर देवी की आराधना करते हैं। इसी तरह कन्या पूजन यानी छोटी लड़कियों को देवी का रूप मानकर उनकी पूजा करना और उन्हें खाना खिलाना भी एक प्रमुख परंपरा मानी जाती है। साथ ही, नवरात्रि में गरबा व डांडिया का खेल भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग बन चुका है। इसके आलावा पिछले कुछ वर्षों में नवरात्रि के 9 दिनों में 9 अलग रंगों के कपड़े पहनने का भी प्रचलन बहुत आम हो गया है।

❖ गोलू कुमार

क्लश स्थापना के साथ नवरात्र शुरू

आज नवदुर्गा के नौवें स्वरूप की पूजा और हवन के साथ नवरात्रि का स्थापना के साथ शुरू हो चुका है। 9 दिनों की नवरात्रि शुभ मानी जाती है। इस साल शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ 15 अक्टूबर को हो रहा है। नवरात्रि के पर्व का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है क्योंकि इसी पावन मास में देवी दुर्गा के भक्त पूरे 09 दिनों तक लगातार देवी दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा, व्रत एवं साधना करते हैं। शरद नवरात्रि अक्टूबर में आते हैं, जिन्हें सभी नवरात्रियों में भी अधिक लोकप्रिय और महत्वपूर्ण नवरात्रि माना जाता है। शरद नवरात्रि के दसवें दिन, दशहरा या विजय दशमी को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रों के दौरान, नौ अलग-अलग दिनों में देवी शक्ति के नौ रूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के नौ दिन तक मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्री, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन 'घटस्थापना' की जाती है, जिसमें एक कलश में पानी भरकर पूजा के स्थान पर रखा जाता है। व्रत रखने वाले लोग एक 'अखंड' दीया जलाते हैं, जो पूरे नौ दिनों तक लगातार जलता है। लगातार नौ दिनों तक देवी को भोग लगाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। मां देवी दुर्गा के 09 स्वरूपों की पूजा के साथ-साथ देवी स्वरूप मानी जानी वाली 09 कन्याओं की पूजा का भी बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। साथ ही धूम-धाम से नाच-गाने के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत के दिन के रूप में याद रखकर लोग इसे एक त्योहार के रूप में मनाते हैं। वर्ष में यह त्योहार दशहरा पर्व एक बार सितम्बर व अक्टूबर के महीने में पूरे नौ दिनों तक मनाने के बाद दसवें दिन दशहरे के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि की नौ रातों को पूरी तरह मां दुर्गा को समर्पित कर लोग पूरी निष्ठा व भक्ति इस त्योहार को मनाते हैं, इस दिन मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन करते समय दुर्गा सप्तशती का पाठ विशेष रूप से किया जाता है। शक्ति की साधना से जहां भगवती के भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है और उन्हें सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है तो वहीं विजयादशमी का पर्व अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश देता है।

❖ कुमारी रिया

मां दुर्गे की उपासना का दिन

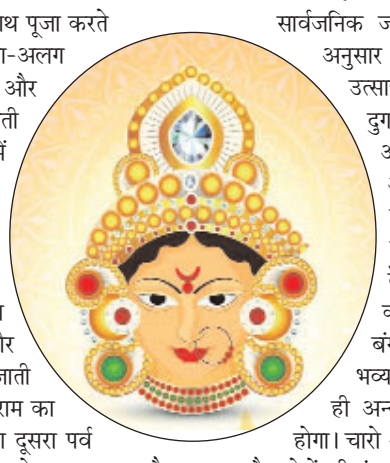

नवरात्रि हिन्दू धर्म के लोगो द्वारा मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्योहार है। नवरात्रि यानी नौ दिनों के पूजा के पश्चात, फिर दसवे दिन को धूम धाम से मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों के लिए निरंतर चलता है जिसमे देवी मां के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते हैं। भारत में नवरात्रि अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। हिन्दू लोग अपने घरो में कलश की स्थापना करते हैं। इसके साथ लोग दुर्गापाठ भी करते हैं। लोग आठ दिनों तक फलो का सेवन करते हैं। आठवे दिन दुर्गाष्टमी मनाया जाता है और नौवें दिन रामनवमी मनाई जाती है। रामनवमी यानी जब श्रीराम का जन्म हुआ था। नवरात्रि का दूसरा पर्व आश्विन महीने में धूम धाम से मनाया जाता है। यह शरद ऋतू में मनाया जाता है। महिलाएं और पुरुष दोनों एक साथ इस प्रकार के नृत्य में शामिल होते हैं। इन नौ दिनों तक लोग उपवास रखते हैं और भोजन में फल का सेवन करते हैं। इस पावन त्योहार पर देश के सभी राज्यों के कई स्थानों पर कन्या पूजन किया जाता है। लोग इसलिए उनकी पूजा करते हैं क्यूंकि उन्हें वे देवी मां का रूप समझते है। नौ छोटी लड़कियों को हलवा, पूरी, मिटाई इत्यादि खिलाया जाता है। हमारे पलामू में छोटे से लेकर बड़े हर प्रकार की दुर्गा मूर्ति की पूजा की जाती है। घरो पर ही नहीं बल्कि प्रत्येक सार्वजनिक जगहों पर अलग-अलग थीम के अनुसार पंडाल को सजाया जाता है। इस उत्साह और उमंग की अलग ही प्रवाह दुर्गा पूजा के वक़्त देखी जा सकती है। अनगिनत मनोरंजन से भरे कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि बंगाल में नवरात्रि के इस पावन उत्सव पर देवी दुर्गा मां की पूजा आराधना करते हैं। यह दुर्गा उत्सव पश्चिम बंगाल में जितना बड़े पैमाने पर और भव्य तरीके से मनाया जाता है, शायद ही अन्य राज्य में इसे ऐसे मनाया जाता होगा। चारो और संगीत और वाद्य यंत्रो की गूंज और लोगों की पंडाल में देर रात तक चहल पहल लगी रहती है। कहीं-कहीं जगह नवरात्रि के नौं रातों में देवियों महालक्ष्मी, महासरस्वती और दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। जिसे नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है। दुर्गा का तात्पर्य है जीवन के दुखों को हमेशा के लिए अंत करना।

इस पूजा में नौ छोटी लड़कियों की पूजा की जाती है।

❖ वेद प्रकाश

शक्ति के अराध्य हैं मां दुर्गे

नवरात्रि का त्योहार पलामू में बहुत ही धूम-धाम से मनाया जाता है। नवरात्रि 9 दिनों का एक बड़ा त्योहार है जिसमें देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना बहुत ही उत्सव के साथ की जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसमें 'नव' का अर्थ है नौ दिन तथा 'रात्रि' का अर्थ है रात। नवरात्रि का पर्व मां अंबा यानी मां दुर्गा के उपासना का त्योहार कहा जाता है। नवरात्रि के दौरान लोग नौ दिन तक अपने घरो में मां अंबा की मूर्ति एवं तांबे, पीतल या मिट्टी के कलश की स्थापना करते हैं। उसकी पूजा अर्चना पूरे भक्ति भाव से करते हैं। कुछ लोग नौ दिन तक उपवास भी रखते हैं। माता दुर्गा के मुख्य तीन स्वरूप है महालक्ष्मी, मां सरसवती, मां दुर्गा और इन सभी को नवदुर्गा के रुप माने जाते हैं। मां दुर्गा के नौ रुपों को शैलपुत्री, ब्रह्माचारीणी, चन्द्रघंटा, कुषमांडा, सकंदमाता, कात्यायनी, कालरात्री, महागोरी, सिद्धदात्री। ये सभी नौ स्वरूप जीवन के दुख को दूर करके जीवन में खुशियां वाले हैं। मां दुर्गा हमारे जीवन की बुराइयों को खत्म करके हमे अछाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा और आशीर्वाद प्रदान करती है। साथ ही हमारे हिन्दू धर्म में मां दुर्गा की आराधना में मनाएं जाने वाले सबसे पवित्र और महत्त्वूर्ण त्योहार की जिसे हम नवरात्रि के नाम से हम जाने जाते हैं। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें जिनमे मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। यह त्योहार दशहरा पर्व वर्ष में एक बार देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े ही हर्ष व उल्लास से अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। पलामू सहित अन्य कई राज्यों में लोग नौ दिन के उपवास रखते हैं और आखिरी दिन छोटी-छोटी कन्या को देवी का सवरुप मानकर उनको भोजन और भेंट इत्यादी देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। नवरात्रि में नौ दिन तक मां के अलग-अलग सवरुप की पूजा आराधना करने से मां के आशीर्वाद सवरुप हमे एक नई ऊर्जा प्राप्त होती हैं। अष्टमी और नवमी के दिन, हवन किया जाता है। दशमी के दिन मां दुर्गा की बड़ी मूर्तियों को पूरे नियम और कायदे के अनुसार जल में विसर्जित किया जाता है। नवरात्रि का पर्व हमे कोशिश करना सिखाता है। हमे जीवन में परिश्रम करना सिखाता है, ताकि हम अपनी अंदरूनी शक्ति को पहचान कर, जीवन में अपनी राह चुन कर उसे हासिल कर सके। नवरात्रि के इस पावन त्योहार को लोग पूरी निष्ठा से निभाते हैं। नवरात्रि त्योहार का यही मकसद होता है कि समस्त लोगो के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति प्रदान हो। जिससे हम अछाई के मांग पर आगे बढ़ सके।

❖ ओपी

असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है नवरात्रि

नवरात्रि त्योहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। अंग्रेजी महीनो के मुताबिक नवरात्रि कई बार मनाया जाता है। पहला नवरात्रि मार्च और अप्रैल महीने में, दूसरा अक्टूबर में मनाया जाता है। नवरात्रि यानी नौ दिनों के पूजा के पश्चात, फिर दसवे दिन को धूम धाम से मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों के लिए निरंतर चलता है जिसमे देवी मां के अलग-अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते हैं। झारखंड में नवरात्रि अलग-अलग जिलों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। नवरात्रि बुराई पर अच्छाई की जीत और पाप पर पुण्य की जीत को भी प्रदर्शित करता है। हिंदू धर्म के लोग इस त्योहार कई रीति-रिवाजों और पूजा-पाठ के साथ मनाते हैं। बहुत से धार्मिक लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं। कुछ लोग दशहरे से पहले नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक व्रत रखते हैं और देवी दुर्गा का आशीर्वाद और शक्ति पाने के लिये उनकी उपासना करते हैं। दसवें दिन यानी कि आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी को लोग असुर राजा रावण पर राम की जीत के उपलक्ष्य में दशहरा मनाते हैं। छोटे-छोटे गली मुहल्ला में भी लोग माता की मूर्ति को स्थापित कर उनकी उपासना करते हैं। वहीं पलामू में भी मां दुर्गा की अलग-अलग रूपो में प्रतिमा का निर्माण किया जाता है और उन्हे बड़े पंडाल बनाकर स्थापित कर उनकी पूजा अर्चना करते हैं। बहुत-सी जगहों पर नौ दिन की नवरात्रि के साथ पूरे दस दिन तक इस पर्व को मनाया जाता है, जिसमें मंदिर के पुजारी रोज सुबह और शाम को मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही कई जगहों पर रामलीला का आयोजन भी किया जाता है। जिसमें रामायण से जुड़ी कथा को भक्तों और दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया जाता है। रामलीला के कलाकार मंच पर अपने अभिनय, संवाद, संगीत आदि के माध्यम से पौराणिक महाकाव्य रामायण के नाट्य रूपांतरण की प्रस्तुति देते हैं। वहीं 9वें दिन के बाद उन प्रतिमा को पानी में बहा कर उनका विशर्जन करते हैं।

❖ बजरंगी कुमार

नवरात्रि क्रोध हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा देता है

पलामू में नवरात्रि का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है लेकिन हर राज्य की अलग संस्कृति की तरह इसे मनाने के तरीके, रीती-रिवाज और परम्पराएं भी अलग-अलग है। नवरात्रि एक ऐसा त्योहार है जिसमें लोग खुशी-खुशी देवी दुर्गा की पूजा करते हैं। भारतीय इस त्योहार को बहुत खुशी और उत्साह के साथ मनाते हैं। इसके अलावा, नव का अर्थ नौ है और रात्रि का अर्थ रात है। इस प्रकार, त्योहार का नाम इसलिए पड़ा क्योंकि हम इसे नौ रातों की अवधि में मनाते हैं। हम नौ रात और दस दिन तक त्योहार मनाते हैं। यह त्योहार अक्टूबर या नवंबर के महीने में होता है। इसके अलावा,भारत में लोग इसे हर साल चार बार मनाते हैं। हम इन समयों को शरद नवरात्रि, वसंत नवरात्रि, माघ नवरात्रि और आषाढ़ नवरात्रि के रूप में संदर्भित करते हैं। यह त्योहार भगवान राम की रावण पर और देवी दुर्गा की महिषासुर पर जीत का प्रतीक है। दशहरा को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। दशहरे की शाम रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण जैसे बड़े राक्षसों के पुतले का दहन किया जाता है। दशहरा का दिन अश्विन माह की शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों के पश्चात आता है। भारत में दशहरा का महापर्व हर राज्य में लोग अलग-अलग तरीके से मनाते हैं। दशहरे का पर्व अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। दशहरे के मौके पर कई स्थानों पर रामलीला का भी आयोजन किया जाता है। इस दिन लोग शस्त्र-पूजा करते हैं और नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। नवरात्रि का त्योहार हमें अहंकार, लोभ, मोह, क्रोध, हिंसा जैसी बुरी आदतों से दूर रहने का प्रेरणा देता है। इसके अलावा, सबसे प्रसिद्ध शारदीय नवरात्रि है जिसे पूरे देश में लोग सक्रिय रूप से मनाते हैं। उत्तर-पूर्वी और पूर्वी राज्यों में रहने वाले लोग इसे दुर्गा पूजा कहते हैं। पवित्र ग्रंथों के अनुसार, महिषासुर एक राक्षस राजा था। इसके अलावा, वह भगवान शिव का प्रबल उपासक था और उसे भारी शक्तियां प्राप्त थीं। उसने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए बहुत सारे गलत कार्य किये और लोगों को परेशान किया। इस प्रकार, ब्रह्मा, विष्णु और शिव की पवित्र त्रिमूर्ति ने कुछ करने का निर्णय लिया। दूसरे शब्दों में, उनकी सभी शक्तियों ने मिलकर देवी दुर्गा का निर्माण किया। यह दुनिया को राक्षस राजा से बचाने के लिए किया गया था। इस प्रकार, उत्तरी, पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में, लोग इस त्योहार को राम लीला के रूप में संदर्भित करते हैं। इसी तरह इन क्षेत्रों में लोग इसे दशहरा भी कहते हैं। दशहरा राक्षस राजा रावण पर भगवान राम की जीत के प्रतीक के रूप में जाना जाता है।

❖ उर्मिला कुमारी

शारदीय नवरात्र आज से, मुहूर्त में करें पूजन, कलश स्थापना के ये है शुभ मुहूर्त

शारदीय नवरात्र का शुभारंभ रविवार को हो रहा है। इसी दिन कलश स्थापना और माता शैलपुत्री का पूजन होगा। कलश स्थापना पूजन के लिए सुबह 8:00 बजे से लेकर दोपहर 3:00 बजे तक शुभ मुहूर्त है। पहला मुहूर्त चर मुहूर्त सुबह 07:48 से 09:14 बजे तक रहेगा। लाभ मुहूर्त 09:14 से 10:40 बजे तक, अमृत मुहूर्त 10:40 से 12:07 बजे तक और शुभ मुहूर्त दिन के 01:33 से 02:49 बजे तक रहेगा। इसी प्रकार पंचांग के अनुसार अभिजीत मुहूर्त दिन के 11:44 बजे से लेकर 12:30 बजे तक, अमृत काल दिन के 11:20 बजे से लेकर 01:03 बजे तक और विजय मुहूर्त दिन के 02:02 बजे से लेकर 02:48 बजे तक रहेगा। इस दौरान अपनी सुविधा को देखते हुए मुहूर्त के अनुसार आप कलश स्थापना कर सकते हैं।

मां दुर्गा के आगमन का श्लोक

शशि सूर्ये गजा रूढ़ा शनि भौमे तुरंग में, गुरौ शुक्रे च दोलायां बुधे नौका प्रकीर्त्तिता।
गजे च जलदा देवी छत्र भंगस्तुरंगमे, नौकायां सर्व सिद्धि स्यात डोलायां मरणं ध्रुवम।
बुध शुक्र दिने यदि सा विजया गजवाहन गा शुभ वृष्टि का, सुरराजगुरौ यदि सा विजया नरवाहन गा शुभ सौख्य करा।

शुभ है मां का गज पर आना : ज्योतिषाचार्य राजेश पाठक बताते हैं कि धार्मिक और पौराणिक मान्यता के अनुसार यदि नवरात्र सोमवार या रविवार से शुरू हो रहा है, तो मां का वाहन गज होता है। स्पष्ट है इस बार मां गज पर आ रही हैं। मां का गज पर आना शुभ माना जाता है क्योंकि, सनातनी परंपरा और अनुष्ठान में गज का विशेष महत्व है। भगवान गणेश का मुख हाथी का सूंड है। शादी-विवाह के मौके पर भी हाथी का प्रतीक चिह्न रखा जाता है। मां का गज पर आगमन से देश-दुनिया में खुशहाली रहेगी। सुख और समृद्धि का साम्राज्य रहेगा। इसलिए मां का आगमन शुभ माना जा रहा है।

कुकुट पर होगा प्रस्थान

वे बताते हैं कि नौ दिनों तक पृथ्वी लोक में रहने के बाद दसवें दिन मां कैलाश के लिए प्रस्थान कर जाती हैं। मां दुर्गा रविवार और सोमवार को अगर पृथ्वी लोक से प्रस्थान करती हैं, तो भैसे पर सवार होकर जाती हैं। मंगलवार और शनिवार को प्रस्थान करने पर कुकुट (मुर्गे) की सवारी करती हैं। बुधवार और शुक्रवार को प्रस्थान करने पर गज की सवारी होती है। गुरुवार को प्रस्थान करने पर मनुष्य की सवारी होती है। इस बार दसमी तिथि मंगलवार को पड़ रही है।

बांग्ला पंजी में अश्व पर आगमन

आचार्य एके मिश्र बताते हैं कि बांग्ला पंजी के अनुसार माता का आगमन और गमन दोनों अश्व पर हो रहा है, जो छत्र भंग (राज्य भय) और छोटे-मोटे युद्ध का संकेत देता है।

नवरात्र एक नजर में

प्रथम दिवस : रविवार, 15 अक्तूबर को कलश स्थापना व माता शैलपुत्री का पूजन
द्वितीय दिवस : सोमवार, 16 अक्तूबर को माता ब्रह्मचारिणी का पूजन
तृतीय दिवस : मंगलवार, 17 अक्तूबर को माता चंद्रघंटा का पूजन
चतुर्थ दिवस : बुधवार, 18 अक्तूबर को माता कुष्मांडा का पूजन
महापंचमी : गुरुवार, 19 अक्तूबर को माता स्कंदमाता का पूजन
महाषष्ठी : शुक्रवार, 20 अक्तूबर को बिल्व अभिमंत्रण, माता कात्यायनी का पूजन
महासप्तमी : शनिवार, 21 अक्तूबर को पत्रिका प्रवेश, माता कालरात्रि का पूजन
महाष्टमी : रविवार, 22 अक्तूबर को नवरात्र व्रत, माता महागौरी का पूजन।
महानवमी : सोमवार, 23 अक्तूबर को माता सिद्धिरात्रि का पूजन
विजयादशमी : मंगलवार, 24 अक्तूबर को पूजन

शुभ मुहूर्त

महाष्टमी को माता महागौरी के पूजन व पुष्पांजलि के लिए शुभ मुहूर्त : सुबह 7:12 से 11:53 बजे व 12:57 से 2:20 बजे तक। संधि पूजन के लिए शुभ मुहूर्त : संध्या 5:01 से 5:49 बजे, बलि पूजन के लिए शुभ मुहूर्त : संध्या 5:25 बजे। महानवमी को माता सिद्धिरात्रि का पूजन, कुमारी पूजन, नवरात्र के निमित्त हवन आदि के लिए शुभ मुहूर्त : सुबह 8:39 से 10:03 बजे, 11:08 से 11:52 बजे व 12:56 से 3:19 बजे तक। विजयादशमी को पूजन, शमी अपराजिता पूजन, शस्त्र पूजन व विजय मुहूर्त के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त : सुबह 8:39 से दोपहर 12:48 बजे तक।

संकलन : ओम प्रकाश प्रजापति

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

गागर में सागर

दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत की बेटियों ने गया में किया पिंडदान

पटना। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) दिवंगत जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत के मोक्ष की कामना लिए उनकी दोनों बेटियां शनिवार को गया पहुंची। उन्होंने पितृपक्ष मेला के आखिरी दिन पूरे विधि-विधान के साथ फल्गु नदी के तट पर पिंडदान किया। इस दौरान दोनों की आंखें नम हो गईं। दोनों बेटियों कृतिका रावत और कुमारी तारिणी रावत के साथ मौके पर दिवंगत जनरल के भाई रिटायर्ड कर्नल विजय रावत, साले कुंवर यशवर्धन सिंह और सपना सिंह समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 08 दिसंबर, 2021 को बिपिन रावत सुलुरु वायुसेना हवाई अड्डे से रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन जा रहे थे। रास्ते में तमिलनाडु के नीलगिरि में उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका समेत 14 लोगों की मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण करने का विशेष महत्व होता है। खासकर बिहार की मोक्ष नगरी गया में पिंडदान करना बहुत ही अहम माना जाता है। 15 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान लाखों लोगों ने पूर्वजों के मोक्ष के लिए पिंडदान किया।

भारत में 23 अगस्त को मनाया जाएगा 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस', अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। देश में 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में केन्द्र सरकार ने 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर दी है। चंद्रयान मिशन 3 के तहत 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग की गई थी। उल्लेखनीय है कि 23 अगस्त को चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ घोषणाएं की थीं। इसमें जिस स्थान पर चंद्रयान-3 का मून लैंडर उतरा, उस स्थान को शिवशक्ति नाम रखना और 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने का भी ऐलान करना शामिल है। इसके अलावा चंद्रमा के जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने अपने पदचिह्न छोड़े हैं, उस प्वाइंट का नाम तिरंगा रखा गया।

अमित शाह की मौजूदगी में डॉ रमन सिंह कल नामांकन पत्र दाखिल करेंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह 16 अक्टूबर का राजनांदगांव से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस दौरान खुद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले भाजपा ने राजनांदगांव के स्टेट स्कूल मैदान में बड़ी रैली की योजना बनाई है, जिसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा उम्मीदवार डॉ रमन सिंह के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का पूरा प्रवास कार्यक्रम भी तय कर लिया गया है। तय शेड्यूल के मुताबिक अमित शाह 16 अक्टूबर को 11:45 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उसके बाद रायपुर एयरपोर्ट से 11:50 बजे हेलीकॉप्टर से राजनांदगांव के लिए रवाना होंगे और 12 :22 बजे वो राजनांदगांव पहुंचेंगे। अमित शाह यहाँ पूर्व मुख्यमंत्री के नामांकन के अवसर पर आयोजित रैली और सभा में शिरकत करेंगे। अमित शाह 1:30 बजे हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे और यहां से वे 2 बजे कोलकाता के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रगति और विकास के लिए साझेदारी भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को वीडियो संदेश के माध्यम से नागापट्टिनम (भारत) और कांकेसंथुराई (श्रीलंका) के बीच नौका सेवाओं के शुभारंभ को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भारत और श्रीलंका राजनयिक और आर्थिक संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं और नागापट्टिनम और कांकेसंथुराई के बीच नौका सेवा की शुरूआत संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, भारत अपने लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए श्रीलंका के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों की प्रगति और विकास के लिए साझेदारी को सशक्त माध्यम बताया और कहा कि हमारा दृष्टिकोण सभी तक विकास पहुंचाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। श्रीलंका में भारतीय सहायता से कार्यान्वित परियोजनाओं ने लोगों के जीवन को

भारत-श्रीलंका के बीच नौका सेवा हकीकत में बड़ा कदम : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के नागपत्तिनम से लेकर श्रीलंका में जाफना के पास कांकेसंतुरई तक नौका सेवा लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में हकीकत में एक बड़ा कदम है। विदेश मंत्री ने नौका सेवा के उद्घाटन के लिए आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि नयी दिल्ली का अपने पड़ोसी देशों को लेकर विनम्र तथा दूरदृष्टि भरा रुख है और उसका ध्यान कनेक्टिविटी, सहयोग तथा संपर्क पर केंद्रित है। उन्होंने कहा,हम भविष्य में ग्रिड कनेक्शन, पाइपलाइन और आर्थिक गलियारे की संभावनाएं तलाश रहे हैं। साथ ही श्रीलंका में सभी के सम्मान और समान अधिकारों का समर्थन करते हैं। भारत द्वीप राष्ट्र में तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके लिए सम्मान तथा गरिमामय जीवन सुनिश्चित करने की मांग कोलंबो से करता रहा है। नौका सेवा जुलाई में दोनों देशों के नेताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप शुरू की गई है। जयशंकर ने कहा, यह भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच संपर्क की दिशा में हकीकत में बड़ा कदम है और प्रधानमंत्री मोदी एवं राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी इसे स्वीकारा था। उच्च गति वाली इस नौका का संचालन शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया कर रहा है और इसकी क्षमता 150 यात्रियों की है। अधिकारियों के अनुसार, नागपत्तिनम और कांकेसंथुराई के बीच लगभग 60 समुद्री मील (110 किमी) की दूरी समुद्र की स्थिति के आधार पर लगभग साढ़े तीन घंटे में तय होगी। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत की पड़ोसी पहले की नीति के साथ ही पड़ोसी देशों के साथ कनेक्टिविटी और सहयोग बढ़ाने की कवायद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, और हम इस नौका के माध्यम से ठीक यही करना चाहते हैं। यह चेन्नई-जाफना के बीच संचालित उड़ानों में दिखाई दे रहा है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने मंजूरी दी है।जयशंकर ने कहा, इस तरह के कदम एक ऐसे प्रधानमंत्री का स्वाभाविक निर्णय हैं, जिसके दिल के तमिलनाडु काफी नजदीक है और जिन्होंने श्रीलंका में सभी के कल्याण में रुचि ली है।

प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि उत्तरी प्रांत में आवास, पानी, स्वास्थ्य और आजीविका सहायता से संबंधित कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और कांकेसंथुराई हार्बर के उन्नयन के लिए समर्थन देने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, चाहे वह उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाली रेलवे लाइनों की बहाली हो, प्रतिष्ठित जाफना सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण, पूरे श्रीलंका में आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा शुरू करना, या डिक ओया के मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। भारत और श्रीलंका के बीच संस्कृति, वाणिज्य और सभ्यता के साझा इतिहास को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राचीन तमिल साहित्य में नागपट्टिनम और आसपास के शहर श्रीलंका सहित कई देशों के साथ समुद्री व्यापार के लिए जाने जाते हैं और पूम्पुहार के ऐतिहासिक बंदरगाह का उल्लेख एक केंद्र के रूप में किया जाता है। उन्होंने पट्टिनाप्पलाई और मणिमेकलाई जैसे संगम युग के साहित्य के बारे में भी बात की, जिसमें दोनों देशों के बीच नावों और जहाजों की आवाजाही का वर्णन है। उन्होंने महान कवि सुब्रमण्यम भारती के गीत 'सिंधु नाधियिन मिसाई' को भी याद किया, जिसमें भारत और श्रीलंका को जोड़ने वाले एक पुल का उल्लेख है। उन्होंने आगे कहा कि नौका सेवा उन सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को जीवंत बनाती है।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की हालिया यात्रा पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी के केंद्रीय विषय के साथ आर्थिक साझेदारी के लिए संयुक्त रूप से एक विजन दस्तावेज अपनाया गया था।

दिल्ली की झुग्गियों और बस्तियों में 80 प्रतिशत लोग उप्र, बिहार, प. बंगाल के

28.7 प्रतिशत का जन्म दिल्ली में हुआ है

आरएनएम। नई दिल्ली

सीएसडीएस (सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज)ने यह पता लगाने के लिए एक सर्वे किया कि दिल्ली में दूसरे राज्यों के कितने और सबसे ज्यादा किन राज्यों के लोग रहते हैं। इसमें आया कि दिल्ली में झुग्गी बस्तियों व अनधिकृत बस्तियों के कुछ हिस्सों में दस में से आठ लोग तीन राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से हैं। इनमें से ज्यादातर काम के लिए शहर चले गए। 78% से अधिक की पारिवारिक आय 20,000 रुपये प्रति माह से कम है। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले 1,017 लोगों के सैंपल साइज के साथ किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि उनमें से अधिकांश (45.5%) 10 वर्षों से अधिक समय से शहर में रह रहे हैं। जबकि 28.7% का जन्म यहीं हुआ। पिछले कई वर्षों की जनगणना रिपोर्ट में यह बात अच्छी तरह से स्थापित हो चुकी है कि दिल्ली प्रवासियों का शहर है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दिल्ली में अंतर-राज्य प्रवासियों का अनुपात सबसे अधिक है। सीएसडीएस सर्वे यह जानने के लिए किया गया था कि शहर के घरेलू प्रवासी देश में दूरस्थ मतदान के प्रस्ताव के बारे में कैसा महसूस करते हैं। सर्वे से पता चलता है कि 27.8% लोग दूरस्थ मतदान में अपने मतपत्र की गोपनीयता पर काफी हद तक भरोसा करेंगे, अन्य 18.8% लोग कुछ हद तक इस पर भरोसा करेंगे। शहर में ज्यादातर प्रवासी युवा हैं, उनमें से 48.2% 35 वर्ष से कम आयु के हैं। जनसंख्या में भारी संख्या में पुरुष हैं झ दस में से छह पुरुष हैं, और 81.9% विवाहित हैं। सर्वे झुग्गी बस्तियों, झुग्गियों और अनधिकृत बस्तियों के सभी निचले घरों में किया गया था। सीएसडीएस के लोकनीति कार्यक्रम के सह-निदेशक संजय कुमार ने कहा, उत्तरदाता छोटे घरों में रहते थे, किसी के पास दो से अधिक कमरे नहीं थे। 60% से अधिक उत्तरदाताओं के पास मिडिल स्कूल से आगे कोई शिक्षा नहीं थी। एक चौथाई से अधिक गैर-साक्षर थे और केवल 8.5% या तो कॉलेज (स्नातक) में थे या उनके पास उच्च शैक्षणिक योग्यता थी। ज्यादातर के पास एलपीजी (83.7%) तक पहुंच थी, जबकि आधे से कुछ अधिक के पास टेलीविजन सेट (53%) थे। जबकि 84.2% लोगों के पास या तो बैंक या डाकघर खाता था, केवल लगभग 40% के पास एटीएम/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड थे। 96% से अधिक के पास आधार कार्ड थे। केवल तीन में से एक व्यक्ति ने कहा कि उन्हें दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभ हुआ है। उनमें से, लगभग 60% ने बिजली सब्सिडी का लाभ उठाया, जबकि 40% के पास मुफ्त राशन तक पहुंच थी। सरकार की मुफ्त पानी योजना से लगभग 27% को लाभ हुआ था।अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों का अनुपात सबसे अधिक 48% था। जबकि, लगभग 20% ने अपनी जाति नहीं बताई। कुमार का कहना है कि यह आंकड़ा कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा, जाति और वर्ग के बीच बहुत मजबूत संबंध है, इसलिए जिन क्षेत्रों को लक्षित किया गया है।

महिलाओं को समानता ही नहीं, नेतृत्व का भी अवसर मिले : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को पार्लियामेंट 20 के तीसरे सत्र में कहा कि भारत में महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। हमारा मानना है कि महिलाओं को केवल समानता नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के अवसर मिलने चाहिए। यशोभूमि, द्वारका में आयोजित पार्लियामेंट 20 सम्मेलन में तीसरे सत्र का विषय एक परिवार-लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना- महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास तक रहा। बिरला ने लैंगिक समानता के लिए महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास पर जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में संवैधानिक व्यवस्था महिलाओं को सशक्तीकरण प्रदान करने के केंद्र में रही है। हाल ही में संविधान संशोधन कर केंद्र और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तथा निर्णय लेने और कानून बनाने में उनका योगदान भी बढ़ेगा। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत और नगर पालिकाओं में राज्यों में मिलने वाले महिलाओं को 33 से 50 प्रतिशत आरक्षण का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के लिए कई योजनाएं भारत में चलाई जा रही हैं।

राजस्थान में खड़े ट्रक से टकराई बस, 4 की मौत, 20 घायल

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में शनिवार तड़के हुए एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, लांबा डाबरा गांव के लोग शनिवार तड़के मंदिर में मत्था टेकने के लिए निकले थे, तभी प्रतापगढ़-बांसवाड़ा राजमार्ग पर कचोटियां गांव के पास तड़के साढ़े चार बजे उनकी बस सड़क पर खराब हालत में खड़े एक ट्रक से जा टकराई। सुहागपुरा के थानाधिकारी इंद्रजीत ने बताया कि हादसे में घायल लोगों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चार की मौत हो गई। वहीं, 20 अन्य घायल उपचाराधीन हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसे की जांच की जा रही है।

FILMY हलचल

टीवी एक्ट्रेस मृदुला ओबेरॉय सुसाइड सीन की शूटिंग के दौरान हुईं बेहोश

एक्ट्रेस मृदुला ओबेरॉय इस समय अपने अपकमिंग शो 'बाघिन' की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने सुसाइड सीन की शूटिंग एक्सपीरियंस को साझा किया। उन्होंने कहा, हम अपने फाइनल शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं और क्लाइमेक्स बहुत दिलचस्प है। मैं एक नेगेटिव रोल निभा रही हूं और अंत में मुझे अपनी गलती का एहसास होता है। अपराध बोध के चलते मैं सुसाइड की कोशिश करती हूं। मृदुला ने आगे कहा, मैं सेट पर सचमुच उस समय बेहोश हो गई जब मैं खुद को फांसी लगाने का सीन शूट करने वाली थी। यह डरावना और बहुत परेशान करने वाला था। मैं काफी इमोशनल हूं और व्यवस्थाओं को देखकर सब कुछ बहुत दुखद लग रहा था। उन्होंने कहा, जब मैं इमोशनल और दुखी होती हूं तो अक्सर मेरा ब्लड प्रेशर लो हो जाता है। उन्होंने कहा, "मैं ऐसी गंभीर परिस्थितियों को संभालते समय खुद को कमजोर पाती हूं, चाहे वह असल में हो या अभिनय के दौरान। मैं उन लोगों के लिए बहुत खुश हूं जो ऐसी स्थितियों की कभी कल्पना भी नहीं कर सकते। बहुत सी बातें सोच कर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

नोरा को विद्युत जामवाल-स्टार 'क्रैक' के लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा

अभिनेत्री नोरा फतेही को अभिनेता-मार्शल कलाकार विद्युत जामवाल के साथ फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' के लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। अपने खेल में शीर्ष पर रहने के लिए उन्हें कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। यह उनके लिए बिल्कुल अलग था, क्योंकि नोरा फतेही ने वास्तव में एक्शन भूमिकाएं नहीं की हैं। ऐसे में, अपनी ताकत, चपलता और शारीरिक गठन के लिए उन्हें कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। इसके अलावा, अपनी काया को आकार देने के लिए उन्होंने एक कठोर फिटनेस दिनचर्या अपनाई, जिसमें शक्ति प्रशिक्षण और लचीलेपन के व्यायाम शामिल थे, ताकि 'क्रैक - जीतेगा तो जिएगा' में शारीरिक रूप से मजबूत दिख सकें। उनके प्रशिक्षण के एक हिस्से में स्ट्रेचिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट में क्रैश कोर्स करना भी शामिल था। इस दौरान उन्हें अपनी सहनशक्ति बढ़ाने की जरूरत थी।

'बिग बॉस' में मेरी यात्रा एक रोलर कोस्टर राइड जैसी : सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान 'बिग बॉस 17' को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रियलिटी शो के साथ उनकी यात्रा एक रोलर कोस्टर राइड के जैसी रही है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है। इस साल यह शो अलग-अलग तरह के नए एलिमेंट्स और एंटरटेनमेंट के साथ दर्शकों को बांधे रखेगा। इस साल की थीम भी कंटेस्टेंट्स के लिए एक चेतावनी है, 'इस बार गेम नहीं होगा, सबके लिए सेम टू सेम', इस बार तीन गेम-चेंजिंग मंत्र है- 'दिल, दिमाग और दम'... शो को होस्ट करना सलमान खान के लिए एनुअल ट्रेडिशन है, जिसके वार और रियलिटी चेक में ड्रामा और ग्लैमर का बड़ा डोज मिलेगा। 'बिग बॉस' के साथ अपने संबंध

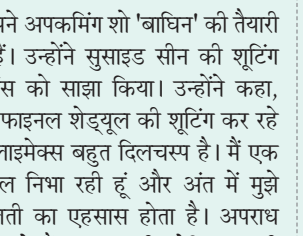

के बारे में बात करते हुए सलमान ने कहा, 'बिग बॉस' के साथ मेरी जर्नी एक रोलर कोस्टर राइड के अलावा और कुछ नहीं रही है। इन सालों में, मैंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है।" उन्होंने कहा, "दुनिया भर में लाखों भारतीयों के साथ जुड़ते हुए एक आवाज बनना बड़ी जिम्मेदारी है। शो का सबसे खास हिस्सा लोगों को बढ़ते देखना है।" 'दबंग' एक्टर ने कहा, "बिग बॉस के बारे में एक चीज जो कभी नहीं बदलेगी, वह है, इसकी अनप्रिडिक्टेबिलिटी। यह शो अलग-अलग बैकग्राउंड्स से आने वाले कंटेस्टेंट्स के व्यक्तित्व और प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करता है।" उन्होंने कहा, "दूसरी चीज जो नहीं बदलेगी वह है दर्शकों से मिलने वाला प्यार। शो में चाहे कितनी भी योजना बनाई जाए, कंटेस्टेंट्स के बीच की गतिशीलता, उनके संघर्ष और उनके गठबंधन हमेशा दर्शकों को उत्साहित रखते हैं।" शो के 17वें संस्करण की मेजबानी पर, सलमान ने कहा, "इस बार, बिग बॉस कंटेस्टेंट्स के साथ अपने तरीके से गेम खेलेंगे। यह शो मनोरंजन, भावनाओं और नाटक के बारे में है। इस सीजन में तीन गेम-चेंजिंग मंत्र, दिल, दिमाग और दम... शुरूआत के साथ इन तीनों एलिमेंट्स को पूरी तरह से नए लेवल पर ले जाया जाएगा।

दिव्य **प्रधानमंत्री को मंत्रमुग्ध कर गई आदि कैलाश, जागेश्वर धाम यात्रा**

कुमाऊं क्षेत्र में बढ़ी पर्यटन की आस

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड के एक दिवसीय कुमाऊं दौरे से लौटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा उनके जीवन की ऐतिहासिक यात्राओं में शामिल हो गई है। यह बात प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की है। इससे कुमाऊं क्षेत्र में भी पर्यटन बढ़ने की आस बढ़ गयी है। प्रधानमंत्री मोदी दो दिन पहले 12 अक्टूबर को कुमाऊं क्षेत्र में यात्रा पर गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा से मंत्रमुग्ध होते हुए लिखा है कि यदि कोई मुझसे पूछे- यदि आपको उत्तराखंड में एक जगह अवश्य देखनी चाहिए तो वह कौन सी जगह होगी, तो मैं कहूंगा कि आपको राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में पार्वती कुंड और जागेश्वर मंदिर अवश्य देखने चाहिए। प्राकृतिक सुंदरता और दिव्यता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। प्रधानमंत्री मोदी अपने दूसरी पोस्ट में लिखते हैं कि बेशक, उत्तराखंड में घूमने

लायक कई प्रसिद्ध जगहें हैं और मैंने भी अक्सर उत्तराखंड का दौरा किया है। इसमें केदारनाथ और बदरीनाथ के पवित्र स्थान शामिल हैं, जो सबसे यादगार अनुभव हैं। लेकिन, कई वर्षों के बाद पार्वती कुंड और जागेश्वर मंदिर में लौटना विशेष रहा। इधर प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के जवाब में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों की ओर से आभार प्रकट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी आपके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखंड धार्मिक, आध्यात्मिक एवं साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। आपके विजन के अनुरूप रोड, रेल और रोपवे निर्माण के माध्यम से श्रद्धालुओं के आवागमन को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी आगे लिखते हैं कि प्रधानमंत्री जी के आदि कैलाश, पार्वती कुंड और जागेश्वर धाम के ऐतिहासिक भ्रमण से न केवल इन पवित्र स्थलों को नई पहचान मिली है बल्कि स्थानीय लोगों की समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। मानसखंड मंदिर माला मिशन को वैश्विक पहचान दिलाने एवं देवभूमि उत्तराखंड के प्रति आपके असीम स्नेह व प्रेम हेतु समस्त प्रदेशवासियों की ओर से आभार। प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड दौरे के दो दिन बाद साझा की गई पोस्ट उनके उत्तराखंड के प्रति लगाव को स्पष्ट दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा से देश दुनिया को न सिर्फ धर्म आध्यात्म का संदेश दिया बल्कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मानखंड मंदिर माला मिशन के विजन पर भी मुहर लगाई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का चार धाम यात्रा के प्रोत्साहन करने से इन पवित्र धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष यहां पर तीर्थयात्रियों की संख्या करीब 50 लाख पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। अब प्रधानमंत्री के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के प्रोत्साहन से शायद यहां पर भी तीर्थयात्रियों का रुझान बढ़ेगा।

गागर में सागर

रांची नगर निगम ने एनसीसी कैडेट्स के बीच बांटे पौधे

रांची। नगर निगम ने शनिवार को पुरुलिया रोड स्थित संत जेवियर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के बीच पौधों का वितरण किया। नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार के निर्देश पर रिलेशन्स के सहयोग से पर्यावरण जागरुकता अभियान के तहत पौधों का वितरण हुआ। सभी ने पौधे लगाकर इसका संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनसीसी की डॉ प्रिया श्रीवास्तव और रिलेशन्स के निदेशक आशुतोष द्विवेदी सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

रोजगार का सृजन करें ताकि लंबित आवास का निर्माण हो सके पूरा : चंद्रशेखर

रांची। ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने शनिवार को 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2023 तक चले ह्यचलो करें आवास पूरा अभियान में सभी जिलों की उपलब्धि पर अनुसमर्थन दल के वरीय प्रभारी के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सचिव ने कहा कि इसका विशेष ख्याल रखें कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजित किया जाएं , ताकि लंबित आवास योजना का क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जियो मैपिंग भी कराई जाए। सचिव ने कहा कि अभियान फेज टू के तहत योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री आवास योजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बेघरों को घर देनें की योजनाओं को लेकर भी उतनी ही संवेदनशील है और इसलिए आप कोशिश करें कि जरुरतमंदों को ससमय आवास का लाभ मिले।

झामुमो कार्यालय घेरने निकले पंचायत स्वयं सेवकों को पुलिस ने रोका

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यालय का घेराव करने जा रहे पंचायत स्वयं सेवक संघ के सदस्यों को शनिवार को हरमू चौक के पास ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इससे पूर्व सरकार से अपनी मांग मनवाने के लिए कई सदस्य हरमू मैदान में जमा हुए। इनका कहना था कि वे लोग दो बार मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। प्रदेश अध्यक्ष चंद्र दीप कुमार ने कहा कि हेमंत सरकार हमारी बात सुने। बातचीत के लिए बुलाये। हमलोगों की बात को अनदेखा किया जा रहा है। आने वाले समय में संघ विधानसभा और लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेगा। सरकार अपने वादे से मुकर रही है। 100 दिनों से हमलोगों को ठगने का काम कर रही है। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती, आंदोलन करते रहेंगे। अब सांसद-विधायक के आवास के सामने नंग-धड़ंग प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वार्ता करें, स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी करने, नियमित मानदेय लागू किया करने, स्वयं सेवकों का समायोजन करने और संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक करना शामिल हैं। इस मौके पर सूर्य मोहन, रामसागर, सुनिता, रेखा, उमेश चंद्र तिरिया, दिलीप कुमार सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

बिरसा चौक से सिंह मोड़ तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची। रांची नगर निगम, जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की ओर से शहर के अलग -अलग हिस्सों में रोजाना अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को हटिया क्षेत्र में बिरसा चौक से सिंह मोड़ तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ठेले, खोमचे, बांस- बल्ली से बनी दुकानें, सड़क किनारे किये गये अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान दुकानदारों के सामान भी जब्त किये गये। उन्हें आगे फिर से अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी गई। अभियान में नगर निगम की हल्ला गाड़ी, जेसीबी एवं सुरक्षा के मद्देनजर जवान शामिल थे।

श्री श्याम मंदिर में 83वें श्री श्याम भंडारे का किया गया आयोजन

3000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अमृतमय महाप्रसाद किया ग्रहण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शनिवार को हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर 83 वें श्री श्याम भंडारे के प्रसाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनौली के नेतृत्व में यजमान नरेश अग्रवाल पुष्पा अग्रवाल प्रवीण अग्रवाल कुमुद अग्रवाल सच्चिदानंद अग्रवाल डा खुशबू अग्रवाल ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी शिव परिवार हनुमान जी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित कर सुख समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की। अग्रवाल परिवार ने खाटू नरेश को प्राकृतिक पंखा डोलाकर भोग स्वीकार करने की मनुहार की। भोग लगे अमृतमय प्रसाद को अग्रवाल परिवार ने वृहद भंडारे में मिलाकर महाप्रसाद बनाकर मंदिर के आचार्यों को भंडारे का प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक शनिवार को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया जाता है। 83 वें श्री श्याम भंडारा के प्रसाद में बनारसी कचोड़ी आलू परवल लौकी का सब्जी सुजी का हलवा चिप्स का प्रसाद श्री श्याम मंदिर में ही मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में निर्मित किया गया था। भंडारे का वितरण समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया था। हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारें लग गई । खाटू नरेश की जय जयकारो जय घोष से संपूर्ण छेत्र गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जयकारों के बीच अग्रवाल परिवार व मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भंडारे का महाप्रसाद का वितरण शुरू किया गया।

सर्वपैतृ अमावस्या पर भक्तों ने भगवान से किया मंगल प्रार्थना

रांची। पहाड़ी मंदिर के सन्निकट स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरूपति बालाजी) मंदिर में 14 अक्टूबर शनिवार को आश्विन मास स्नान दान- सर्वपैतृ अमावस्या तिथि पर पतितों को भी पावन करने वाले पद्मावती वल्लभ भगवान श्रीश्रीनिवास भगवान का हुआ विशेष अनुष्ठान। दयामयी श्रीमहालक्ष्मीजी समेत श्रीभगवान की कृपा दृष्टि जब जीव पर पड़ती है तब उस कृपा दृष्टि के प्रभाव से जीव भगवान के चरणों की शरण में चला जाता है। यही शुद्ध धारणा को हृदय में धारण किये तमाम श्रद्धालुओं ने अपने- अपने पितरों के सद्गति प्राप्ति की कामना से श्रीवेंकटेश्वर अष्टोत्तर शत्तनाम, श्रीलक्ष्मी अष्टोत्तर और श्रीविष्णु सहस्त्रनाम की अर्चना करायी। इसके पूर्व प्रातः भगवान का विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम, मंगलाशासनम, वेंकटेश प्रपत्ति आदि के बाद शास्त्रोक्त विधि से तिरुवाराधन हुआ। नक्षत्र कुंभ और कपूर से महामंगल आरती हुई और पायसान्न (खीर)महाप्रसाद का नैवेद्य भोग लगा । सर्वशोभा संपन्न भगवान के श्रीविग्रह को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से अलंकृत किया गया । वेद के ऋचाएं, उपनिषद मंत्र, श्रीस्तुति भूस्तुति गोदास्तुति आदि अनेकों स्तोत्रों से स्तवन किया गया। आज के पायसान्न (खीर)महाप्रसाद का भोग निवेदन किया श्री विकास- रुचिता शर्मा लालपुर राँची ने।अर्चकः श्री सत्यनारायण गौतम गोपेश आचार्य और नारायण दास ने मिलकर पूजनादि अनुष्ठान संपन्न कराया। इनकी रही सहभागिता सर्वश्री रामअवतार नारसरिया राजेश सुल्तानिया प्रदीप नारसरिया अनूप अग्रवाल रंजन सिंह सुशील लोहिया जगमोहन नारसरिया शम्भू नाथ पोद्दार प्रभाष मित्तल सुशील गाड़ोदिया ओमप्रकाश गाड़ोदिया के अतिरिक्त सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया।

शारदीय नवरात्र आज से

रांची। शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू हो रहा है। प्रतिपदा और कलश स्थापना कर मां की आराधना शुरू की जाएगी। प्रतिपदा पूरे दिन है। इस दिन वैधृति योग दोपहर 11.56 बजे तक है; अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11.36 से 12.56 तक है। इस तिथि को माता शैल पुत्री का ध्यान किया जाएगा। पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार सोमवार को द्वितीया तिथि रात 12.19 बजे तक रहेगी। इस दिन माता ब्रह्मचारिणी का ध्यान किया जाएगा। मंगलवार तृतीया तिथि रात 12.16 बजे तक होगी। इस दिन माता चंद्रघंटा का ध्यान किया जाएगा। बुधवार चतुर्थी तिथि रात 11.42 बजे तक रहेगी। इस दिन माता कुष्मांडा का ध्यान किया जाएगा। गुरुवार पंचमी तिथि रात 10.40 बजे तक रहेंगी। इस दिन मां स्कंदमाता का ध्यान किया जाएगा। शुक्रवार षष्ठी (बेलवरण) तिथि रात 9.13 बजे तक रहेगी। इस दिन माता कात्यायनी के स्वरूप का ध्यान किया जाएगा। शनिवार सप्तमी तिथि रात 7.26 बजे तक रहेगी। माता कालरात्रि के स्वरूप की आराधना की जाएगी। महाअष्टमी तिथि संध्या 5.25 बजे तक रहेगी।

कैंसर की समस्या से झारखंड भी इससे अछूता नहीं : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में कैंसर की समस्या बढ़ रही है और झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे में इस कैंसर कॉन्क्लेव का आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है, जिसमें टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई सहित देशभर से विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उनके ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान से कैंसर के इलाज और मनोबल वृद्धि में सहायता मिलेगी। राज्यपाल शनिवार को महावीर मेडिका सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल, रांची की ओर से होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित "मेडिका कैंसर कॉन्क्लेव" में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कॉन्क्लेव शोधकताओं और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को कैंसर की चुनौतियों पर चर्चा करने एवं अपने अनुभव को साझा करने की दृष्टि से उपयोगी मंच हो सकता है। इससे शीघ्र ही कैंसर का पता लगाने के नवीनतम तरीकों, बेहतर उपचार के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कैंसर से निजात पाने के लिए सबको एक साथ काम करना पड़ेगा। साथ ही अस्पताल को यह भी ध्यान रखना होगा कि कैंसर के मरीजों का अच्छे-से-अच्छा इलाज समुचित व्यय पर हो सके। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल और सदियों से ही सेवा एवं विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य बीमा के संबंध में जागरुकता फैलाना आवश्यक है ताकि वक्त पर लोगों को इलाज में कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि लोगों को वहां भी स्वास्थ्य बीमा की जानकारी प्राप्त हो सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्य के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, डॉ राणा उदयन लहरी, डॉ मदन कुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

आदिवासी सरना धर्म कोड जनसभा आठ नवम्बर को

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आदिवासी सेंगल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने कहा कि आगामी आठ नवम्बर को रांची की मोरहाबादी मैदान में आदिवासी सरना धर्म कोड जनसभा आयोजित की जाएगी, जहां देश विदेश से लाखों आदिवासी सरना समुदाय के लोग जुटेंगे। उन्होंने कहा कि सेंगल का नारा है सरना कोड दो, आदिवासी वोट लो। मुर्मू शनिवार को धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा सभागार में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासियों को उनकी धार्मिक आजादी नहीं मिल रही। आजादी से वंचित रखने में कांग्रेस और भाजपा दोनों की सरकारें दोषी हैं। कांग्रेस ने कॉलम हटाया वही दूसरी ओर भाजपा की सरकार और संघ जबरन आदिवासी समुदाय को हिन्दू का ठप्पा लगाने पर आतुर हैं। जबकि दुनिया जानती है आदिवासी प्रकृति पूजक है न कि मूर्ति पूजक। मुर्मू ने कहा कि देश में पहली बार है जब भाजपा, किसी आदिवासी महिला को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति बनाई है। भाजपा के लिए सुनहरा मौका भी है कि सरना धर्म कोड की मांग पूरा कर आदिवासियों को अपने साथ जोड़ ले। चुनाव में लाभ मिलेगा।

तेली और महली को श्मशानघाट घाट पर दाह संस्कार नहीं करने देना कानूनन अपराध

दोषियों पर सरकार करे सख्त कार्रवाई : राजेन्द्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी से सटे रांची के बिजुलिया गांव में तेली और महली जाति के लोगों को श्मशानघाट पर दाह संस्कार अन्य समाज के द्वारा नहीं करने दिया जा रहा है। और तेली जाति को और महली जाति को छुत बताकर गांव छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। इस घटना पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छुआछूत और श्मशानघाट में दाह संस्कार करने नहीं देना कानून अपराध है । उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई करे। प्रसाद ने कहा कि इस घटना से आज झारखण्ड की संस्कृति और भाईचारा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के कारण सभ्य समाज के लोगों को शर्मसार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज हिंदू के ठेकेदार कहां हैं? जब धर्म की बात आती है तो तेली समाज हो या महली समाज ,हिंदू के नाम से सबसे आगे आकर अपना योगदान देते हैं। लेकिन आज वे छुत हो गए। प्रसाद ने कहा कि यही कारण है कि हिन्दू समाज के कुछ ऐसी रूढ़िवादी छोटी सोंच रखने वाले ठेकेदारों के छुआछूत की नीति से हिंदू समाज को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि ऐसी घटना की पुनार्वृति ना हो यह सुनिश्चित करे।

पृष्ठ एक के शेष

भाकपा माओवादी हार्डकोर नक्सली...

थानेदार नीतीश कुमार ने छापेमारी दल का गठन करते हुए मरवा गांव में छापेमारी कर बीती रात को नेहरू मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। नेहरू मुंडा ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बयान में पूर्व में नक्सली घटनाओं में संलिप्तता को स्वीकार करते हुए क्षेत्र में उग्रवादियों को राशन पहुंचाने, पुलिस गतिविधि की सूचना पहुंचाने की बात को स्वीकार की है। छापेमारी में थानेदार नीतीश कुमार, एसआई अमर पोद्दार सहित सैट 13 के जवान मौजूद थे। एसडीपीओ विकास आनंद लागुरी ने बताया कि नेहरू मुंडा के खिलाफ कुरुमगढ़ थाना कांड संख्या 03/21 धारा 07.02.021, धारा 147/148/149/307/353 भादवि, 27 आर्म्स एक्ट 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 17 सीएलए एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा कुरुमगढ़ थाना कांड संख्या 05/21 धारा 25.02.021, धारा 147/148/149/307/353 भादवि, 27 आर्म्स एक्ट 3/4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 17 सीएलए एक्ट का केस दर्ज है।

झारखंड का नव निर्माण ही...

को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

अब आपको अपने घर पर ही मिलेगा योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से पंचायतों में शिविर लगाकर लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान और उन्हें योजनाओं से जोड़ने का काम किया गया । अब एक बार फिर यह कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। अधिकारी आपके घरों पर जाकर आपको सरकार की योजनाओं की ना सिर्फ जानकारी देंगे बल्कि इसका लाभ दिलाने का भी काम करेंगे। झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां के अधिकारी दूर-दराज और सुदूर गांवों में जाकर आपके दरवाजे पर आपकी परेशानियों का समाधान कर रहे हैं। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

छात्रावासों का हो रहा जीर्णोद्धार : मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकारी छात्रावास में रहने वाले छात्र छात्राओं को सिर्फ अपने पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें घर से दाल-चावल ले जाने की जरूरत नहीं है। सरकार छात्रावास में खाद्य सामग्रियों के साथ रसोईया और सिक्योरिटी गार्ड की भी व्यवस्था करेगी। राज्य में जितने भी छात्रावास हैं उन सभी का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जल्द और नए छात्रावास भी बनाये जाएंगे।

हर वर्ग और हर तबके लिए है योजनाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर वर्ग और तबके की जरूरत और कल्याण को ध्यान में रखकर सरकार योजनाएं बना रही हैं। हर योजना लोगों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, सोना -सोबरन धोती साड़ी योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना और नीलांबर पीतांबर जल समृद्धि जैसी कई योजनाओं के माध्यम से राज्य और राज्यवासियों का विकास हो रहा है। आप इन योजनाओं की जानकारी लें और खुद को अपने पैरों पर खड़ा करने के साथ राज्य को मजबूती प्रदान करके में सहयोग करें। इस मौके पर मंत्री जोबा मांझी, विधायक निरल पूर्ति, दीपक बिरुवा, सुखराम उरांव, सविता महतो, दशरथ गगराई के अलावा पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कल 827 हाईस्कूल शिक्षकों को...

इस मौके पर विभाग द्वारा तैयार एक डिजिटल शिक्षा आधारित एप को भी लॉन्च किया जाएगा। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा साल 2016 में आयोजित हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति परीक्षा में सफल हुए अभ्यार्थियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नियुक्ति की जा रही है, जिसके तहत 16 अक्टूबर को विभिन्न विषयों में सफल 827 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र पाने के बाद राज्य के विभिन्न जिलों में ये शिक्षक पदस्थापित किए जाएंगे। जिन जिलों में ये शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे उनमें पश्चिम सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, पलामू, दुमका, चतरा, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, हजारीबाग, रांची, गुमला, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, बोकारो, कोडरमा, धनबाद और पाकुड़ शामिल हैं। इन जिलों में संगीत, इंग्लिश, हिंदी, संस्कृत, अरबी, फारसी, बायोलॉजी, केमिस्ट्री, इतिहास-नागरिक जैसे विषयों के शिक्षक नियुक्त किए जायेंगे। इससे पहले मई महीने में 3469 माध्यमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया था।

किसानों की आय में बड़ी...

रखने के लिए भी हस्तक्षेप किया। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है जिससे किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है क्योंकि उनकी कमाई में गिरावट देखी गई है। इन दुर्लभ वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए खाद्य तेल और दालों पर आयात शुल्क भी कम किया गया है। कृषि क्षेत्र के भविष्य पर प्रभाव डालने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण कारक पानी की मात्रा है जो वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों के जलाशयों में उपलब्ध है। भारत की लगभग 80 प्रतिशत बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान होती है जिससे देश के जलाशय भी भर जाते हैं। इनका उपयोग अगले कृषि मौसम के दौरान सिंचाई के लिए किया जाता है। इस साल कम बारिश के कारण, जलाशयों में पानी का भंडारण पिछले साल का लगभग 75 प्रतिशत होने की सूचना है, जो आगामी रबी सीजन में कृषि उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

मुठभेड़ में घायल नक्सली का...

जा रहा है। आईजी अभियान अमोल होमकर ने बताया की पुलिस का मकसद किसी भी नक्सली को मारना नही है।हमे सर्च अभियान के दौरान घायल नक्सली मिला ,जिसे उसके साथी उसे मरने के लिए छोड़ फरार हो गए थे। हमने उसे जंगल से रेस्क्यू किया और उसकी जान बचाने के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया और अब उसका इलाज चल रहा है।

बांझपन उपचार शिविर सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

किसानों को पशुओं के बीमारियों की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बीएयू अधीन संचालित रांची पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रांची और जिला पशुपालन विभाग, सिमडेगा के सहयोग से 75 वें अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अधीन विगत शुक्रवार को पशुओं का बांझपन उपचार शिविर सह जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस मौके पर पशुओं में होने वाली बीमारियों की भी किसानों को दी गयी जानकारी। सिमडेगा घाटी जिले के कोलेबिरा प्रखंड में आयोजित इस कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि उद्घघाटन डीन वेटनरी डा. सुशील प्रसाद ने की। कार्यक्रम में कोलेबिरा के जिला परिषद अध्यक्ष, प्रमुख, सीओवीएस, रांची के नोडल अधिकारी के रूप में कार्यक्रम में डॉ. बसंत एपी ब्रीडिंग, डॉ. मधुरेन्दु एपी पैरासिटोलॉजी, डॉ. थानेश एपी ब्रीडिंग, डॉ. उमेश ज्ञानी, केवीके वैज्ञानिक डा हिमांशु व डॉ. बंधनु उरांव और जिला पशुपालन अधिकारी डा अर्जुन राम एवं भ्रमणशील पशुचिकित्सक डा अर्चना मिंज कार्यक्रम में शामिल हुए। डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने पशुओं में बांझपन से राज्य में पशुधन विकास में बाधा और आय में कमी पर प्रकाश डाला। किसानों को पशुओं के बांझपन के समाधान के लिए पशुचिकित्सक और वैज्ञानिकों से उचित परामर्श प्राप्त करने पर जोर दिया। मौके पर डॉ. बसंत, डॉ. मधुरेन्दु, डॉ. थानेश, डॉ. उमेश ने पशुओं के उपचार से सबंधित तकनीकी जानकारी से अवगत कराया। मौके पर केवीके वैज्ञानिक एवं पशुपालन अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।कार्यक्रम में सिमडेगा जिले के लगभग 240 किसानों ने भाग लिया । इस अवसर पर पंचायत प्रमुख, बीडीओ और अध्यक्ष जिला परिषद द्वारा किसानों के लिए एक लिफलेट जारी किया गया। शिविर में करीब 100 पशुओं की निःशुल्क चिकित्सा और किसानों को कृमि मुक्ति के लिए खनिज मिश्रण, कैल्शियम और अन्य दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। यह कार्यक्रम झारखंड के 19 आकांक्षी जिलों में केंद्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से चलाये जा रहे कार्यक्रम के अधीन सिमडेगा जिले में आयोजित गया।

नगर निगम की स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता 20 से 25 अक्टूबर तक

रांची। दुर्गा पूजा के अवसर पर रांची नगर निगम की ओर से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जाना है। पूजा एवं त्योहारों के मौके पर अक्सर श्रद्धालुओं के द्वारा पंडालों के आसपास बचे खाद्य पदार्थों एवं अन्य ठोस अपशिष्ट को यत्र- तत्र फेंक दिया जाता है। जिससे गंदगी फैलती है। बेहतर सफाई के प्रबंधन का उत्तरदायित्व आयोजनकर्ता, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं का भी है। इस प्रयास को प्रभावी बनाने के लिए सूडा के निर्देश के आलोक में स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पूजा पंडालों का स्वच्छता मूल्यांकन 20 से 25 अक्टूबर के दौरान गठित टीम द्वारा तालिका में अंकित मापदंडों के आधार पर किया जायेगा। प्रतियोगिता कुल 120 अंक की है।

विश्व कप : भारत ने पाक को सात विकेट से हराया

एजेंसी। अहमदाबाद

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने विश्व कप के 12वें मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का विश्व कप में जीत का रिकॉर्ड 8-0 हो गया। इस मैच में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.5 ओवर में केवल 191 रनों पर सिमट गई। जवाब में भारत ने 30.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाकर सात विकेट से जीत हासिल की। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और तीसरे ही ओवर में 23 रनों के कुल स्कोर पर शुभमन गिल 16 रन बनाकर शाहिन शाह अफरीदी की गेंद पर आउट हो गए। गिल के आउट होने के बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी की। इस दौरान रोहित ने काफी तेज बल्लेबाजी की और पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि कोहली इस दौराम 79 के कुल स्कोर पर 16 रन बनाकर अफरीदी के दूसरे शिकार बने। दूसरे छोर पर कोहली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। 22वें ओवर में रोहित हसन अली का शिकार बने। रोहित ने 63 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की बदौलत 86 रन बनाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 30.3 ओवर में जीत दिला दी। अय्यर ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई

और अपना अर्धशतक भी पूरा किया। अय्यर 53 और राहुल 19 रन बनाकर नाबाद रहे। जसप्रीत बुमराह (7 ओवर 19 रन 2 विकेट) को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पाकिस्तान की ओर से शाहिन शाह अफरीदी ने 2 और हसन अली ने 1 विकेट लिया। इससे पहले पाकिस्तान की पूरी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 50 रन बनाए। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने 49, इमाम उल हक ने 36 और अब्दुल्लाह शफीक ने 20 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान को अब्दुल्लाह शफीक और इमाम उल हक ने सधी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। 41 के कुल स्कोर मोहम्मद सिराज ने शफीक को एलबीडब्ल्यू कर भारत को पहली सफलता दिलाई। शफीक ने 20 रन बनाए। इसके बाद 73 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने इमाम को राहुल के हाथों कैच कराकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यहां से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान का स्कोर 155 तक पहुंचाया, यहां से लग रहा था कि पाकिस्तान एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी, लेकिन तभी सिराज ने बाबर आजम को बोल्ड को भारत को तीसरी सफलता दिलाई। बाबर ने 58 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 50 रन बनाए। बाबर के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सउद शकील कुछ खास नहीं कर सके और 162 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कुलदीप ने इसके बाद इफ्तिखार अहमद (04) को बोल्ड कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। जसप्रीत बुमराह ने इसके बाद मोहम्मद रिजवान (49) और शाजाब खान (02) को बोल्ड कर पाकिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 171 रन कर दिया। 187 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने मोहम्मद नवाज (04) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने 187 के ही स्कोर पर पहले हसन अली (12) और फिर हारिस रऊफ (02) को आउट कर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। पाकिस्तानी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	बॉल	4	6
अब्दुल्लाह शफीक	20	24	3	0
इमाम-उल-हक	36	38	6	0
बाबर आजम	50	58	7	0
मोहम्मद रिजवान	49	69	7	0
सऊद शकील	6	10	0	0
इफ्तिखार अहमद	4	4	1	0
शादाब खान	2	5	0	0
मोहम्मद नवाज	4	14	0	0
हसन अली	12	19	2	0
शाहीन शाह अफरीदी	2	10	0	0
हारिस रउफ	2	6	0	0

अतिरिक्त : 04, **कुल :** 191/10 (42.5 ओवर)
विकेट पतन: 1-41, 2-73, 3-155, 4-162, 5-166, 6-168, 7-171, 8-187, 9-187, 10-191. डीआरएस
गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 7-1-19-2, मोहम्मद सिराज 8-0-50-2, हार्दिक पंड्या 6-0-34-2, कुलदीप यादव 10-0-35-2, रवींद्र जाडेजा 9.5-0-38-2, शार्दुल ठाकुर 2-0-12-0

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित शर्मा	86	63	6	6
शुभमन गिल	16	11	4	0
विराट कोहली	16	18	3	0
श्रेयस अय्यर	53	62	3	2
के एल राहुल	19	29	2	0

अतिरिक्त : 02, **कुल :** 192/3 (30.3 ओवर)
विकेट पतन: 1-23 , 2-79 , 3-156 . डीआरएस
गेंदबाजी : शाहीन शाह अफरीदी 6-0-3-2, हसन अली 6-0-34-1, मोहम्मद नवाज 8.3-0-47-0, हारिस रउफ 6-0-43-0, शादाब खान 4-0-31-0

वर्ल्ड कप 2023 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	नेट प्वाइंट्स	नेट प्वाइंट्स
भारत	3	3	0	6	+1.821
न्यूजीलैंड	3	3	0	6	+1.604
सा. अफ्रीका	2	2	0	4	+2.360
पाकिस्तान	3	2	1	4	-0.137
इंग्लैंड	2	1	1	2	+0.553
बांग्लादेश	3	1	2	2	-0.699
श्रीलंका	2	0	2	0	-1.161
नीदरलैंड्स	2	0	2	0	-1.800
ऑस्ट्रेलिया	2	0	2	0	-1.846
अफगानिस्तान	2	0	2	0	-1.907

अनुराग ठाकुर ने एएनओसी के महासचिव से की मुलाकात

एजेंसी। मुंबई

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को मुंबई में एसोसिएशन ऑफ नेशनल ओलंपिक कमेटी (एएनओसी) की महासचिव गुनिला लिंडबर्ग से मुलाकात की। एएनओसी एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त वर्तमान 206 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को संबद्ध करता है। आईओसी का 141वां सत्र रविवार को मुंबई में शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सत्र का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि ठाकुर ने शुक्रवार शाम को मुंबई में प्रमुख खेल हस्तियों और अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ दो द्विपक्षीय बैठकें कीं थीं। अनुराग ठाकुर ने पहली द्विपक्षीय बैठक विश्व रोइंग फेडरेशन के अध्यक्ष जीन-

क्रिस्टोफ रोलैंड के साथ की, जबकि दूसरी द्विपक्षीय बैठक इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष लॉर्ड सेबेस्टियन कोए के साथ की। द्विपक्षीय बैठकें भारतीय एथलीटों के समग्र स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेल विज्ञान और चिकित्सा में विशेषज्ञता साझा करने पर केंद्रित थीं। इसके अलावा बैठक में प्रशिक्षण पद्धतियों और उपकरणों में नवीनता लाने और अन्य क्षेत्रों की तरह खेलों में डिजिटल कोचिंग और प्रशिक्षण के उपयोग के लिए अनुसंधान पहल पर सहयोग पर चर्चा की गई।

झारखंड वुमेंस एशिया हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में 6 देशों की टीमें लेंगी हिस्सा

विभाग ने जारी किया ट्रॉफी टूर प्रोग्राम का शेड्यूल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य में हॉकी के खेल को बढ़ावा देने के लिये झारखंड वुमेंस एशिया हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी-2023 का आयोजन हो रहा है। खेल को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में ट्रॉफी टूर प्रोग्राम आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगता में एशिया देशों की कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें शामिल हैं। खेल विभाग ने ट्राफी टूर प्रोग्राम का शेड्यूल जारी करते हुए जानकारी दी है कि ट्राफी का आयोजन राज्य के विभिन्न शहरों में किया जा रहा है।

इन शहरों में होगा ट्रॉफी टूर प्रोग्राम

13 अक्टूबर 2023	रांची
14 अक्टूबर 2023	देवघर और गोड्डा
15 अक्टूबर 2023	साहेबगंज और पाकुड़
16 अक्टूबर 2023	दुमका और जामताड़ा
17 अक्टूबर 2023	धनबाद, बोकारो, सरायकेला और चाईबासा
18 अक्टूबर 2023	गिरिडीह, जमशेदपुर और कोडरमा
19 अक्टूबर 2023	रामगढ़ और हजारीबाग
20 अक्टूबर 2023	चतरा और पलामू
21 अक्टूबर 2023	गढ़वा और लातेहार
22 अक्टूबर 2023	लोहरदगा और गुमला
23 अक्टूबर 2023	सिमडेगा
24 अक्टूबर 2023	खूंटी

आंद्रे रुबलेव, उगो हम्बर्ट को 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा

शंघाई। एटीपी शंघाई मास्टर्स में अपना बदला चुकता करते हुए आंद्रे रुबलेव ने उगो हम्बर्ट को 6-2, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुछ दिन पहले रूबलेव और हम्बर्ट का बीजिंग में मैच हुआ था। उस समय हम्बर्ट ने रुबलेव को हराया था। रुबलेव ने कहा, बीजिंग में मैच में हम दोनों ने शानदार टेनिस खेला और मेरे पास मौके थे। मैं मैच के लिए सर्विस कर रहा था। वह उस मैच में अच्छा खेल रहा था। मैंने बाद में देखने की कोशिश की कि मैंने उस मैच में क्या गलत किया। उन्होंने कहा, मैंने आज वही गलतियां नहीं की और मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। मैं सीधे सेटों में जीतकर खुश हूं। मैंने शानदार मैच खेला और आज जीतकर मैं खुश हूं। सेमीफाइनल में रुबलेव का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

हार के बावजूद भारतीय टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा

एजेंसी। कुआलालंपुर

मडेर्का टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों 2-4 की दिल दहला देने वाली हार के बावजूद भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। एआईएफएफ की रिपोर्ट के अनुसार, मडेर्का टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों चौथी हार के बाद, बुकित जलील स्टेडियम में भीड़ के सामने भारत के प्रदर्शन को मैदान में मौजूद स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। मैच के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम उदास था, लेकिन निराशा की वह भावना जल्द ही आत्मनिरीक्षण में बदल गई। कोच और खिलाड़ी इन सबसे गुजरे, अच्छा, बुरा और बदसूरत; जो लोग अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे उन्होंने अपनी गलतियाँ स्वीकार कीं और अच्छे प्रदर्शन करने वालों को निराश करने के लिए माफी मांगी। यह सब उस चीज का अभिन्न अंग है जो एक टीम को एक ऐसी टीम बनाती है जिसमें कोई 'मैं' नहीं है। हम एक साथ जीतते हैं, हम एक साथ पीड़ित होते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम बुरे समय में एक-दूसरे का साथ निभाते हैं।

भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक स्पष्ट रूप से जिस तरह से चीजें घटीं उससे खुश नहीं थे, लेकिन उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिनमें ब्लू टाइगर्स को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कुछ स्थितियों में, हम समय पर गेंद को बॉक्स में नहीं डाल रहे थे। हम अधिकतर बहुत लंबे समय तक इंतजार कर रहे थे और क्रॉस अवरुद्ध हो रहे थे, या हमें अपने शॉट लेने में बहुत अधिक समय लगा। फुटबॉल में, एक बार जब आप बॉक्स के करीब पहुंच जाते हैं, तो आपको यह सोचते रहना पड़ता है कि आप गोल कैसे करेंगे। हमें अपनी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने की जरूरत है।" स्टिमैक की भावनाओं को कप्तान सुनील छेत्री ने दोहराया, जिन्होंने शुक्रवार रात भारत के लिए दूसरा गोल किया, जो उनके करियर का 93वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

छेत्री ने कहा, यह अनुमान लगाना सही नहीं है कि यदि कुछ निर्णय हमारे अनुकूल होते तो क्या होता। ऐसा कहने के बाद, अगर लक्ष्य को 3-3 पर अनुमति दी जाती, तो हमारे लिए चीजें अलग हो सकती थीं। इसके लिए हम स्वयं दोषी हैं। हमने चौथा गोल खा लिया जबकि हमें अच्छे से बचाव करना चाहिए था। यह कम से कम हमारे नियंत्रण में था।" छेत्री ने कहा, "हमारे पास गति थी, हम दूसरे हाफ में खेल पर नियंत्रण कर रहे थे, लेकिन चौथे गोल ने इसे खत्म कर दिया।"

दिन के अंत में, भारतीय फुटबॉल टीम को तैयारी के लिए बड़ी लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा। दो विश्व कप क्वालीफायर, 16 नवंबर को कुवैत में और 21 नवंबर को मौजूदा एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ घरेलू मैदान पर, ब्लू टाइगर्स के लिए कम से कम कठिन मुकाबले होंगे। ये मैच उन्हें 2024 में एएफसी एशियाई कप में निश्चित रूप से और भी कठिन कार्यों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भी काम करते हैं, जहां ग्रुप बी में उनका सामना ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी), उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) से होगा।

मलेशिया के खिलाफ नतीजा दुखदायी होगा. शायद एक दिन के लिए, शायद दो दिन के लिए. शायद एक हफ्ते के लिए भी, लेकिन यह प्रदर्शन सभी के देखने और ढेर सारी आशा की चुस्कियाँ लेने के लिए मौजूद था।

नीरज चोपड़ा एक पीढ़ी को आगे बढ़ा सकते हैं: एश्टन ईटन

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली हाफ मैराथन के 18वें संस्करण में यहां 'बियॉन्ड द फिनिश लाइन' कार्यक्रम में कुछ एशियाई खेलों के चैंपियनों का जश्न मनाया गया। एशियाई खेलों के पदक विजेता एचएस प्रणय, प्रीति लांबा, अन्नू रानी, कार्तिक कुमार, सौरव घोषाल और ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सुमा शिरूर की उपस्थिति में कार्यक्रम में मौजूद थे।

एचएस प्रणय ने कहा, 2018 तक चीजें अच्छी चल रही थीं। उसके बाद चीजें खराब होने लगीं, चोटों और स्वास्थ्य समस्याओं ने मेरी प्रगति को पटरी से उतार दिया। लेकिन यहीं पर बहुत से लोगों के समर्थन ने मेरी मदद की, मुझे विश्वास दिलाया कि यह खत्म नहीं हुआ है, और समझ आया कि खेल ऐसा ही है। कठिन दौर आएंगे, लेकिन आपको कड़ी मेहनत करते रहना होगा। कोविड-19 महामारी के बाद, मैंने रीबूट करने और नए सिरे से शुरूआत करने का फैसला किया। इतने वर्षों में मैंने जो भी मेहनत की थी, उसका फल मिल रहा है और अनुभव ने मुझे अपने शरीर का प्रबंधन करना सिखाया है।" एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी, एशिया के सबसे तेज लंबी दूरी के धावकों में से एक, कार्तिक कुमार और सम्मानित अनुभवी सौरव घोषाल ने अपने दृढ़ संकल्प और अनुशासन के बारे में बात की, जिससे उन्हें कुछ बड़ी बाधाएं तोड़ने में मदद मिली। अन्नू रानी ने कहा, मैंने विदेश जाकर प्रशिक्षण लेने की अनुमति देने के लिए अपने महासंघ से लड़ाई की। हालाँकि, मैंने अपने कार्यकाल की शुरूआत अच्छी नहीं की और कई प्रतियोगिताएँ हार गयी । लेकिन मेरा ध्यान एशियाई खेलों को जीतने पर था, यह मेरे लिए करो या मरो जैसा था और अंततः मैं हांगझोउ में इस अवसर पर पहुंचने में सफल रही , और एक ओलंपिक और पूर्व विश्व चैंपियन के खिलाफ जीत हासिल की। यह सब पहले की गई कड़ी मेहनत का नतीजा था।" एक और व्यक्ति जो एक एथलीट के रूप में रैंकों में आने के बारे में सब कुछ जानता है, जिसे सिस्टम से उचित समर्थन मिला है, वह दो बार के ओलंपिक चैंपियन एश्टन ईटन हैं। अमेरिकी शीर्ष खिलाड़ी अभी भी एकमात्र एथलीट है जिसने डिकैथलॉन में दो बार 9000 अंक का आंकड़ा पार किया है। एश्टन ईटन ने कहा, वह माइकल जॉनसन थे, जिन्होंने अपने सुनहरे स्पाइक्स और अद्भुत प्रदर्शन से एक पीढ़ी को प्रेरित किया, और नीरज चोपड़ा निश्चित रूप से भारतीय एथलेटिक्स के साथ ऐसा कर सकते हैं, और कभी-कभी आपको बस यही चाहिए होता है।

आर्कटिक ओपन 2023 के सेमीफाइनल में पहुंची सिंधु

एजेंसी। वंता

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु वंता एनर्जिया में आर्कटिक ओपन 2023 महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में वियतनाम की थ्यू लिन्ह गुयेन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु ने दुनिया की 26वें नंबर की शटलर को लगातार तीन गेमों में 20-22, 22-20 और 21-18 से हराया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट आर्कटिक ओपन 2023 के परिणाम, पेरिस 2024 ओलंपिक

के लिए क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे। सिंधु ने इस साल 14 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूर्नामेंट खेले हैं। इनमें वह एक बार फाइनल, दो-दो बार सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

उम्मीद **भारत 2036 में शीर्ष एथलेटिक्स स्पर्धाओं होगा , बोले सेबेस्टियन कोए**

ओलंपिक की मेजबानी करते देखना पसंद करूंगा

एजेंसी। मुंबई

विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन कोए ने शनिवार को यहां कहा कि उनका संगठन भारत को उसकी आर्थिक क्षमता के कारण विस्तार के लिए एक प्रमुख बाजार मानता है और वह देश को अपने कुछ प्रमुख आयोजनों की मेजबानी करते देखना चाहता है।

भले ही एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने अभी तक 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक तौर पर बोली नहीं लगाई है और अभी भी चर्चा मोड में है, विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष लॉर्ड सेबेस्टियन कोए ने कहा कि वह चाहते हैं कि भारत भी इस प्रतियोगिता का आयोजन करे।

उन्होंने कहा कि भारत में बड़े आयोजनों की मेजबानी करना ट्रैक और फील्ड के विकास के लिए अच्छा होगा।

लॉर्ड कोए ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा, मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि मैं भारत की यात्रा पर हूं।

मैं चाहता हूं कि भारत हमारे अधिक से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन करे। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है (हमारे लिए)। आपके पास सबसे बड़ी आबादी है दुनिया में, और आपकी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है, शायद वास्तविक अर्थों में संयुक्त राज्य अमेरिका से भी मजबूत। ये बहुत महत्वपूर्ण संपत्तियां हैं जो तब सामने आती हैं जब विश्व खेल परिदृश्य पर नजर डालता है।

एएफआई अध्यक्ष और विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा कि उनके संगठन को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए औपचारिक बोली लगाने का निर्णय लेने में कुछ और दिन लगेंगे, जिसका अगला संस्करण 2025 में टोक्यो, जापान में आयोजित किया जाएगा।

भारत भी 2036 ओलंपिक के लिए औपचारिक बोली पर विचार कर रहा है, लॉर्ड कोए ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जिन देशों में क्षमता, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक इच्छाशक्ति और खेल जुनून है वे प्रमुख आयोजनों के आयोजन के लिए आगे आएं।

हालाँकि उन्होंने कहा कि वह देश में अपने खेल को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत में ओलंपिक खेलों को देखना पसंद करेंगे।

लॉर्ड ने कहा, बहुत स्पष्ट कारणों से, आंशिक रूप से व्यक्तिगत और आंशिक रूप से परिचित कारणों से, लेकिन भारत एक अद्भुत देश है और मुझे लगता है कि खेलों का विकास शानदार होगा। मुझे लगता है कि हर कोई इसे पहचानता है। लेकिन इस पर फैसला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को करना है। कोए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र में भाग लेने के लिए मुंबई में हैं।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने भी 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की उम्मीद कर रहे भारत के पक्ष में बात की थी।